RNI NO. DELHI/2012/48369
वर्ष 8 अंक 201
नई दिल्ली, बुधवार, 27 मई, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

प्रियंका चोपड़ा ने निक के साथ पहली डेट को किया याद
विविध-12

www.dailypioneer.com

भारत भी डटा, हालात पर प्रधानमंत्री मोदी की नजर

पीएम ने एनएसए, सीडीएस और सेना प्रमुखों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की

- रक्षामंत्री ने भी की बैठक, लद्दाख के साथ उत्तराखंड और हिमाचल के सीमावर्ती क्षेत्रों में बढ़ाई जा रही सेना की तैनाती
- सेना कमांडरों की दो दिवसीय कांफ्रेंस आज से, ड्रैगन की चाल पर चर्चा होगा मुख्य एजेंडा

चीन के साथ तनाव बरकरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत और चीन के बीच तनाव बरकरार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को हालात की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक की जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) बिपिन रावत तथा सेना के तीन अंगों के प्रमुख शामिल थे।

एलएसी पर चीनी सेना द्वारा आक्रामक रुख दिखाने, पूर्वी लद्दाख के हॉट स्प्रिंग इलाके में तीन किलोमीटर से ज्यादा घुसपैठ करने तथा जवानों की तैनाती बढ़ाने के पृष्ठभूमि में यह बैठक हुई है। यही नहीं चीन ने पूर्वी लद्दाख में हथियारों से जवानों ढोने वाले भारी वाहनों को भी वहां पर तैनात किया है। साथ ही एलएसी के साथ चीनी हेलीकॉप्टरों ने अपनी हवाई गश्त भी बढ़ा दी है। चीनी द्वारा द्वारा घुसपैठ की कोशिश और जवानों के बीच झड़प की चार घटनाओं के साथ एलएसी करीब महीने भर से 'गरम' है। इससे पहले आज दिन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना के आला अधिकारियों के साथ बैठक कर स्थिति की समीक्षा की थी। बुधवार को शुरू हो रहे सेना कमांडरों के दो दिवसीय कांफ्रेंस में माह भर से चल रहे टकराव का यह मुद्दा मुख्य एजेंडा होगा।

हॉट स्प्रिंग इलाके में आने के साथ उसके सैनिकों ने यहां पर तंबू गाड़ दिए हैं और पांच हजार से ज्यादा जवानों को तैनात कर दिए हैं। इस सीमावर्ती इलाके में 20 से 30 किलोमीटर के दायरे में भारतीय सैनिकों के साथ उनकी चार बार झड़प हो चुकी है। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह भी बताया गया कि चीन से लगी सीमा पर (शेष पेज 9)

शी ने चीन की सेना से कहा युद्ध की तैयारियां तेज करें

शी चिनफिंग

बीजिंग(भाषा)। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सबसे खराब स्थिति की कल्पना करते हुए सेना को युद्ध की तैयारियां तेज करने का मंगलवार को आदेश दिया और उससे पूरी दृढ़ता से देश की सम्प्रभुता की रक्षा करने को कहा। देश की सत्तारूढ़ चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के महासचिव और करीब 20 लाख सैनिकों वाली सेना के प्रमुख 66 वर्षीय शी ने यहां चल रहे संसद सत्र के दौरान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) और पीपुल्स आर्म्ड पुलिस फोर्स के प्रतिनिधियों की पूर्ण बैठक में हिस्सा लेते हुए यह टिप्पणी की। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक, शी ने सेना को आदेश दिया कि वह सबसे खराब स्थिति की (शेष पेज 9)

दिल्ली बॉर्डर पर लगा लंबा जाम, घंटों जूझते रहे लोग

- गाजियाबाद और नोएडा में सीमा सील करने से इनसे जुड़े रास्तों पर भी लगी रही वाहनों की कतार

दिल्ली-नोएडा की सीमा पर लगी वाहनों की कतार। फोटोः दीपक यादव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा/गाजियाबाद

नोएडा और गाजियाबाद में दिल्ली बॉर्डर सील कर दिया गया है। नोएडा में जहां लॉकडाउन टू से लगातार बॉर्डर सील है। वहीं कोरोना बढ़ते मामलों के मद्देनजर गाजियाबाद में रियायत के बाद सोमवार को एक बार फिर जिला प्रशासन ने बॉर्डर सील करने का फैसला लिया। इसके बाद मंगलवार की सुबह से नोएडा और दिल्ली में लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा। हजारों की संख्या में वाहन दिनभर फंसे रहे। लोग जिला प्रशासन, पुलिस और शासन में शिकायत कर रहे हैं। अब इस मुद्दे पर दोनों जिलों के डीएम ने उत्तर प्रदेश सरकार से मार्गदर्शन मांगा है।

लॉकडाउन-4 में केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने लोगों को बड़ी राहत दी हैं। कामकाज, बाजार और उद्योग.धंधे शुरू हो गए हैं। आवागमन भी काफी हद तक शुरू कर दिया गया है। लेकिन नोएडा और दिल्ली के बीच से आवागमन पर पाबंदी बरकरार रखी गई है। इसके पीछे जिला प्रशासन का मत है कि दिल्ली से आवागमन के कारण संक्रमण तेजी से फैलता है। हालांकि डॉक्टर, मीडिया कर्मी, केंद्र सरकार के कर्मचारी-अधिकारी और जरूरी सेवाओं को बहाल रखा गया है। अब सोमवार को गाजियाबाद के जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडेय ने भी दिल्ली बॉर्डर सील करने का आदेश जारी कर दिया।

गाजियाबाद के स्वास्थ विभाग का भी यही मानना है कि दिल्ली से आवागमन के कारण तेजी से कोरोनावायरस का संक्रमण फैल रहा है। इसे रोकने के लिए दिल्ली का बॉर्डर सील करना जरूरी है। इसका असर मंगलवार की सुबह दिखाई दिया। बॉर्डर सील कर दिया गया इससे नोएडा और दिल्ली में हजारों की संख्या में वाहन ट्रैफिक जाम में फंस गए। दरअसल, देखने में आ रहा था कि लोग नोएडा-दिल्ली के बीच में बॉर्डर सील होने के कारण गाजियाबाद की तरफसे घूम कर दिल्ली चले जा रहे थे।

अब गाजियाबाद बॉर्डर भी सील हो गया तो लोगों का जाना बिल्कुल बंद हो गया है। ऐसे में डीएनडी, महामाया फ्लाईओवर, नेशनल हाईवे, साहिबाबाद, यूपी गेट और भोपा बॉर्डर पर लंबे ट्रैफिक जाम लगे हुए हैं। अब इस मसले पर मंगलवार की सुबह से दोनों जिलों के प्रशासन पुलिस और शासन तक बड़ी शिकायतें पहुंच रही हैं। सोशल मीडिया और खबरों में यह मुद्दा छाया हुआ है।

योगी के बयान पर तेज हुई सियासी जंग

- कई श्रमिक संगठन देशव्यापी प्रदर्शन और कोर्ट जाने की तैयारी में
- राहुल गांधी ने बयान को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, कहा- लोग भारतीय पहले राज्यवासी बाद में

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक बयान के बाद प्रवासी मुद्दे ने मंगलवार को राजनीतिक रंग ले लिया। योगी ने कहा था कि अन्य राज्यों को उत्तर प्रदेश से श्रमिकों को नियुक्त करने के लिए उनकी सरकार की अनुमति लेनी होगी।

इसकी आलोचना करते हुए कांग्रेस, वाम, समाजवादी पार्टी और कई ट्रेड यूनियनों और श्रमिक मोर्चा संगठनों ने मुख्यमंत्री योगी के बयान को बेतुका व असंवैधानिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का बयान देश के भीतर जो जहां चाहता है, वहां अपनी आजीविका कमाने के अधिकार पर अतिक्रमण है। इस ऐलान से योगी प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा से ध्यान हटाने का प्रयास कर रहे हैं। भारतीय मजदूर संघ (शेष पेज 9)

विफल रहा लॉकडाउन, पीएम अगली रणनीति बताएंः राहुल

- कहा-भारत पहला देश जो बीमारी बढ़ने पर हटा रहा पाबंदियां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में चार चरणों में लगाए गए लॉकडाउन के विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि आगे कोरोना संकट से निपटने और जरूरतमंदों को मदद देने की उनकी रणनीति क्या है? उन्होंने अपनी पुरानी मांग दोहराते हुए यह भी कहा कि गरीबों और मजदूरों को 7500 रुपये की मदद दी जाए और राज्य सरकारों को केंद्र की तरफ से पूरी मदद मिले। गांधी ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाददाताओं से कहा कि कुछ सप्ताह पहले प्रधानमंत्री ने कहा था कि हम 21 दिनों में कोविड को पराजित कर देंगे। यह उनकी उम्मीद थी। लेकिन आज मामले लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया, 'चार चरण के लॉकडाउन हो गए और 60 दिन हो गए। भारत पहला देश है जो बीमारी के बढ़ने पर लॉकडाउन हटा रहा है। यह स्पष्ट है कि भारत का लॉकडाउन विफल हुआ हैं। जो लक्ष्य मोदी जी का था, वह पूरा नहीं हुआ है।' कांग्रेस नेता ने (शेष पेज 9)

सफल रहा, पूरी दुनिया ने की सराहनाः भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने मंगलवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लॉकडाउन विफल रहने के आरोप को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण के दुगुनी होने की दर तीन दिन से बेहतर होकर अब 13 दिन हो गई है जो भारत की सफलता है । भाजपा नेता प्रकाश जावड़ेकर ने कहा कि मोदी सरकार के लॉकडाउन लागू करने के निर्णय के कारण यह सुनिश्चित हुआ है कि भारत को अमेरिका, फ्रांस, स्पेन जैसे देशा के तुलना में कम प्रभावित होना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि (शेष पेज 9)

प्रवासियों से गांवों में बढ़ा कोरोना का खतरा

केंद्र ने राज्यों को चेताया मजबूत करें स्वास्थ्य सेवाएं

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

दूसरे राज्यों में काम करने वाले प्रवासियों को उनके पैतृक गांवों में जाने के लिए राज्यों की सीमाएं पार करने की अनुमति देने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने संबंधित राज्यों खासकर पांच बड़े सूबों यूपी, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेष को कोविड-19 के बढ़ते खतरे से आगाह कर दिया है।

इन क्षेत्रों में संक्रमण के भारी उछाल को देखते हुए केंद्र ने राज्य सरकारों से मौजूदा सभी संसाधनों को व्यवस्थित करने और इनका बेहतर ढंग से इस्तेमाल करने को कहा है। केंद्र ने कहा है कि मौजूदा भवनों में ही अस्थायी स्वास्थ्य उप केंद्र स्थापित किए जाएं, विभिन्न क्षेत्रों में स्वयंसेवक भर्ती किए जाएं साथ ही आशा और एएनएम कार्यकर्ताओं को दी जाने वाली प्रोत्साहन राषि बढ़ाई जाए। गांवों में आषा और एएनएम कोविड संबंधी मामलों की पहचान करने और बीमारी का प्रसार रोकने के लिए जांच में अहम भूमिका निभाती हैं। बढ़ती मांग के साथ आईसीएमआर ने भी अपनी टेस्टिंग क्षमता और सुविधा बढ़ा दी है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव के अनुसार, शुरुआत में कुछ हजारों से बढ़ाकर भारत अब एक दिन में 1.1 लाख नमूनों की जांच कर रहा है। देश पहले से ही मुंबई की धारावी, पुणे, सूरत, अहमदाबाद, चेन्नई के एक बाजार और दिल्ली जैसे कुछ अन्य बड़े शहरों केघनी आबादी वाले इलाके कोविड-19 मामलों की बढ़ती संख्या से जूझ रहे हैं। यहां श्रमिकों को उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने के लिए निकालने के साथ केंद्र को इन क्षेत्रों में कोविड-19 (शेष पेज 9)

देश में कोविड-19 के 6,535 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए लोगों की संख्या मंगलवार को 1.45 लाख पहुंच गई। वहीं बड़ी संख्या में प्रवासी कामगारों के अपने-अपने राज्य लौटने से बिहार, पश्चिम बंगाल, असम और ओडिशा में कोविड-19 मरीजों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है। मंत्रालय ने सुबह के बुलेटिन में कहा कि देश में अभी तक कोरोना वायरस संक्रमण से 4,167 लोगों की मौत हुई है जबकि अभी तक 1,45,380 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। सोमवार सुबह आठ बजे से मंगलवार सुबह आठ बजे तक देश में कोविड-19 के 6,535 नए मामले आए हैं और संक्रमण से 146 लोग की मौत हुई है। फिलहाल देश में कोरोना वायरस संक्रमण के लिए 80,000 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है जबकि 60,000 से ज्यादा लोग इलाज के बाद संक्रमण मुक्त होकर घर लौट चुके हैं। पिछले तीन सप्ताह में जिन पांच राज्यों में कोविड-19 (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	30,609	↓ 63
निफ्टी	9,029	↓ 10
सोना		/10g
चांदी		/kg

क्विक न्यूज

पलायन कर रहे श्रमिकों की परेशानियों पर केंद्र और राज्यों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोविड-19 लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से फंसे प्रवासी कामगारों की परेशानियों का मंगलवार को स्वतः ही संज्ञान लिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कामगारों की परेशानियों का संज्ञान लेते हुए केंद्र, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से 28 मई तक जवाब मांगा है। इन सभी को न्यायालय को बताना है कि इस स्थिति पर काबू पाने के लिए उन्होंने अभी तक क्या कदम उठाए हैं।

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन का भारत में जारी रहेगा इस्तेमाल

- एक दिन पूर्व ही डब्ल्यूएचओ ने रोक दिया था एचसीक्यू का ट्रायल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने मंगलवार को कहा कि भारत में हुए अध्ययनों में हाइड्रोसीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) का कोई प्रमुख दुष्प्रभाव सामने नहीं आया है और इसका प्रयोग कोविड-19 के एहतियाती इलाज में जारी रखना चाहिए।

आईसीएमआर का यह बयान ऐसे समय आया है जब विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोविड-19 के संभावित इलाज के लिए चल रहे एक वैश्विक औषधि परीक्षण से, सुरक्षा संबंधी चिंता के मद्देनजर वह अस्थाई रूप से हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को हटाएगा। आईसीएमआर के महानिदेशक बलराम भार्गव ने कहा, कोविड-19 एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में जानकारी धीरे धीरे सामने आ रही है और हमें नहीं पता कि कौन सी दवा काम कर रही है और कौन सी दवा काम नहीं कर रही है।

कई दवाएं कोविड-19 के लिए इस्तेमाल के लिए निर्धारित की जा रही हैं, चाहे वह इससे बचाव के लिए हों या इलाज के लिए हों। उन्होंने कहा, हमने मिचली आने, उल्टी आने और बेचैनी होने (शेष पेज 9)

छोटे-छोटे टेस्ट करा ऑनलाइन शिक्षा में परखेंगे छात्रों की रुचि

- 20 अप्रैल से चल रही पढ़ाई, अच्छे परिणाम आएं तो इसको और बेहतर बनाने के लिए होंगे प्रयास

यूपी बोर्ड की पहल

प्रतीकात्मक चित्र

रिंकू यादव। नोएडा

ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र छात्राओं को अब टेस्ट भी देना होगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग के ओर से यह दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। जिसमें कहा है कि व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री देने के साथ-साथ उनके टेस्ट होंगे और ऑनलाइन ही इसका परिणाम जारी किया जाएगा। माध्यमिक शिक्षा विभाग के सभी स्कूलों में 20 अप्रैल से शिक्षण कार्य शुरू हो गए हैं। यह कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं।

संसाधन वाले सभी विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा से जोड़ा गया है और उनकी नियमित कक्षाएं चल रही हैं। ऐसे में निदेशालय ने शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि विद्यार्थियों की पढ़ाई के साथ साथ उनके छोटे.छोटे टेस्ट भी लिए जाएं। जिससे यह पता चल सके कि ऑनलाइन शिक्षा से जुड़ने वाले विद्यार्थी पढ़ाई में रुचि ले रहे हैं अथवा नहीं। साथ ही ऑनलाइन शिक्षा पद्धति छात्रों के लिए कितनी कारागर साबित हो रही है।

माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस योजना की पूरी समीक्षा शासन स्तर से की जा रही है। सभी प्रधानाचार्य छात्रों की ऑनलाइन टेस्ट की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेजेंगे। जिसके बाद निदेशालय को भी इसकी सूचना दी जाएगी। इस ऑनलाइन टेस्ट के लिए छात्रों को निर्धारित समय में परीक्षा कॉल करने के बाद अपना फोटो व्हाट्सएप ग्रुप पर खींचकर भेजना होगा। ताकि विभाग को यह पता लग सके कि छात्र ने ही ऑनलाइन टेस्ट दिया है। ऑनलाइन तरीके से पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राओं के माता-पिता को स्कूल के शिक्षक जागरूक करने का काम करेंगे। शिक्षक अभिभावकों से बच्चों को ऑनलाइन कक्षा में भेजने का अनुरोध करेंगे। ताकि बच्चों का होमवर्क समय से पूरा हो पाए।

जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ नीरज कुमार पांडे ने बताया कि छात्र-छात्राओं की शिक्षा के लिए ऑनलाइन पढ़ाई का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसमें छात्रों को जोड़ा जा रहा है। अब निदेशालय के निर्देश पर ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले छात्रों की ऑनलाइन छोटे-छोटे टेस्ट किए जाएंगे। ताकि छात्रों की पढ़ाई का मूल्यांकन किया जा सके।

हरियाणा में मास्क न पहनने, पब्लिक प्लेस पर थूकने पर जुर्माना लगाने की तैयारी

गृह मंत्री अनिल विज ने जल्द कानून बनाने के दिए संकेत

कोरोना से जंग

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

कोरोना से जंग लड़ रहे हरियाणा में आने वाले दिनों में मास्क न पहनने, सार्वजनिक स्थानों पर थूकने और सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन न करने वाले लोगों पर जुर्माना लगेगा।

इसके लिए कानून बनाने की तैयारी हरियाणा सरकार में शुरु होने जा रही है। कोरोना काल में लोगों की जिंदगी बचाने को राज्य सरकार के इस कदम की जानकारी गृह मंत्री अनिल विज ने देते हुए बताया कि कोरोना से बचाव से जुड़े निर्देशों का पालन न करने वालों पर जुर्माना लगाने का प्रावधान किया जाएगा। इस संबंध में कानून बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दे दिए हैं और इस मामले में सरकार नोटिफिकेशन जारी कर देगी।

अपने एक बयान पर विज ने कहा कि प्रदेश के सभी अधिकारियों चाहे वो किसी भी स्तर का हों सभी को निर्देश दे दिए है कि अगर हरियाणा मे नौकरी करनी है तो विधायकों के टेलीफोन भी सुनने पड़ेंगे, उनकी जायज बातों को भी मानना पड़ेगा और उनके द्वारा लोगों की जो समस्याएं रखीं जाती हैं उनकों प्राथमिकता के आधार पर हल करना पड़ेगा।

कोरोना योद्धाओं पर हमले बर्दाश्त नहीं : विज

विज ने कहा कि हमारे कोरोना योद्धा जो फ्रंटफुट पर अपनी जिंदगी दांव पर लगाकर लड़ रहे हैं उन पर किसी भी प्रकार का हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो कोई कानून हाथ मे लेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विज ने बताया कि प्रदेश मे टेस्टिंग बहुत बढ़ाई है और एक लाख से ज्यादा टेस्ट कर चुके हैं। अब तक एक लाख एक हजार तीन टेस्ट कर चुके हैं। विज ने कहा कि हमारी रिकवरी रेट भी 66 प्रतिशत है और डबलिंग रेट भी 19 है और ये सारे प्रदेशों में बहुत अच्छे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस बात पर प्रश्न उठाते हैं कि हरियाणा में इतना अच्छा रिकवरी रेट क्यों है। इसका श्रेय उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को दिया जिन्होंने पूरी निष्ठा के साथ कोरोना मरीजों की सेवा की है। विज ने कहा कि हरियाणा के लोगों की इम्यूनिटी भी बहुत अच्छी है लेकिन, फिर भी हरियाणा के लोगों को कोरोना से बचने के लिए तय किए गए सभी नियमों का पालन करने और एहतियात बरतने की अपील की। पंजाब पर निशाना साधते हुए विज ने कहा कि वैसे तो पंजाब अपने भाईचारे के लिए मशहूर रहा है लेकिन, ये दुर्भाग्य की बात है कि पंजाब के सियासतदानों ने हरियाणा के साथ हमेशा गलत व्यवहार ही किया है। विज ने कहा कि पंजाब को हरियाणा का हिस्सा देना चाहिए। एग्रीमेंट के अनुसार हमें हमारा अधिकार दिया गया है, सब कुछ पंजाब दबा कर बैठ जाएगा यह ठीक नहीं है।

फेल आदमी को सबकुछ फेल ही नजर आता है

विज ने राहुल गांधी द्वारा देश में लगाए गए लॉकडाउन को फेलियर करार देने पर राहुल पर पलटवार करते हुए कहा कि फेल आदमी को सबकुछ फेल ही नजर आता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की सोच ही दूषित है, यही कारण है कि 72 साल की आजादी के बाद भी मजदूर आज भी मजदूर ही है। उसको रोटी के लाले हैं। उसके पैर में चप्पल नहीं है और उसे घर-बार छोड़ कर दूर दूर प्रदेशों में जाना पड़ता है।

वैश्विक कोरोना महामारी एक अभूतपूर्व काल : मुख्यमंत्री

स्मार्ट सिटी के एजेंडे के अतिरिक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पत्रकारों से किया संवाद

पायनियर समाचार सेवा। करनाल

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी एक अभूतपूर्व काल है। इससे बचने के लिए चौथा लॉकडाउन चल रहा है। करीब ढाई महीने की अवधि में जनता, सरकार और प्रशासन के सामने कई तरह की चुनौतिया आई, लेकिन संयम और अच्छी प्रबंध व्यवस्था से उनसे भली भांति निपट रहे हैं, क्योंकि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है। कई अच्छे अनुभव सामने आए, जिनमें पुलिस, डॉक्टर व पैरा मेडिकल स्टाफ व सफाई कर्मियों की सेवाभावना एक मिसाल बनकर दिखाई दी। राधा स्वामी सत्संग घर और दूसरी समाज सेवी संस्थाओं का सहयोग भी अनुकरणीय है। बैठक के बाद अगले कुछ दिनों में वे करनाल में दूसरी बैठक भी करेंगे। मुख्यमंत्री मंगलवार को शहर के लघु सचिवालय स्थित सभागार में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट को लेकर आयोजित एक बैठक में अधिकारियों से रू-ब-रू थे। बैठक में स्मार्ट सिटी के एजेंडे के अतिरिक्त उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिला के पत्रकारों से भी संवाद किया।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर चर्चा के दौरान करनाल स्मार्ट सिटी लि. द्वारा करीब 300 करोड़ के भिन्न-भिन्न प्रोजेक्ट शुरू करने का एजेंडा मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर को स्मार्ट बनाना है, उसके लिए ऐसी प्लानिंग की जाए, जिसका फायदा पूरे शहर के नागरिकों को हो। बड़ी-बड़ी दीवारें खड़ी करना स्मार्ट सिटी नहीं है, बल्कि पेयजल व सीवरेज की बेहतर व्यवस्था, एयर पोल्यूशन पर नियंत्रण, स्कूल, कॉलेज व फैक्ट्री जैसी सरकारी व गैर सरकारी भवनों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, शहर में जगह-जगह एयर क्वालिटी के डिस्पले बोर्ड, वाहनों के अतिरिक्त अतिक्रमण और शहर को दूषित करने वाले वेस्ट की सीसी टीवी से ऑटोमेटिक चालानिंग, स्वच्छता ऐप, पार्को में ओपन जिम व अटल पार्क का और अधिक विकास करना जैसे कार्य स्मार्ट सिटी में किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी का मतलब यह की शहर पब्लिकलि स्मार्ट लगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि करनाल के उत्तर में स्थित कर्ण लेक एक पुराना पर्यटक स्थल है और यह दिल्ली से चंडीगढ़ के बीच स्थित अकेला हाल्ट है, इसका विकास किया जाए। झील को सुंदर बनाकर उसमें बोटिंग, मनोरंजन केन्द्र, होटल और आमजनता और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए झूले आदि लगाए जाएं। इसके अतिरिक्त सेक्टर-4 स्थित मेला ग्राउंड में स्टेज व साईकिल ट्रैक, स्लम बस्तियों में सुविधाएं देकर लोगों के रहन-सहन में परिवर्तन, अमरूत के तहत चल रहे स्टोरम वाटर व सीवरेज कार्य को स्काडा से जोडने, मुगल कैनाल की साफ-सफाई जैसे कार्य प्राथमिकता पर किए जाए।

इसी प्रकार प्रॉपर्टी टैक्स का डिजिटलाईजेशन करें। बैठक में भाजपा के जिला अध्यक्ष जगमोहन आनंद, हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव एसएन राय, शहरी निकाय विभाग के महानिदेशक मोहित अग्रवाल, उपायुक्त निशांत कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक एसएस भौरिया, मेयर रेणू बाला गुप्ता, करनाल स्मार्ट सिटी लि. के सीईओ राजीव मेहता भी उपस्थित थे।

कोरोना वॉरियर सफाई कर्मियों, आंगनबाड़ी वर्कर्स को किया सम्मानित

भिवानी में सफाई कर्मचारियों व आंगनबाड़ी वर्कर्स को सम्मानित करते एमडी पब्लिक स्कूल बैंक कालोनी के प्रबंधक रमेश कुमार व अन्य।

एमडी पब्लिक स्कूल बैंक कॉलोनी की ओर से किया गया सम्मान

भिवानी। वैश्विक संक्रमित महामारी कोरोना के संक्रमण से लोगों को बचाने में योद्धाओं की तरह अपनी अहम भूमिका निभा रहे सफाई कर्मचारियों को बैंक कालोनी स्थित एमडी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक रमेश कुमार, वुशू कोच सोमवीर शर्मा, राकेश कौशिक पालुवास, अर्जुन, शालू, हनी ने स्मृति चिन्ह व प्रमाण-पत्र भेंट कर और फूलमालाएं पहनाकर सम्मानित किया।

प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए सफाई कर्मचारियों का अहम योगदान है वे पूरे शहर, बाहरी कॉलोनी व मोहल्ले में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस महामारी को रोकने के लिए साफ-सफाई का होना बहुत जरूरी है। इस युद्ध में सफाई कर्मचारी भी एक योद्धा की भूमिका निभा रहे हैं। हमें इनका पूरा मान-सम्मान करना चाहिए। वुशू कोच सोमवीर शर्मा ने कहा कि इस महामारी से लोगों को बचाने के लिए चिकित्सक, पुलिस प्रशासन व सफाई कर्मचारी अपनी-अपनी भूमिका पूरी ईमादारी से निभा रहे हैं। हमें इनके साथ मित्रता जैसा व्यवहार करना चाहिए। सफाई कर्मचारी जगत ने कहा कि वैश्विक संक्रमित महामारी कोरोना वायरस गंदगी के माध्यम से हमारे पास न पहुंचे इसके लिए वे पूरी तत्परता से कार्य करते रहेंगे। समाज हित में अपने अहम योगदान देने वाले मा. राकेश कौशिक पालूवास को भी सम्मानित किया गया।

नारनौल में दोबारा फूटा कोरोना बम, जिला में 15 नए केस

छह ठीक होने के बाद 30 केस अभी भी एक्टिव

अशोक कुमार कौशिक। नारनौल

जिले में मंगलवार को दूसरी बार कोरोना 13 संक्रमित लोगों के रुप में कोरोना बम फूटा इससे पूर्व एक सप्ताह पहले भी 10 पॉजिटिव मरीज सामने आए थे। मंगलवार को जिला में एक लिस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई जिसमें 12 मरीजों के नाम व मोबाइल नंबर दर्ज थे। इससे पूर्व एक सप्ताह पूर्व भी संक्रमितों की जानकारी मीडिया में आने से पहले ही आम लोगों तक पहुंच गई थी।

मंगलवार दोपहर बाद से ही करोना बम फटने के कयास लगाए जा रहे थे। सीएमओ अशोक कुमार ने ऐसी किसी लिस्ट के उनके कार्यालय से जारी होने से इंकार किया है। जिला में कोरोना वायरस के 15 नए केस आए हैं। इसके साथ ही जिला में कोरोना के कुल 36 केस हो गए हैं। इनमें से छह मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। जिला में कोरोना के 30 केस अभी भी एक्टिव हैं।

सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि इनमें एक केस गांव ब्राह्मणवास का है जो 19 मई को दिल्ली से आया था। यह नाई है। दूसरा केस रामबास से है। यह छात्र 23 मई को दिल्ली से आया है। तीसरा केस मौसमपुर से है। यह महिला हाउस वाइफ है और वह 22 मई को नवलगढ़ से आई है। चौथा केस गांव छापड़ा बीबीपुर से है। यह एक बिजनेसमैन है। यह 17 मई को मुंबई से आया है। पांचवा केस गांव श्यामपुरा से है। ये कारपेंटर का काम करता है और वह 22 मई को जलगांव से आया है।

नौतपा से तपी धरती, हिसार व नारनौल का पारा 47 के पार

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

नौतपा की शुरूआत होते ही गर्मी ने रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है और धरती तप चुकी है। आसमान से बरसे रहे अंगारों से जीवन बेहाल हो रहा है। न्यूनतम तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी से रातें भी गर्म हो गई हैं। आलम यह है कि पंखे बेसर साबित हो रहे हैं तो कूलर भी गर्मी से राहत दिलाने में ज्यादा असरदार नहीं बन पा रहा है।

सूर्य देव की तपन का एहसास सुबह साढ़े 6 बजे शुरू हो जाता है और 10 बजते ही गर्मी चरम पर पहुंच जाती है और लू का प्रकोप बढ़ जाता है। 10 से 15 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से चल रही हवाओं से लू के थपेड़े हलक सूखाने के साथ पसीने से शरीर तर-बतर हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक

न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी से रात भी गर्म

राजस्थान से सटे नारनौल का न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जो सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी होने सुबह के समय नमी की मात्रा में गिरावट आ रही है। सुबह के समय नमी की मात्रा 35 फीसद पर पहुंच गई है जोकि दिनभर की लू व तपन में घटकर सायं के समय 15 फीसद पर सिमट रही है। नारनौल व हिसार का अधिकतम तापमान 47.0 डिग्री सेल्सियस रहा। रोहतक का अधिकतम 45.0 डिग्री और न्यूनतम 28.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके साथ ही हिसार न्यूनतम तापमान 27.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जोकि सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा। भिवानी का भी अधिकतम 45.0 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम 27.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यही नहीं 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चली गर्म हवाएं परेशानी बढ़ा रही है।

नौतपा में लगातार बढ़ रहे पारे के कारण लोग घरों से निकलने से परहेज कर रहे हैं। दोपहर को सड़कें सूनसान दिखाई देती हैं तो बाजारों में भी वीरानगी छा जाती है। गर्मी व लू से बचने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों का सहारा ले रहे हैं तो दोपहर से सायं तक अपने घरों में ही रहे हैं ताकि गर्मी के प्रकोप से बचा जा सके। चिकित्सकों के मुताबिक गर्मी के मौसम में डिहाइड्रेशन और उल्टी-दस्त संबंधी समस्या अधिक रहती है। इनका शिकार होने से बचने के लिए सावधानियां बेहद जरूरी हैं।

दो समुदायों के झगड़े में जमकर बरसी ईंटें कई घायल

कैथल। कैथल के सिरटा रोड पर सोमवार रात दो समुदाय के बीच हुए तनाव में जमकर ईंटें और पत्थरबाजी हुई। इस झगड़े में एक पक्ष ने जहां दूसरे पक्ष पर जमकर ईंटें बरसाई, वहीं दूसरे पक्ष ने भी अपने बचाव में ईंटों से ही उसका जवाब दिया। सोमवार देर रात हुए झगड़े को सुलझाने जब पुलिस पहुंची तो पुलिस पर भी ईंटें बरसाई गई। शहर थाना पुलिस को मदद के लिए सिविल लाइन थाना पुलिस का सहारा लेना पड़ा। मौका स्थल पर रात को ही सिटी थाना प्रभारी नन्ही देवी भी पहुंची। मंगलवार को भी तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। दिन भर गली के बाहर पुलिस बल का पहरा रहा। बताया है कि यह झगड़ा सैंसी और वाल्मीकि समुदाय के बीच हुआ है। इस झगड़े में दोनो पक्षों से कई लोग घायल भी हुए हैं। गली में इस दंगे का कारण एक समुदाय द्वारा नशा सप्लाई बताया जा रहा है।

प्रोबायोटिक्स से इम्युनिटी बनाएं

गट माइक्रोबायोटा एंड प्रोबायोटिक्स साइंस फाउंडेशन (भारत)

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय जानकारी को चरणबद्ध करते हुए, गट माइक्रोबायोटा एंड प्रोबायोटिक्स फाउंडेशन (भारत) ने मंगलवार कोविड-19 महामारी के दौरान प्रोबायोटिक्स और इम्युनिटी के बीच गहरे संबंध को लेकर जानकारी साझा की है। यह जानकारी प्रोफेसर एनके गांगुली, प्रेसिडेंट, गट माइक्रोबायोटा एंड प्रोबायाटिक साइंस फाउंडेशन और पूर्व डायरेक्टर जनरल, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और डॉ. नीरजा हजेला, सेक्रेटरी, गट माइक्रोबायोटा एंड प्रोबायोटिक साइंस फाउंडेशन (भारत) ने दी।

हम अभी अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, लेकिन हमें याद रखना चाहिये कि हर समस्या के पीछे उम्मीद की एक किरण छुपी होती है। कोविड-19 बीमारी का कहर जारी है, लेकिन अच्छी बात यह है कि यह हर किसी को प्रभावित नहीं कर रहा और कुछ लोगों में तो इसके लक्षण भी नजर नहीं आ रहे तो वहीं दूसरे तेजी से ठीक भी हो रहे हैं।

तो इसकी क्या वजह है कि अलग-अलग लोगों पर इसका प्रभाव अलग है। हाल ही में ऑस्ट्रिया में पीटर डोरेथी इंस्टीट्यूट में नेचर मेडिसिन में अध्ययनकर्ताओं द्वारा छपे एक एक दिलचस्पप शोध से यह पता चला है कि इसका राज आपकी इम्युनिटी में छुपा है। मजबूत इम्युन सिस्टम से इस वायरस से लड़ा जा सकता है और यह बीमारी का रुख मोड़ देता है। हमने इम्युनिटी को बेहतर बनाने के कई तरीकों के बारे में सुना है - यह आज मुख्य चर्चा का विषय बना हुआ है, खासकर जबकि इस बीमारी से लड़ने का कोई पक्का इलाज या वैक्सीमन उपलब्ध नहीं है। हम सब इस बात को जानते हैं कि मजबूत इम्यून सिस्टम एक सेहतमंद-संतुलित भोजन में छुपा होता है। जिसमें इम्युनिटी को बढ़ाने वाले पोषक तत्व, नियमित फिजिकल एक्टिविटी, पर्याप्त पानी और शांत दिमाग के लिये अच्छी मात्रा में नींद, शामिल है।

अभी हाल ही के वैज्ञानिक आंकड़े बताते हैं कि प्रोबायोटिक्स के साथ आंतों की सेहत को बेहतर बनाना इम्युनिटी बढ़ाने का एक और प्रभावी तरीका है। इसका तर्क सरल है - शरीर की लगभग 70 प्रतिशत इम्युनिटी आंत में पायी जाती है। यानी इम्युनिटी को बनाने के लिये यह बैक्टीरिया पर निर्भर करता है। यह सुनने में भले ही साइंस फिक्शन जैसा लगता हो, लेकिन हमारी आंत 1000 तरह के अलग-अलग 100 ट्रिलियन बैक्टीरिया का ठिकाना है। ये सभी एक साथ मिलकर हमारी इम्युनिटी बनाने का काम करते हैं।

यूथ वीरांगनाओं ने जरूरतमंद परिवारों को दिया राशन

कुरुक्षेत्र। सामाजिक संस्था यूथ वीरांगनाओं ने गांव उमरी में जरूरतमंद लोगों को राशन वितरित किया। उन्होंने ग्रामीणों को सैनिटाइजर व मास्क भी दिए। गांव के सरपंच कृष्ण लाल ने यूथ वीरांगनाओं का आभार जताया। यूथ वीरांगना निर्मल ने बताया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि गांव उमरी में कई परिवारों के सामने राशन की दिक्कत आ रही है। यह देख सभी यूथ वीरांगनाओं ने राशन एकत्रित किया व उमरी के कई जरूरतंद परिवारों को एक-एक माह का राशन दिया। कोरोना महामारी से बचाव के लिए जरूरतमंद परिवारों को साबुन, सैनिटाईजर व मास्क भी उपलब्ध कराए। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को 250 मास्क व 100 सैनिटाईजर दिए। कपड़े के मास्क यूथ वीरांगनाओं ने अपने-अपने घर पर तैयार किए थे। सरपंच कृष्ण लाल ने यूथ वीरांगनाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यूथ वीरांगनाएं समाज हित के लिए अनेक सराहनीय कार्य कर रही हैं।

सरकार के खिलाफ लामबंदी की तैयारी में फायर कर्मचारी

चंडीगढ़। हरियाणा में कोरोना से जंग के बीच कर्मचारियों की नाराजगी फिर सिर उठाती दिखाई दे है। प्रदेश के एग्रीकल्चर मार्केटिंग बोर्ड के फायर कर्मचारी इस मुद्दे पर सरकार के खिलाफ लामबंद होते नजर आ रहे हैं। ये कर्मचारी विभाग के रोल पर आने तथा दूसरे मुद्दों को लेकर झंडा उठाने जा रहे हैं और पालिका परिषद व निगमों के कर्मचारी सभी 22 जिलों के उपायुक्त कार्यालय पर उचित मानव दूरी बनाते हुए प्रदर्शन कर उपायुक्तों के माध्यम से एग्रीकल्चर मार्केटिंग विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक के नाम ज्ञापन सौंपेंगे।

इन कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि मुख्य प्रशासक ने कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो मार्केटिंग बोर्ड के फायर कर्मचारी अपने सभी फायर स्टेशनों पर 2 जून से 4 जून तक क्रमिक भूख हड़ताल करेंगे। इसके बाद भी प्रदेश के सभी पालिका, परिषदों व नगर निगम तथा निकाओ के फायर कर्मचारी मार्केट बोर्ड के कर्मचारियों की मांगों के समर्थन मे 4 व 5 जून को प्रदर्शन करेंगे संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 5 जून तक बोर्ड के मुख्य प्रशासक ने कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं किया तो संघ राज्य कमेटी की बैठक बुलाकर हड़ताल जैसा कठोर कदम उठाने के लिए मजबूर होगा।

संघ ने अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी फेडरेशन द्वारा 4 जून को केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा फ्रंटलाइन कोरोना योद्धा के ऊपर किए जा रहे आर्थिक एवं नीतिगत हमलो के विरोध में किए जाने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन में पालिका परिषद और निगमों के कर्मचारी बढ़ चढ़कर भाग लेने का भी ऐलान किया है। शास्त्री ने कहा कि 25 अप्रैल को संघ व शहरी स्थानीय निकाय मंत्री अनिल विज के बीच अंबाला में हुई बैठक के दौरान भी मार्केट कमेटियों के अधीन लगे फायर ड्राइवर एवं फायर मैनो को सरकार के आदेश अनुसार विभाग के रोल पर रखने की मांग उठी थी,जिस पर मंत्री जी ने स्वयं भरोसा दिया था।

संक्षिप्त समाचार

गोविंद रसोई ने 2205 जरूरतमंद लोगों को खिलाया खाना

सोनीपत। सेफ इंडिया फाऊंडेशन व रोटरी क्लब आफ सोनीपत एक्सीलेंस, भारत विकास परिषद् गोविन्द शाखा व महाराजा अग्रसेन समाज कल्याण समिति सोनीपत द्वारा संचालित गोविंद रसोई द्वारा लॉकडाउन के दौरान गरीब व लाचार 2205 लोगों को खाना वितरित किया। गोविंद रसोई द्वारा केएमपी एक्सप्रेस रोड, जीटी रोड, रैन बसेरा, रेलवे लाइन के साथ-साथ, मणिपुर जा रही सर्कस टीम आदि को खाना वितरित किया गया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के चेयरमैन वाईके त्यागी व प्रधान संजय सिगंला ने बताया कि गरीब लाचार व जरुरतमंद लोगों को भोजन वितरण कार्य लगातार जारी है। गोविंद रसोई के इस कार्य में गणमान्य लोगों का आर्थिक, सामाजिक व शारारिक योगदान व सहयोग मिल रहा है। इस कार्य में अशोक गुप्ता, रोटरी क्लब आफ सोनीपत एक्सीलेंस की प्रेजिडेंट श्रीमती शालू त्यागी, दिनेश कुच्छल, टिकाराम मित्तल, अरविंद मित्तल, राजिंद्र शर्मा, महेंद्र, मनीष कुच्छल, चन्द्रभान आदि ने सहयोग दिया।

टीक के पास सड़क हादसे में महिला की मौत

कैथल। गांव टीक के पास सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई जबकि दो अन्य घायल हो गए। इस बारे में मृतक के बेटे सुबा सिंह ने थाना सदर में मामला दर्ज करवाया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांव टीक के पास एक नंबर एचआर08एम-3091 के अज्ञात चालक ने तेजी और लापरवाही से कार चलाते हुए थ्री व्हीलर को टक्कर मार दी। टक्कर में शिकायतकर्ता की मां चांद कौर, भाई भान सिंह और उसकी पत्नी सीतो देवी घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चांद कौर ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद कार चालक मौके से भाग गया। पुलिस ने केस दर्ज करके उसकी तलाश आरंभ कर दी है।

भूमि विवाद में व्यक्ति की जहर पिलाकर हत्या

कैथल। गांव करोड़ा में भूमि विवाद के चलते तीन लोगों ने एक व्यक्ति की जहर पिला कर हत्या कर दी। यह आरोप लगाते हुए जयपाल ने थाना पूंडरी में हत्या का केस दर्ज कराया है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार जयपाल के भाई जरनैल सिंह का बीरा राम, राम निवास और सुभाष आदि के साथ भूमि का झगड़ा चल रहा था। इसी झगड़े के कारण तीनों ने जरनैल सिंह को खेत में जबरन कोई जहरीली वस्तु पिला दी। वह खेत से किसी तरह घर पहुंचा लेकिन बेहोश होकर घर की दहलीज पर ही गिर पड़ा। उसे कैथल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने तीनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी का समाचार नहीं है।

एसटीएफ अंबाला टीम ने कैथल में पकड़ी नौ क्विंटल डोडापोस्त

कैथल। स्पेशल टास्क फोर्स अंबाला और तितरम थाना पुलिस कैथल की टीम ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए करीब आठ क्विंटल 76 किलो नशा खेप बरामद की है। एक नींबुओं के ट्रक में यह नशा सप्लाई होने जा रहा था जिसे पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पकड़ लिया। एसटीएफ अंबाला टीम के इंस्पेक्टर निर्मल ने बताया कि एसटीएफ अंबाला टीम को मुखबिरी मिली थी कि मध्य प्रदेश से एक ट्रक चलकर आ रहा है जिसमें कई क्विंटल डोडापोस्त और चुरापोस्त है। सूचना के आधार पर एसटीएफ टीम ने तितरम थाना पुलिस इंस्पेक्टर राजकुमार के साथ मिलकर तितरम चौक पर नाकाबंदी की तो आ रहे ट्रक को दिन में काबू कर लिया। ट्रक में नींबुओं के नीचे डोडापोस्त और चुरापोस्त को कट्टों में दबाकर रखा गया था। एसटीएफ अंबाला इंस्पेक्टर निर्मल ने बताया कि पुलिस ने ट्रक को नाकाबंदी के दौरान काबू किया। इनमें सर्वजीत निवासी कैथल और विपिन निवासी कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार किया है। ट्रक से 760 किग्रा डोडापोस्त और 116 किग्रा चूरापोस्त बरामद किया है। डीएसपी रविंद्र सांगवान ने बताया कि तितरम थाना पुलिस और एसटीएफ टीम की यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि नशा खेप की कीमत बाजार के अनुसार करीब 50 लाख रुपये से अधिक है। उन्होंने बताया कि पुलिस इन्हें न्यायालय में पेश कर रिमांड हासिल करेगी।

फेल हो रहे हैं हरपथ एप में शिकायतें सुलझाने के दावे

कैथल। हरियाणा सरकार ने प्रदेश में सड़कों की हालत सुधारने के लिए हरपथ मोबाइल ऐप की शुरुआत की थी। इस ऐप पर सड़कों में पड़े गड्ढों की फोटो और सड़क की जानकारी डाल कर शिकायत दर्ज करानी होती है और उस शिकायत का निपटारा संबंधित विभाग द्वारा मात्र 96 घंटों करने के आदेश हैं। साथ ही सरकार ने गड्ढों की जानकारी देने वाले लोगों को प्रोत्साहन के रूप में 100 रुपये की धनराशि देने का फैसला किया है। राज्य सरकार ने योजना की घोषणा अपने वर्तमान बजट में भी की है। अगर निर्धारित अवधि के अंदर गड्ढा नहीं भरा जाता तो ठेकेदार पर प्रतिदिन एक हजार रुपये का जुर्माना राज्य सरकार द्वारा लगाया जाएगा। जुर्माने की राशि में से 100-100 रुपये मुआवजे के रूप में शिकायतकर्ता को दिए जाएंगे। लोक निर्माण विभाग विभाग के अधिकारी इस योजना को सीरियस नहीं लेते और कोई कार्रवाई नहीं करते। आटीआई एक्टिविस्ट जयपाल रसुलपुर ने बताया कि आज सरकार के ये सभी दावे फेल होते नजर आ रहे हैं क्योंकि उसने अपने क्षेत्र की सड़कों की फाफी शिकायतें हर समय ऐप पर दर्ज करवाई हैं। इस प्रकार यह ऐप केवल ड्रामा बन कर रह गई है।

मिर्जापुर नहर से मिला युवती का शव

कुरुक्षेत्र। मिर्जापुर नहर से एक युवती का शव बरामद हुआ है। शव को गोताखोर प्रगट सिंह ने नहर से बाहर निकाला। बहरहाल मृतका की पहचान नहीं हो पाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गोताखोर प्रगट सिंह ने मंगलवार को मिर्जापुर नहर से एक युवती का शव बाहर निकाला। यह सारी कार्रवाई पुलिस की मौजूदगी में हुई। बताया गया है कि मृतका के कपड़ों से ऐसा कोई कागजात नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो पाए। बताया गया है कि युवती ने जींस की पैंट पहनी हुई और उसकी उम्र करीब 24-25 साल लगती है। फिलहाल ज्योतिसर पुलिस चौकी प्रभारी ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए लोकनायक जय प्रकाश अस्पताल के मोचरी हाऊस में रखवा दिया है।

बैंक खाते से एक लाख रुपये निकाले, केस दर्ज

कैथल। गांव पबनावा में एक बैंक खाते से करीब एक लाख रुपये निकाल ले जाने का मामला प्रकाश में आया है। इस बारे में अनिल कुमार ने थाना ढांड में केस दर्ज करवाया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अज्ञात बदमाश अनिल के एचडीएफसी के बैंक खाते से आठ अलग-अलग ट्रांजेक्शन में 98586 रुपये निकाल कर ले गया। पुलिस ने केस दर्ज करके अज्ञात की तलाश शुरू कर दी है।

विदेशी जमातियों पर कसा शिकंजा

दिल्ली पुलिस ने 83 के खिलाफ 14 हजार पेज की 20 चार्जशीट को कोर्ट में किया दाखिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देशभर में कोरोना संक्रमण का संकट पैदा करने वाले जमातियों पर दिल्ली पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इस कड़ी में दक्षिण दिल्ली की साकेत कोर्ट में 83 विदेशी जमातियों को आरोपित बनाते हुए 20 चार्जशीट दाखिल की गई है जिसमें इन लोगों पर कई संगीन आरोप लगाए गए हैं।

चार्जशीट पर गौर करते हुए साकेट कोर्ट ने सभी आरोपियों को समन जारी किया है। न्यायालय ने ने सभी को 12 जून को पेश होने का निर्देश दिया है क्राइम ब्रांच के एक वरिष्ठ अधकारी के अनुसार, यह चार्जशीट 15 हजार 449 पन्नों की है। चार्जशीट में सभी आरोपितों के खिलाफ फॉरेन एक्ट और वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। जिन विदेशी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। उनमें सऊदी अरब के दस, चीन के सात, यूक्रेन के तीन, सूडान के छह, फिलीपींस के छह, ब्राजील के आठ, अफगानिस्तान के चार, ऑस्ट्रेलिया के दो लोग शामिल हैं। इसके अलावा चार्जशीट में रूस, फ्रांस, और जॉर्डन के एक-एक नागरिकों को आरोपी बनाया गया है।

क्राइम ब्रांच ने 41 विदेशी नागरिकों दिया था नोटिस

क्राइम ब्रांच ने विदेशी नागरिकों में से 41 को नोटिस दिया था और उनसे पूछताछ की थी। सभी आरोपियों के वीजा फार्म में निजामुद्दीन मरकज का पता दर्ज था। अपराध शाखा के अनुसार, निजामुद्दीन के मरकज में 67 देशों से 2041 विदेशी आए थे। इनमें से इंडोनेशिया के 553, बांग्लादेश के 497, थाईलैंड के 151, किर्गिस्तान के 145 और मलेशिया के 118 लोग शामिल हैं। इसके अलावा अन्य 62 देशों से 577 लोग शामिल हैं।

इस मामले में दो बार मरकज और मौलाना साद के घर और शामली स्थित फार्म हाउस पर छापेमारी की थी। मार्च के दूसरे सप्ताह में तबलीगी जमात के मुख्यालय दिल्ली स्थित निजामुद्दीन मरकज में 67 देशों के 2041 जमाती शामिल हुए थे।

इनमें से 916 को दिल्ली पुलिस ने मरकज से निकालकर क्वॉरंटीन सेंटरों और अस्पतालों में भर्ती कराया था। बाकी विदेशी जमाती देश के अलग-अलग हिस्सों में पहुंच गए थे जहां उन राज्यों की पुलिस ने उन्हें कार्रवाई की है।

किसी की गिरफ्तारी नहीं : पुलिस

निजामुद्दीन मरकज मामले में जमात के किसी भी सदस्य को न तो गिरफ्तार किया गया है और न ही किसी को हिरासत में लिया है। दिल्ली पुलिस ने यह जानकारी मंगलवार को उच्च न्यायालय को दी। अदालत ने 916 विदेशी नागरिकों की रिहाई का अनुरोध करने वाली एक याचिका पर दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा था। याचिका में कहा गया कि इन विदेशी नागरिकों के कोविड-19 की जांच में संक्रमित नहीं पाए जाने के बावजूद इन्हें 30 मार्च से क्वॉरंटीन में में रखा हुआ है। वह 916 विदेशी नागरिकों में से 20 द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिन्होंने कहा है कि लगातार हिरासत में रखा जाना आजादी के ताने-बाने को तोड़ता है।

तुगलकाबाद में आग से 1500 झुग्गियां राख

अपने बिखरे आशियाने को समेटते लोग।

दिल्ली सरकार 500 परिवारों 25-25 हजार रुपए देने का किया ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी दिल्ली के तुगलकाबाद गांव में सोमवार देर रात भीषण आग लगने से 250 झोपड़ियां जलकर खाक हो गई। दमकल विभाग की दो दर्जन से अधिक गाड़ियों ने करीब दो घंटे में आग को काबू किया। आग के कारणों का पता नहीं चल सका है। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इस घटना में भीषण गर्मी में सैंकड़ो लोग बेघर हो गए। राजस्व विभाग नुकसान का आंकलन कर रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तुगलकाबाद गांव की झुग्गियों में सोमवार देर रात करीब 1 बजे आग लगने की जानकारी मिली थी। कुछ ही देर में आग ने सैंकड़ो झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया।

इसके बाद आग की चपेट में आईं तकरीबन 250 झुग्गियां जल गईं। दक्षिण दिल्ली के दमकल विभाग के उपमुख्य दमकल अधिकारी एसएस तुली ने बताया कि सूचना पर पहुंची दमकल की 30 गाड़ियों ने तड़के तीन बजकर 30 मिनट पर काबू पाया गया। इस घटना में भी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ज्ञात हो लॉकडाउन के दौरान काफी प्रवासी यहां से जा चुके है। वहीं दिल्ली सरकार ने करीब पांच सौ परिवारों को 25-25 हजार की मदद करने का ऐलान किया है।

राजधानी में चौबीस घंटे में कोरोना के 412 नए केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली पिछले चौबीस घंटे में कोरोना के 412 नए केस सामने आने के साथ कुल मामले बढ़कर 14,465 हो गए। संक्रमण से अब तक कोरोना से 288 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले 7 दिनों में दिल्ली में मंगलवार को सबसे कम मामले सामने आए हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दिल्ली में सबसे अधिक 660 नए मामले 22 मई को आए थे। सोमवार को इस महामारी के 635 नए मरीज सामने आए थे। शहर में सोमवार को कोविड-19 के कुल मामले 14,053 थे जबकि इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 276 थी।

'प्रवासी मजदूर धैर्य रखें, सबको भेजेंगे घर'

दिल्ली सरकारी ने 196 ट्रेनों से 2.41 लाख लोगों को भेजा उनके गृह राज्यों में

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने सात मई से सोमवार तक 196 ट्रेनों से करीब 2.41 लाख लोगों को उनके गृह राज्य भेजा है।

सिसोदिया ने एक ऑनलाइन प्रेस वार्ता में कहा कि करीब 1.25 लाख लोगों को बिहार भेजा गया, 96,610 लोगों को उत्तर प्रदेश भेजा गया, 3,000 लोगों को झारखंड भेजा गया, 2,500 लोगों को पश्चिम बंगाल भेजा गया और 2,100 लोगों को मध्य प्रदेश भेजा गया। उन्होंने सभी मजदूरों को धर्य रखने की सलाह देते हुए वादा किया कि सभी को घर भेजा जाएगा। दिया कि उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने ज्यादातर मामलों में ट्रेनों के किरायों का भुगतान किया है। हाल ही में आप सरकार और बिहार सरकार के बीच प्रवासी श्रमिकों के ट्रेन किराए को लेकर आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले थे। उप मुख्यमंत्री के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली सरकार द्वारा लगाए गए 2,500 शिविरों में जरूरतमंदों को दो वक्त का भोजन दिया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया

महिला को पीटने के आरोपी दो सिपाही लाइनहाजिर

नई दिल्ली। महिला को लाठी से पीटने का कथित वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस के दो सिपाहियों को लाइनहाजिर कर दिया गया है। इन लोगों की पहचान संजीव और जयचंद के रूप में हुई है।

दोनों पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क पुलिस थाने में तैनात थे। यह घटना सोमवार की रकी। जिसमें मुन्नी देवी नाम की महिला को पुलिसकर्मियों ने लाठी से पीटा। महिला की बेटी सोनी अपनी मां को बचाने की कोशिश कर रही थी। पूरी वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना के समय कॉन्स्टेबल इलाके में गश्त कर रहे थे।

केशवपुरम में जूता फैक्टरी में आग

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के केशवपुरम इलाके में मंगलवार सुबह जूते बनाने वाली एक फैक्टरी में आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है और आग लगने के कारणों का भी पता नहीं चल पाया है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि मंगलवार सुबह आठ बजकर 34 मिनट पर आग लगने की जानकारी मिली जिसके बाद दमकल के 23 वाहनों को घटनास्थल पर भेजा गया।

शहर के भीड़भाड़ वाले बाजारों में खलती रही ग्राहकों की कमी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

करीब 2 महीने बाद जिला प्रशासन के आदेश के बाद मंगलवार को गाजियाबाद के बाजार खोले गए हालांकि लंबे समय बाद बाजार खुलने के बावजूद ग्राहकों की कमी देखी गई। एक अनुमान के मुताबिक करीब 20 परसेंट ही ग्राहक खरीदारी करने पहुंचे जिससे दुकानदारों को आशा के साथ साथ निराशा भी हुई।

दुकानदारों का कहना है कि आज पहला दिन था इसलिए ग्राहक कम थे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी। दुकानदारों ने मांग की कि बाजार खुलने के समय में बढ़ोतरी की जाए और बाजार बंद होने की समय सीमा साईं 7 बजे की जाये ।

आपको बता दें कि कोविड के चलते घोषित लॉक डाउन के बाद गाजियाबाद के तमाम बाजार भी बंद कर दिए गए थे इसके बाद लोग खरीदारी ही नहीं कर पा रहे थे जरूरी चीजों को छोड़ दें तो सभी दुकानों पर ताला लटका हुआ था और दुकानदारों में घोर निराशा थी इस दौरान नवरात्र ईद समेत कई पर भी आए लेकिन लोगों को बिना खरीदारी के ही संतोष करना पड़ा। व्यापारियों द्वारा काफी मांग करने के बाद जिलाधिकारी अजय शंकर पांडे ने मंगलवार से बाजार खोलने का शेड्यूल निर्धारित किया था जिसमें शहर के प्रमुख बाजार तुराब नगर, घंटा घर, चोपला मंदिर, अंबेडकर रोड, नवयुग मार्केट, सिहानी गेट, दिल्ली गेट, गांधीनगर, अग्रसेन बाजार आदि की एक साइड की दुकान आज से खोलने के निर्देश दिए गए थे । जिलाधिकारी के निर्देश के बाद सुबह 10 बजे बाजार खुल गए और ग्राहकों का आगमन शुरू हो गया दुकानदारों को उम्मीद थी कि आज भारी संख्या में ग्राहक खरीदारी के लिए आएंगे लेकिन ग्राहक बहुत ही कम संख्या में आए।

तुराब गर में कपड़े के कारोबारी सुशील सेठी ने बताया कि केवल उन लोगों ने खरीदारी की जिन्हें बहुत ही ज्यादा जरूरत थी उसमें जैसे बच्चों के कपड़े, अंडर गारमेंट्स, चप्पल आदि की बिक्री ज्यादा हुई ।

● व्यापारियों की मांग , दुकान को बंद करने के समय और बढ़े

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में तीन और संक्रमित मरीज

नोएडा। कोरोना वायरस संक्रमण के लिहाज से मंगलवार थोड़ा सामान्य रहा है। मंगलवार को नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कोरोनावायरस से संक्रमित केवल 3 लोग मिले हैं।

दूसरी ओर जिले के अस्पतालों से 9 लोग स्वस्थ होकर अपने घर वापस लौट गए हैं। गौतमबुद्ध नगर के जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ सुनील कुमार दोहरे ने बताया एक युवक ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में क्वॉरंटाइन करके रखा गया था। सलारपुर गांव की रहने वाली महिला को भी संक्रमण हो गया है। गिझौड गांव में रहने वाले 38 वर्षीय व्यक्ति को भी कोरोनावायरस से संक्रमित पाया गया है। इन दोनों मरीजों को भी उपचार चल रहा है।

कुत्तों को लेकर बवाल, दो विदेशियों को पीटा

पायनियर समाचार। नोएडा

नोएडा की एक हाउसिंग सोसायटी में रहने वाली रूस की महिला के साथ कुत्ते को खाना खिलाने पर विवाद हो गया। महिला ने मार-पिटाई करने के आरोप में मुकदमा दर्ज करवाया है। दूसरी ओर ग्रेटर नोएडा की हाउसिंग सोसाइटी में एक बुजुर्ग और चीनी युवती के बीच मारपीट हो गई। दोनों अपना.अपना कुत्ता लेकर टहलने निकले थे। अब चीनी युवती ने बुजुर्ग के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। देर शाम आरोपी बुजुर्ग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक ग्रेटर नोएडा की एटीएस पैराडिसो सोसाइटी में सोमवार की सुबह कुत्तों को टहलाने के दौरान एक चीनी युवती और एक बुजुर्ग के बीच मारपीट हो गई। दरअसल, पहले दोनों के कुत्तों के बीच झगड़ा हुआ था। चीनी युवती ने बीटा दो थाने में बुजुर्ग के खिलाफ शिकायत दी है।

बुजुर्ग पर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। युवती को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस के मुताबिक सोमवार की सुबह चीन की रहने वाली युवती सोसाइटी में अपने कुत्ते को घुमा रही थी। इसी दौरान सोसायटी में रहने वाले एक बुजुर्ग भी अपने कुत्ते को लेकर आ गए। बुजुर्ग की युवती से कहासुनी हो गई। युवती का आरोप है कि बुजुर्ग ने उस पर डंडे से हमला किया है। उसके दोनों हाथ में चोट लगी है।

दूसरा मामला नोएडा में थाना फेज-3 क्षेत्र का है। वहां कुत्तों को खाना खिलाने के मुद्दे पर सेक्टर-71 के जागृति अपार्टमेंट में रूस की रहने वाली महिला ने मारपीट का आरोप लगाया है। सोसाइटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सहित दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

नई गाइडलाइन जारी, बाइक पर पीछे बैठी महिला को लगाना होगा हेल्मेट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

लॉकडाउन में दुपहियां, थ्री व्हीलर और चार पंहियां वाले वाहनो के लिए पुलिस प्रशासन ने नई गाइड लाइन जारी की है। दुपहियां वाहन पर अकेले व्यक्ति को चलने की अनुमति दी गयी है, यदि पीछे महिला बैठी है तो उसको भी अनुमति होगी।

ऐसी स्थिति में दोनो को हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा। एसएसपी कलानिधि नैथानी ने बताया कि चार पहियां वाहन में चालक के अतिरिक्त दो व्यक्तियो को चलने की अनुमति है,यदि परिवार के बच्चे है तो दो बच्चो तक अतिरिक्त अनुमति है। उन्होने बताया कि थ्रीव्हीलर वाहन में चालक के अलावा अतिरिक्त दो व्यक्तियो तक ही चलने की अनुमति है।

एसएसपी ने बताया कि यदि गाइड लानइ का उल्लंघन हुआ तो आर्थिक दंड के साथ विधिक कार्रवाई भी होगी।

वाहनों को नई गाइडलाइन के तहत चैक करते हुए पुलिस कर्मी।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की रिहाई के लिए उपवास

नोएडा। उत्तरप्रदेश कांग्रेस सदस्य रामकुमार तंवर के बिशनपुरा सेक्टर 58 स्थित कांग्रेस कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू की रिहाई के लिये नोएडा महानगर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष शहाबुददीन के नेतृत्व में एक दिवसीय उपवास व धरना किया। इस अवसर पर रामकुमार तंवर ने कहा की केंद्र ओर प्रदेश की सरकार दमनकारी नीति को अपनाते हुए असंवेधनिक कदम उठा रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को फर्जी मुक़दमे में फंसाकर जेल भेज दिया गया। यदि प्रदेश अध्यक्ष को जल्द रिहा नहीं किया गया तो इसे लेकर कांग्रेसी सड़क पर उतर कर विरोध प्रदर्शन करेंगे। महानगर अध्यक्ष शहाबुद्दीन ने कहा कि योगी सरकार अब विपक्षियों को परेशान व प्रताड़ित करने में लगी हुई है। धरने व अनशन में चौधरी रामकुमार तंवर सदस्य उत्तर प्रदेश कांग्रेस, प्रमोद शर्मा पीसीसी, पूर्व अवनीश तंवर, शिवकुमार तंवर, रिंकू नम्बरदार, गौरव तंवर आदि लोगों ने अलग अलग जगह बैठ कर उपवास व धरना दिया।

जीएजीएस चलाएगी पर्यावरण को बचाने को मुहिम

गाजियाबाद। सैनिटरी पैड का डिस्पोजल समस्या को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी आईएमए और एसएमडीएचएम के साथ मिलकर गुरुवार से 28 मई को मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने जा रही है। गाजियाबाद ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसायटी की अध्यक्ष डॉ. अल्पना कंसल ने बताया कि ग्रीन मासिक धर्म ड्राइव के तहत इस समस्या के समाधान के प्रति महिलाओं को रियूजेबल सैनेटरी नैपकिन व मैनस्ट्रुअल कप के इस्तेमाल के प्रति जागरूक किया जायेगा। डॉ. विनीता मित्तल ने बताया कि इनका इस्तेमाल पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों का उपयोग करने के लिए शिक्षित करने के लिए एक क्रांतिकारी कदम है। इस अवसर पर ओब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी द्वारा वैबिनार का आयोजन किया गया। जिसमे पैनलिस्ट में शामिल डॉ मोनिका केसरवानी ने अभियान से जुड़ा एक वीडियो दिखाया। डॉ. अंजना सभरवाल, डॉ. शेहला जमाल (अध्यक्ष एसएमडीएचएम), डॉ. अर्चना वर्मा, आईएमए के अध्यक्ष डॉ. वीबी जिंदल, डॉ. नवनीत वर्मा मौजूद रहे।

मोदीनगर में तेज रफ्तार कार बनी आग का गोला

गाजियाबाद। मोदीनगर के शाहजहांपुर मार्ग पर मंगलवार को एक चलती कार में अचानक आग लग गई। कार सवार लोगों ने कूदकर बामुश्किल अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि नैनो कार तेज रफ्तार में जा रही थी कि अचानक उसमें आग लग गई। जैसे ही कार सवारों को पता चला लोग चलती कार से ही कूद गए। मामले की जानकारी होने पर मौके पर पुलिस पहुंची। फिलहाल कार सवारों को कोई हानि नहीं हुई। लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

एनसीआर में गर्मी का कहर, पारा 43 के पार

● कूलर और एसी की बढ़ी डिमांड

पायनियर समाचा सेवा। नोएडा

दिल्ली समेत नोएडा और ग्रेटर नोएडा में भीषण गर्मी का सितम मंगलवार को भी जारी है। गौतम नगर में गर्मी चरम पर पहुंच गई है। पारा 43 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है।

जिले का न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। दोपहर के वक्त घर से बाहर निकलने वालों की परेशानी बढ़ गई है। दोपहर में ऐसा लगा रहा है कि जैसे जलती हुई आग सामने है। पारा 43 के पार पहुंचते ही भीषण गर्मी की वजह से चंद कदम चलते ही लोग बेहाल हो रहे हैं। रियायतों के बावजूद सड़कों पर लोग कम दिख रहे हैं।

मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत का कहना है कि सोमवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेलसियस दर्ज किया गया। रविवार को जिले का पारा 45 डिग्री था। उन्होंने कहा कि 28 मई तक गर्मी और बढ़ेगी। 29 से 31 के बीच बारिश होने की संभावना है। बारिश के बाद तापमान में कमी आएगी। गर्मी बढ़ते ही कूलर.एसी की डिमांड भी बढ़ गई है। इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान पर सुबह होते ही खरीदारों का जमावाड़ा लग जाता है। सेक्टर.22 निवासी व्यापारी रविंद्र सिंह का कहना है कि वह प्रतिदिन पांच कूलर व 10 पंखों की बिक्री कर रहे हैं। इसके अलावा एसी के खरीदार भी बढ़े हैं। गर्मी शुरू होते ही नौनिहालों की मुसीबत बढ़ गई है।

बच्चों को सबसे ज्यादा डायरिया की परेशानी होने लगी है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ संतराम का कहना है कि गर्मी चरम पर है। इस समय लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

बता दें कि भीषण गर्मी की वजह से बिजली की खपत भी ज्यादा हो गई है। कई जगहों पर लोगों को अघोषित बिजली कटौती का भी सामना करना पड़ रहा है।

नोएडा गेट के पास गर्मी में छतरी लगाकर जाती महिलाएं। फोटो :दीपक यादव

दीर्घकालिक विज्ञान है अध्यात्मः प्रो. चंदन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ग्वायर हॉल, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'वैश्विक आपदा के पश्चात उपजा आध्यात्मिक बोध' विषय पर आयोजित वेबिनार में प्रो. चन्दन कुमार ने अपने विचार व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता के बिना हम भारतीय समाज की बुनावट को नहीं समझ सकते। भारत की परिकल्पना एक आध्यात्मिक राष्ट के रूप में शुरू से रही है। चीन के वुहान शहर से निकली एक वैश्विक आपदा ने विश्व के शक्तिशाली देशों को उनकी जड़ों से हिला दिया है। एक विषाणु ने उनके भ्रम को तोड़ दिया है। भ्रम टूटने से ही वैराग्य (अध्यात्म) पैदा होता है इसीलिए आज सम्पूर्ण विश्व भारतीय जीवन शैली और उसकी आध्यात्मिक चेतना को को अपना रहे हैं। प्रो. चन्दन ने कहा कि अध्यात्म अपने को जानना है, आत्मप्रज्ञ होना ही अध्यात्म है और यही बात हमें गीता भी बताती है। जब विज्ञान ठहर जाता है तो अध्यात्म शुरू होता है। पाञ्चजन्य पत्रिका के संपादक हितेश शंकर ने कहा कि भारत की विचारधारा आयातित नहीं है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रोवोस्ट प्रो.आर.के.शर्मा के वक्तव्य से हुई। कार्यक्रम का संचालन प्रभांशु ओझा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन छात्रसंघ के अध्यक्ष शिवा श्रीवास्तव ने किया।

प्रो. चन्दन कुमार

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

लॉकडाउन में अब मास्क बन रहा है फैशन

ड्रेस की मैचिंग में लें मास्क

ई-कॉमर्स कंपनियों द्वारा बेचे जा रहे रंग-बिरंगे, डिजायनर मास्क

दूल्हा-दुल्हन द्वारा ड्रेस की मैचिंग के पहने गए मास्क व अन्य डिजायनर मास्क।

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

यह बात तो तय है कि कोरोना के बाद अब हमारा लाइफ स्टाइल तरह से बदल रहा है और भविष्य में और भी बदलेगा। कोरोना बीमारी लंबी चलेगी, इसलिए हमें बहुत सी ऐहतियात भी बरतनी होंगी। इन्हीं में से एक है मास्क। जो हमारे नाक व मुंह को ढककर शरीर में धूल, मिट्टी व अन्य कणों और वायरस को प्रवेश करने से रोकता है।

भारत में अब मास्क का बाजार भी बहुत बड़ा हो गया है। लॉकडाउन की वजह से सामान्य बाजार तो कम खुल रहे हैं, लेकिन ई-बाजार यानी ऑनलाइन खरीदारी धड़ल्ले से हो रही है।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन, फ्लिपकार्ट, शॉप क्लूज, बिग बास्केट, मिंत्रा, ग्रोफर्स, ओएलएक्स, क्विकर, स्नैपडील आदि आज जन-जन तक पहुंच बना चुकी हैं। घरेलू सामान चाय-चीनी से लेकर हर छोटा-बड़ा सामान इन कंपनियों द्वारा घर तक पहुंचाया जा रहा है। हालांकि इन विरोध भी खूब हुआ है। शहरों में थोक-परचून के विक्रेताओं के काम को इन ई-कॉमर्स कंपनियों ने काफी प्रभावित किया है। खैर, हम बात करते हैं कोरोना से बचाव व सावधानी के लिए मास्क की तो ई-कॉमर्स कंपनियों ने मास्क को बड़े पैमाने पर सोशल साइट्स पर डालकर लोगों को प्रभावित किया जा रहा है। चूंकि मास्क सभी की जरूरत है तो लोग खूब ऑनलाइन ऑर्डर भी कर रहे हैं।

खास बात यह है कि रंग-बिरंगे और डिजायनर मास्क इन कंपनियों की ओर से अपनी साइट्स पर डाले गए हैं। इससे ग्राहक भी आकर्षित हो रहे हैं। कई तरह की गुणवत्ता के मास्क इन कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मास्क की बिक्री का अब बहुत बड़ा बाजार भारत बनने की ओर अग्रसर है।

ड्रेस के साथ मैचिंग के बनाए जा रहे मास्क

मास्क को लेकर कंपनियों ने ड्रेस के साथ मैचिंग के मास्क बनाने शुरू कर दिए हैं और लोग हाथों-हाथ उनकी खरीदारी कर रहे हैं। ड्रेस के साथ सिर्फ मैचिंग नहीं, बल्कि डिजायनर मास्क भी खूब बन और बिक रहे हैं। किसी भी कंपनी की वेबसाइट पर आप सर्च करेंगे तो इन दिनों सबसे अधिक वैरायटी मास्क की ही नजर आएगी। खास बात यह है कि दूल्हा-दुल्हन की ड्रेस की मैचिंग के भी अब मास्क बाजार में आ गए हैं। लहंगा-चुन्नी और शेरवानी, कोट-पैंट की मैचिंग के मास्क कंपनियों ने तैयार किए हैं। नियमों को फॉलो करते हुए शादियों में दुल्हा-दुल्हन भी मास्क पहन रहे हैं। बहुत सी शादियों में इस तरह के पलों को सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल किया गया, जिसे हर किसी ने सराहा।

सामाजिक संस्थाओं ने भी खूब बांटे मास्क

कोरोना काल में लॉकडाउन के बीच सामाजिक संस्थाओं, रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा मास्क का बड़े पैमाने पर वितरण किया गया। हर किसी के लिए मास्क जरूरी होने के बाद यह लोगों के लिए जागरुकता का भी बड़ा माध्यम बना। गुरुग्राम की नवकल्प फाउंडेशन, कैनविन संस्था समेत अनेक संस्थाओं ने सर्जिकल मास्क के इतर कपड़े के बने मास्क का वितरण किया। कपड़े के मास्क को धो कर फिर से उपयोग किया जा सकता है और वह कई दिन तक उपयोग किया जा सकता है। सर्जिकल मास्क दो या तीन दिन में उतारकर फेंकना पड़ता है। इसलिए कपड़े के मास्क को तवज्जो दी। गुरुग्राम के सीपी मोहम्मद अकील के कहने पर यहां की पूरी पुलिस फोर्स के लिए नवकल्प फाउंडेशन ने कॉटन के कपड़े के अच्छी गुणवत्ता के मास्क उपलब्ध कराए।

अनाधिकृत रूप से सीएंडडी डालना दंडनीय अपराध

गुरुग्राम। सार्वजनिक स्थानों, ग्रीन बैल्ट एवं सड़कों के किनारों पर अनाधिकृत रूप से निर्माण एवं तोड़फोड़ से उत्पन्न होने वाला मलबा अर्थात सीएंडडी वेस्ट डालना दंडनीय अपराध है और ऐसा करने वालों के वाहनों को जब्त करके उनके खिलाफ विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम के संयुक्त आयुक्त इन्द्रजीत कुल्हड़िया के नेतृत्व में गठित टीमें क्षेत्र में पैनी नजर रख रही हैं तथा सार्वजनिक स्थानों पर मलबा डालने वालों के वाहनों को जब्त करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। टीमों द्वारा गत एक सप्ताह में 7 वाहनों को पकड़ा गया है। इनमें 5 ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा 2 हाईवा शामिल हैं। ये वाहन सैक्टर-42, सिविल लाईंस, खुशबू चौक, बसई, कृष्णा चौक एवं सैक्टर-37डी आदि क्षेत्रों से पकड़े गए हैं। मलबे को केवल अधिकृत एजेंसी के माध्यम से ही उठवाएं।

संक्षिप्त समाचार

सोमवार से राजकीय स्कूल हुए ऑपन, विभागीय कार्य निपटाए

सोहना। खंड के राजकीय 130 स्कूलों में विभागीय कार्रवाई को पूरा करने तथा नये दाखिला प्रक्रिया पूरा करने के लिए खोला गया। कई स्कूलों में एसएमसी की बैठक करते हुए नई दाखिला प्रक्रिया में सहयोग मांगा गया। सोमवार से खंड के राजकीय स्कूलों में शिक्षक, हैड मास्टर, प्रधानाचार्य, सेवादार व आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का आना शुरू हो गया है। अब राजकीय स्कूल विभागीय कार्रवाई को पूरा करने के लिए हर दिन खुलेंगे। प्रत्येक स्कूल में विद्यार्थियों का दाखिला प्रक्रिया जारी है। अभिभावक स्कूल में आकर अपने बच्चों का दाखिला कर सकते है। स्कूल न आने पर ऑन लाइन भी दाखिला कराएं। खंड शिक्षा अधिकारी धर्मपाल खटाना ने बताया कि सभी राजकीय स्कूल सोमवार से खोल दिए गए है। हर दिन शिक्षक और स्कूल प्रभारी आएंगे। विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण और आयरन की गोलियां घर पर जाकर दी जा रही है। एसएमसी की बैठकों में सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है।

बेटे के जन्म पर कम मेहमानों के साथ किया हवन

गुरुग्राम। लॉकडाउन के बीच बहुत से लोगों ने अपने कार्यक्रम टाल दिए तो बहुतों ने नियमों का पालन करते हुए कार्यक्रम किए हैं। इसी तरह से यहां पटौदी खंड के गांव जोड़ी में पुत्र रत्न की प्राप्ति होने पर हवन-पूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें सीमित संख्या में मेहमानों को आमंत्रित करके रीति-रिवाज पूरा किया गया। सतबीर सिंह यादव एवं बिमला देवी के पुत्र महेश यादव एवं पुत्रवधू सरिता को 27 अप्रैल 2020 को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। अब उसका हवन एवं कुआं पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोरोना काल में लॉकडाउन के नियमों का पालन करते हुए परिवार की तरफ से सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए सीमित संख्या में मेहमानों को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर सुरेश यादव, पूनम यादव, मंजू यादव, कृष्ण यादव, मुक्ति यादव, कृत, गर्वित, ओनीर, कीर्ति, गार्वी, सुदेश यादव आदि परिवारजन, मेहमान मौजूद रहे।

भाजपा राष्ट्रीय सचिव ने शहीद को दी श्रद्धांजलि

सोहना। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुधा यादव ने गांव दमदमा में पहुंच शहीद राजसिंह को श्रद्धांजलि दी। पूर्व सांसद ने राज्य सरकार से मिलने वाली सहायता राशि के अलावा अन्य मांगों को भी जल्द से जल्द पूरा कराने का आश्वासन दिया है। सोमवार को महेंद्रगढ़ की पूर्व सांसद सुधा यादव ने गांव दमदमा में शहीद राजसिंह खटाना को श्रद्धांजलि दी। उनके साथ भाजपा ओबीसी राष्ट्रीय कार्यकारिणी महामंत्री सतीश नगर आदि अन्य सदस्य पहुंचे। शहीद की पत्नी रविता के लिए भाजपा राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि प्रदेश सरकार से मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि जल्द से जल्द रिलीज कराने, शहीद के बच्चों को सैनिक स्कूल में दाखिला दिलाना, परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी और शहीद राजसिंह खटाना के सम्मान में स्मारक बनाने आदि अन्य पीड़ित परिवार की मांगों को पूरा कराने का आश्वासन दिया। सतीश नागर ने शहीद राजसिंह खटाना की शहादत पर गर्व महसूस करते हुए कहा कि पीड़ित परिवार के साथ भाजपा सरकार हर कदम पर साथ है।

सोहना के दो कंटेनमेंट जोन में वृद्धों को दवाई वितरण की

सोहना। आयुष विभाग की तरफसे शहर के दो कंटेनमेंट जोन में 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले वृद्धों को आर्युवैदिक प्रतिरोधक शक्ति पैदा करने वाली दवाई वितरण करेगा। जिसमें वार्ड-10 और 14 शामिल है। केन्द्रिय आयुष मंत्रालय के आदेश पर सोहना के नागरिक अस्पताल में कार्यरत डॉ. कुलभूषण ने बताया कि शहर के दो वार्ड-10 और 14 में आर्युवैदिक प्रतिरोधक शक्ति पैदा करने वाली दवाई दी गई। यह दवाइयां वार्ड पार्षद नरेन्द्र सैनी और पकंज सिंगला के माध्यम से एएनएम, आशा वर्कर्स को दी गई। जो 60 से अधिक उम्र वाले वृद्धों को यह दवा वितरण करने का काम कर रही है। डॉ. नवल किशोर ने बताया कि वार्ड पार्षद भी सरकार की योजना को आने क्षेत्र में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का काम कर रहे है। दवाइयां वितरण करने के दौरान डॉ. कुलभूषण ने बताया कि केन्द्रिय आयुष मंत्रालय ने लोगों में कोरोना से लड़ने की ताकत को पैदा करने के आदेश जारी किए है। जिसके तहत उनका विभाग ऐसे क्षेत्रों को चिंहित कर रहा है। जहा-जहा कोरोना के पॉजीटिव केस मिले है।

वाहनों के फर्जी बिल पंजीकरण घोटाले में केस दर्ज

वाहनों की कम कीमत के फर्जी बिल बनाकर कराते थे पंजीकरण

गुरुग्राम। वाहनों के पंजीकरण में घोटाले का सीएम फ्लाईंग ने पर्दाफाश किया है। पूर्व में गुरुग्राम, फरीदाबाद और पलवल जिलों में की गई छापेमारी में गुरुग्राम पंजीयन अथॉरिटी नॉर्थ में वाहन मालिक, दलालों के साथ कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। सीएम फ्लाईंग फरीदाबाद की टीम ने अब गुरुग्राम के थाना शिवाजी नगर में अज्ञात लोगों के खिलाफ सोमवार की देर शाम को मुकदमा दर्ज कराया है।

बता दें कि अप्रैल 2020 में मुख्यमंत्री उड़नदस्ता हरियाणा की फरीदाबाद टीम ने वाहन पंजीकरण कार्यालय बल्लबगढ़ में व्यवसायिक वाहन पंजीकरण में गड़बड़ी किए जाने का मामला प्रकाश में आया था।

उसी को लेकर सीएम फ्लाईंग फरीदाबाद के डीएसपी देवेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर जगदीश, सब-इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार, एएसआई सतबीर सिंह ने अब गुरुग्राम के शिवाजी नगर थाना में भी केस दर्ज कराया है। बताया जा रहा है कि वाहन पंजीयन अथॉरिटी नॉर्थ गुरुग्राम कार्यालय के कर्मचारी, अधिकारी और वाहन मालिकों तथा दलालों द्वारा मिलीभगत करके कॉमर्शियल वाहनों के रजिस्ट्रेशन करने में फर्जीवाड़ा किया जा रहा था। फर्जी तरीके से गाड़ी की इनवॉइस तैयार की गई, जिसमें वाहन की असल कीमत से कम कीमत के फर्जी बिल बनाकर फर्जी तरीके से वाहन पंजीयन कार्यालय गुरुग्राम नॉर्थ में वाहनों का रजिस्ट्रेशन करा लिया गया। जबकि पड़ताल करने पर कम्पनी ने अवगत कराया है कि इस प्रकार के वाहन की कीमत इन दस्तावेजों में दिखाई गई कीमत से ज्यादा है।

एसडीएम ने बात करने से किया इंकार

इस बारे में जब गुरुग्राम नॉर्थ के वाहन पंजीकरण अधिकारी एवं एसडीएम जितेंद्र कुमार का पक्ष जानना चाहा तो उन्होंने इस पर कुछ भी बोलने से इंकार कर दिया। उनसे कहा कि ऑफिशियल उनका छापेमारी पर क्या कहना है तो वे बोले कि इसमें ऑफिशियल कुछ नहीं होता। कोई जानकारी चाहिए तो डीपीआरओ से बात कर लें।

गर्मी शबाब पर, कूलर कारोबारी निराश

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

गर्मी का मौसम अपने शबाब पर है लेकिन मार्केट में कूलर कारोबार एक तरह से ठप पड़ा हुआ है। लॉकडाउन के चलते दुकानदारों को कूलर का व्यापार इस बार रास नहीं आ रहा है। ग्राहक दुकानदारों द्वारा कूलर की कीमतों में मनमर्जी से बढ़ोतरी के कारण लेने से हिचक रहा है। पिछले चार दिनों से सूर्यदेव का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। दिनों दिन तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। आदमी तो आदमी पशु-पक्षी भी प्रचंड गर्मी से बेहाल हे रहे हैं।

बढ़ते तापमान का असर मार्केट में कूलरों की मांग पर पड़ रहा है। दुकानदारों द्वारा मनमर्जी के भाव बढ़ाने के कारण भी ग्राहक कूलर खरीदने हिचक रहा है। जिन दुकानदारों ने लॉकडाउन से पहले ही कूलर खरीदे थे, उन्हें कूलर पर खर्च की गई राशि भी नहीं मिल रही है।

कूलर दुकानदार राजेश का कहना है कि पिछले पांच दिन में दो बार दुकान खोलने का नंबर आया है। मंगलवार को कुछ कूलर बेचे है। शुक्रवार को मार्केट में मंदा रहा था। वह हर वर्ष की भांति वह दिसम्बर में कूलर का सामान लेकर आया था, लेकिन लॉकडाउन के चलते कूलर की मार्केट मंदी है। ग्राहक कई बार सोचता है और फिर जेब खर्ची देखने के बाद ही कूलर ले रहा है। क्योंकि कूलर बनाने वाली फैक्ट्रियों में मजदूर नहीं है। वह लॉकडाउन के कारण अपने घर चले गए हैं। माल तैयार नहीं होने के कारण मार्केट में तैयार कूलर भी नहीं है।

दुकानदार संजय का कहना है कि पिछले चार दिनों से गर्मी का पारा बढ़ने से ग्राहक कूलर खरीदने या पुराने कूलर को चालू करा रहा है, लेकिन उसके पार्टस नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि कूलर की कीमतों और उसके पार्टस के भाव बढ़ रहे हैं। इस बार मौसम विभाग के अनुसार दस जून तक बारिश होने की संभावना है। ऐसे में दुकादान माल स्टोक करना नहीं चाहता है। इस वर्ष कोरोना के कारण कूलर की मार्केट ठप हो गई है। दुकानदार हरीश संदूजा का कहना है कि कोरोना काल के कारण मार्केट में दम नहीं है। दुकानदार अपने स्टोक को निकालना तो चाह रहा है। लेकिन कमाई भी करना चाहता है।

नगर परिषद के नोटिस का फार्म हाउस दे रहे ऑनलाइन जबाब

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

एनजीटी के आदेश पर हरकत में आई सोहना नगर परिषद की कार्रवाई से अंसल में आलीशान फार्म हाउसों पर नोटिस चस्पाने से हड़कंप मच गया है। फार्म हाउस मालिक अब परिषद के नोटिसों का जवाब देने लगे हैं, लेकिन चार दीवारी बनाकर बनाए गए फार्म हाउसों को बिना कार्रवाई छोड़ने के मूड में नहीं है।

मालूम रहे कि सोहना नगर परिषद ने अपने वार्ड-एक के गांव रायसीना से लगती अरावली पहाड़ी के अंसल क्षेत्र में बने करीब 200 फार्म हाउसों पर नोटिस चस्पा करते हुए सात दिन में दीवारें हटाने को कहा है। फार्म हाउस पर नोटिस चस्पाने से मालिकों में खलबली मची हुई है। सूत्रों के अनुसार कई फार्म हाउस मालिकों ने तो ऑनलाइन परिषद की मेल पर नोटिस का जवाब देने का प्रयास किया है। मंगलवार को परिषद को ऑनलाइन 3, 4 नोटिसों के जवाब मिले हैं। जो अपने आपको जायज ठहराते हुए सभी नियमों का पालन करने का दावा कर रहे हैं। परिषद में बिल्डिंग इंस्पेक्टर मनोज स्वीच ने बताया कि करीब एक सौ फार्म हाउस मालिकों ने उन्हें नोटिस चस्पाने के दौरान जमीन के कागजात दिखाए थे, लेकिन किसी के कागजात पूरे नहीं मिले हैं।

क्या कहते हैं परिषद अधिकारी : नगर परिषद के एक्सइएन अजय पंगाल ने बताया कि जिस भी फार्म हाउस मालिक ने नोटिस का जवाब भेजा था। परिषद की तरफ से उन्हें दोबारा से जवाब दे दिए गए हैं। एक्सइएन ने बताया कि एनजीटी के नियमानुसार जिन फार्म हाउसों पर नोटिस चस्पा दिया है। वह किसी भी सूरत में कार्रवाई से बचने वाला नहीं है।

शादियों में बैठाकर खिलाएंगे खाना

द गुड़गांव पार्टी लॉन वेलफेयर एसोसिएशन ने शादी व समारोह शुरू करने की मांग की इजाजत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में पार्टी लॉन शुरू करने के लिए डीसी को मांग पत्र सौंपते द गुड़गांव पार्टी लॉन वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल राव व रमेश कालरा।

लॉकडाउन के बीच ठप हो चुके पार्टी लॉन के बिजनेस को नए सिरे से शुरू करने के लिए द गुड़गांव पार्टी लॉन वेल्फेयर एसोसिएशन ने खुद ही कई शर्तों को लागू करने का निर्णय लिया है। साथ ही शादी व अन्य समारोहों के लिए पार्टी लॉन को अनुमति देने के लिए गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला तथा डीसी अमित खत्री को ज्ञापन सौंपा।

एसोसिएशन की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि कोरोना महामारी से बचते हुए शादी व अन्य समारोह आसानी से संपन्न हो सकें, इसके लिए एसोसिएशन ने कुछ नियम तय किए हैं। इसमें नियम यह है कि जस भी व्यक्ति का लॉन में कार्यक्रम होगा, उसने स्वास्थ्य मंत्रालय की गाइड लाइंस के अनुसार नियमों के पालन का प्रमाण पत्र देना होगा। लापरवाही पर पार्टी और बैंक्वेट मालिक दोनों जिम्मेदार होंगे। कार्यक्रम से पूर्व व बाद में स्थल को सेनिटाइज किया जाएगा। भोजन की व्यवस्था बुके सिस्टम से न करके छोटे-छोटे समूहों में बैठाकर खिलाने की होगी। समारोह में 200-300 लोगों के शामिल होने की अनुमति हो। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी पूरी तरह से होगा। सभी आगंतुकों, मेहमानों की थर्मल स्क्रीनिंग अनिवार्य होगी। सबसे जरूरी यह कि जो भी मेहमान समारोह स्थल पर आएंगे, उनके मोबाइल में आरोगय सेतु ऐप अनिवार्य होगा।

हवाई जहाजों में यात्रा पर भी किया सवाल : एसोसिएशन की ओर से इन सुझावों में एक सवाल भी किया गया है कि हम तो शादियों में एक मेहमान के लिए 100 फुट की जगह उपलब्ध करवा रहे हैं परंतु अब भारत में 25 मई 2020 से हवाई जहाजों की आवाजाही शुरू हो गई है। एक प्लेन में 180 यात्री बैठ सकते हैं। अब आप वहां पर कैसे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करेंगे।

गुरुग्राम में दो चरणों में होगी रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की जांच

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम एवं गुरुजल के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को स्वच्छता सैनिकों के लिए एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी जिला परिषद भवन में आयोजित कार्यशाला में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की कार्यक्षमता की जांच करने और उनकी साफ-सफाई करने बारे प्रशिक्षण दिया गया।

कार्यशाला में गुरुजल से सचिन और नगर निगम गुरुग्राम से सुमेर राव ने स्वच्छता सैनिकों को बताया कि नगर निगम गुरुग्राम के अधिकार क्षेत्र में आने वाले रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की जांच दो चरणों में की जाएगी। इनमें प्रथम चरण में टीमें बनाकर सार्वजनिक स्थानों पर लगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चरों का निरीक्षण किया जाएगा तथा द्वितीय चरण में इनकी मुरम्मत और रख-रखाव का कार्य होगा। ये सभी कार्य दो माह में पूरे किए जाएंगे तथा इस दौरान लगभग 369 रेनवाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स की जांच की जाएगी।

मोटोरोला ने अपने सबसे नए मोटोरोला एज प्लस के लॉन्च की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मोटोरोला अन्य बाजारों में अपार सफलता प्राप्त करने के बाद मोटोरोला ने मंगलवार को भारत में मोटोरोला एजप्ल्स की घोषणा की। इसमें जबरदस्त 5जी परफॉमेंस, डाइनामिक एवं इमर्सिव डिस्प्ले, सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफी अनुभव, बेहतरीन ऑडियो एवं बाजार में उपलब्ध अन्य 5जी फोन के मुकाबले सबसे शक्तिशाली बैटरी है। मोटोरोला एजप्लस स्मोकी सांग्रिया एवं थंडर ग्रे कलर में 12जीबी रैम और 256 जीबी मैमोरी के साथ उपलब्ध होगा।

मोटोरोला एजप्लस की प्रिबुकिंग फ्लिपकार्ट पर एवं अग्रणी ऑफलाइन रिटेल स्टोर्स पर 19 मई, 2020 से 74,999 रुपये में शुरू। यह 26 मई, 2020 से बिकना शुरू होगा। डिवाइस के साथ आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड द्वारा खरीद करने पर फ्लैट 7500 रुपये का डिस्काउंट (ऑनलाइन) या कैशबैक (रिटेल स्टोर्स)। यह स्कीम ईएमआई एवं नॉन- ईएमआई विनिमयों पर लागू होगी।

सबसे बोल्ड, सबसे ज्यादा इमर्सिव - 90 डिग्री कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले : मोटोरोला एजप्लस में

मोटोरोला का ब्रांड न्यू एंडलेस एज एमोलेड डिस्प्ले है, जो डिवाइस के दोनों ओर लगभग 90 डिग्री पर रैप हो जाता है इसकी 6.7 इंच की स्क्रीन सबसे ज्यादा इमर्सिव व्यूईंग का अनुभव प्रदान करती है। न्यूनतम बेज़ेल एवं सेल्फी कैमरा के लिए स्मॉल होल पंच के साथ एजप्लस में 93 प्रतिशत का सर्वश्रेष्ठ स्क्रीन-टू-बॉडी अनुपात है। इसमें एंटरटेनमेंट के लिए सर्वश्रेष्ठ, सिनेमेटिक 21:9 का स्क्रीन अनुपात है, जो ज्यादातर फिल्मों एवं टीवी शो का डिफॉल्ट एस्पैक्ट है। इसका डिस्प्ले बहुत खूबसूरत है, तथा कलर के करोड़ों शेड प्रदर्शित करते हुए एचडीआर 10प्लस के साथ सबसे उत्तम डाइनामिक पिक्चर क्वालिटी प्रदान करता है। 90 हट्र्ज के स्क्रीन रिफ्रेश रेट के साथ इसकी स्क्रीन बहुत स्मूथ मूवमेंट प्रदान करता है, ताकि हर स्क्रॉल एवं स्वाइप बहुत खूबसूरत दिखे। इसका एंडलेस ऐज डिस्प्ले न केवल खूबसूरत है, बल्कि यह फंक्शनल भी है। मोटोरोला एज प्लस पर कर्व्ड स्क्रीन एवं नैरो विड्थ एक हाथ से उपयोग एवं नैविगेशन के लिए सर्वश्रेष्ठ अनुपात प्रदान करती है, जिसके चलते बिना गड़बड़ के अन्य डिवाइसेस का उपयोग भी किया जा सकता है। एज टच सॉफ्टवेयर फीचर्स के हमारे नए माईयूएक्स संग्रह का हिस्सा है, जिसके द्वारा आप अपनी डिवाईस से इंटरैक्ट करने के नए तरीके कस्टमाइज कर सकते हैं। नोटिफिकेशंस को पुल डाउन करने या ऐप्स के बीच स्विच करने को एज पर स्वाइप अप या डाउन करें। जब आपका फोन आपके हाथ में न हो, तब डिस्प्ले एज काफी हैंडी हो जाती है, बैटरी की चार्जिंग का स्टेटस, इनकमिंग कॉल्स, अलार्म एवं नोटिफिकेशंस दिखाने के लिए लाइट प्रदर्शित करती है, ताकि आपको कमरे में फोन पर आने वाले नोटिफिकेशंस की जानकारी मिल जाए।

नूंह जिले से 36 प्रवासी मजदूर झारखंड के लिए किए रवाना

सफर से पहले जांच कराते मजदूर।

नूंह। जिला प्रशासन द्वारा मंगलवार को झारखंड के 36 प्रवासी मजदूरों को उनके जिलों के लिए रवाना किया गया। मजदूरों के लिए नूंह व तावडू से फरीदाबाद रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए बस की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

मजदूरों को छोड़ने के लिए भेजी गई बस में सेनेटाइज व सोशल डिस्टेंस का भी खयाल रखा गया। यह जानकारी नूंह के डीसी पंकज ने दी। उपायुक्त ने कहा कि हरियाणा सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण से आज कोविड-19 के तहत चल रहे लॉकडाउन में प्रवासी मजदूरों को उनके गृह जिलों में परिजनों के पास भेजने की व्यवस्था की गई है। प्रवासी श्रमिकों को सुखद व स्वस्थ रहते हुए आर्थिक समृद्धि में भागीदार बने रहने का संदेश भी दिया। उन्होंने बताया कि प्रवासी श्रमिकों को खाना, मास्क, पानी, सैनिटाइजर आदि की सुविधा रैडक्रास सोसायटी के द्वारा प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि रात्रि भोजन व सुबह के नाश्ते के बाद सभी को सोशल डिस्टेंसिंग के साथ बसों में मास्क पहनाकर,पानी की बोतल व बिस्कुट पैकेट देते हुए फरीदाबाद के रास्ते रेलवे स्टेशन से झारखंड के लिए रवाना किया जा रहा है।

फाइनेंस व्यवसाय में डिजिटल भविष्य के लिए तैयारी कैसे करें : हनादी खलीफ, आईएमए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हम एक औद्योगिक क्रांति की शुरुआत में हैं। यह इससे पूर्व हुई तीन औद्योगिक क्रांतियों से बिल्कुल अलग होगी। एक तीव्र टेक्नोलॉजिकल प्रगति का युग है, जिसमें नए इनोवेशंस होंगे, तीव्र एप्लीकेशंस एवं उनका प्रसार पूरी दुनिया के काम करने के तरीके में परिवतज़्न ला रहा है।

कई साल पहले हुए मशीनीकरण एवं फिर कंप्यूटराइजेशन के समान ही अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी, जैसे आर्टिफिशियल इंटैलिजेंस, मशीन लनिंज़्ग, ब्लॉकचेन, ऑग्मेंटेड एनालिटिक्स एवं रोबोटिक्स मानव क्षमता के मुकाबले बहुत व्यापक एफिशियंसी लेकर आ रहे हैं। एआई एवं मशीन लर्निंग हर व्यवसाय का हिस्सा बन जाएगी, तथा फाइनेंस प्रोफेशनल्स सहित हर किसी के लिए बहुत उपयोगी होगी। हनादी खलीफ, सीनियर डायरेक्टर, एमईए एवं इंडिया ऑपरेशंस, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अकाउंटेंट्स (आईएमए) का कहना है कि कंपनियां इस नई दुनिया की अभ्यस्त हो रही हैं, लेकिन उनके सामने काफी चुनौतियां भी हैं, जो सामने आकर उनके काम करने के तरीके में संशोधन की जरूरत हो उजागर करती हैं। ये प्रोफेशनल्स इस अवसर का फायदा कैसे उठाते हैं, उससे ही तय होगा कि वो अपने संगठन को स्थापित करने में किस प्रकार मदद कर पाते हैं।

फाइनेंस पारंपरिक रूप से मार्केटिंग एवं सेल्स के विभागों के मुकाबले डिजिटल प्रगति को अपनाने में काफी रूढ़िवादी रहा है। हालांकि मेरे दृष्टिकोण से इस प्रगति के चलते हमारे व्यवसाय में संगठन के अंदर डिसीजन-मेकिंग की रीढ़ बनने की सामर्थ्य है। डिजिटल रूप से जटिल दुनिया में फाइनेंस प्रोफेशनल्स को अपने संगठन एवं बाजार को समझने के लिए काफी ऑपरेशनल विशेषज्ञता की जरूरत होती है। फाईनेंस प्रोफेशनल्स जानकारी एवं मूल्य प्रस्तुत कर डिसीजन मेकिंग की प्रक्रिया में भूमिका निभा सकते हैं।

भविष्य में मुख्य ज्ञान, कौशल एवं क्षमताओं के प्रमुख डोमेन, जिनकी फाइनेंस एवं अकाउंट के प्रोफेशनल्स को जरूरत होगी, वो काफी उपयोगी होंगे। अपना मूल्य बढ़ाने के लिए उन्हें मैनेजमेंट अकाउंटिंग के सिद्धांतों को अपनाना होगा। ऑपरेशनल एक्सिलेंस लाने के लिए फाइनेंस प्रोफेशनल्स को तीन योग्यताओं की जरूरत होगी। ये उन्हें अत्यधिक डिजिटाइज्ड परिवेश में अपने डिसीजन-मेकिंग का कौशल बढ़ाने में मदद करेंगी, उन्हें ज्यादा रेगुलेटरी एवं अनुपालन परीक्षण के दायरे में लाएंगी और अत्यधिक ऑपरेशनल चुस्ती की मांग करेंगी। ये योग्यताएं हैं:

नेतृत्व संगठन के उद्देश्य प्राप्त करने के लिए क्रॉस फंक्शनल टीम्स को प्रेरित करने की चाबी है।

टेक्नोलॉजी एवं एनालिटिक्स मूलभूत कौशल होगा, जो बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण कर फाइनेंस प्रोफेशनल्स को नए टेक्नोलॉजी स्टैंडर्ड व प्लेटफॉर्म्स को समझने एवं उनका प्रबंधन करने में मदद करेगा।

कोरोना का कहर : एक दिन में 23 पॉजिटिव और तीन मौत के साथ आंकड़ा 234 पर पहुंचा

ईएसआई की महिला चिकित्सक समेत वहां दाखिल दो महिला मरीज पॉजिटिव

छह वर्षीय बच्चे समेत एक ही परिवार के तीन लोग पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। मंगलवार को 23 पॉजिटिव पाए गए और कोविड-19 अस्पताल में दो दिन की नवजात सहित एक महिला की मौत हो गई है। साथ ही कोरोना पीड़ित एक बुजुर्ग की भी मौत हुई है। नवजात गुरुग्राम निवासी महिला की पुत्री थी। अन्य मृतक इंद्रा नगर और मवई गांव के निवासी थे। इन सभी का अंतिम संस्कार कोरोना गाइड लाइन के अनुसार किया गया है। एक दिन में मिले 23 पॉजिटिव में एक महिला चिकित्सक, छह वर्षीय बच्चे समेत एक ही परिवार के तीन सदस्य शामिल है। फिलहाल जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजों का आंकड़ा 234 पर पहुंच गया है।

इन पॉजिटिवों की मौत

28 वर्षीय गर्भवती ने गुरुग्राम के ईएसआइसी अस्पताल में कोरोना जांच कराई थी। जहां गर्भवती की गंभीर हालत को देखते हुए 23 मई को गुरुग्राम से फरीदाबाद के ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में रेफर किया गया। 23 मई की रात को महिला ने पुत्री को जन्म दिया था। जांच में नवजात कोरोना पॉजिटिव पाई गई।

सोमवार रात को नवजात की मौत हो गई। इसके अलावा इंद्रानगर निवासी 52 वर्षीय महिला में कोरोना की पुष्टि 22 मई को हुई थी। कोविड अस्पताल में गंभीर हालत की वजह से उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था और मंगलवार को मौत हो गई। महिला कोरोना के अलावा किडनी व एनीमिया से जूझ रही थी।

नेगेटिव आने पर मौत

मवई गांव निवासी 67 वर्षीय एक पॉजिटिव बुजुर्ग को 18 मई को ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। दूसरी रिपोर्ट कोरोना नेगेटिव आ गई थी। अस्पताल उन्हें डिस्चार्ज करने की तैयारी कर रहा था। इस दौरान अचानक तबियत खराब होने से उनकी मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि उनकी मौत कोरोना से नहीं गॉल ब्लॉडर फटने से हुई है।

यहां से है पॉजिटिव

मंगलवार को पॉजिटिव मरीजों में पंचशील कालोनी से 30 वर्षीय व्यक्ति, ओल्ड फरीदाबाद से 34 वर्षीय महिला, भूपानी निवासी 24 वर्षीय एक युवती और सेक्टर-31 निवासी 38 वर्षीय व्यक्ति यह दोनो एक महिला के सम्पर्क में आने से पॉजिटिव हुई, एनआईटी दो जी ब्लॉक से 64 व 34 वर्षीय दो व्यक्ति, एक छह वर्षीय बच्चा एक ही परिवार के है। ईएसआईसी एमसीएच की एक 22 वर्षीय महिला चिकित्सक, ईएसआई में दाखिल 23 वर्षीय महिला, रामनगर से 20 वर्षीय महिला, संजय कालोनी की 28 वर्षीय महिला, फतेहपुर बिल्लौच से 29 वर्षीय व्यक्ति, बसेलवा कालोनी से 50 वर्षीय व्यक्ति, भारत कालोनी से 11 वर्षीय बच्चा, सेक्टर 15 ए स्थित ऑफिसर कोलीनी निवासी 27 वर्षीय युवक भी कोरोना पॉजिटिव है। सेक्टर-28 से 65 वर्षीय व्यक्ति, अशोका इंक्लेब से 48 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर-31 का एक निजी कम्पनी का 69 वर्षीय कर्मी , भूड कालोनी से 45 वर्षीय एक व्यक्ति, ईएसआईसी में दाखिल एक 20 वर्षीय महिला, गौंछी जीवन नगर निवासी 28 वर्षीय पॉजिटिव महिला की बीके अस्पताल में प्रसुति के बाद बच्चे समेत ईएसआईसी अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। चावला कालोनी निवासी 29 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर-82 से 35 वर्षीय व्यक्ति को होम आईसोलेट किया गया है।

गुरुग्राम के मरीज भी हो रहे हैं कोविड अस्पताल में रेफर

बढ़ गया लोड, रोजाना हो रही ईएसआईसी की लैब में 800 टेस्टींग

कविता। फरीदाबाद

जिले के एनएच-तीन स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज को कोविड-19 अस्पताल घोषित होने के बाद से यहां आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। यहां अन्य जिलों से रेफर होकर आ रहे पॉजिटिव मरीजों को भर्ती किया जा रहा है। जिस कारण कोविड-19 अस्पताल में 800 सैम्पलों की जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में यहां 850 सैम्पलों की जांच की व्यवस्था करने का निर्णय लिया जा रहा है। लेकिन पिछले दो दिनों में लगातार दो कोरोना पॉजिटिवों की मौत से कोविड-19 अस्पताल में हड़कंप मच गया है।

दो की मौत, दो ठीक

गुरूग्राम ईएसआई अस्पताल से गंभीर हालत में कोविड-19 के रोगियों को जिले के एनएच-तीन स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया जा रहा है। जिसमें कुछ गर्भवती और अन्य गंभीर रोगी शामिल है। जिसमें से इलाज के दौरान पिछले दो दिनों में दो लोगों की मौत हो गई है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज प्रबंधन की तरफ से बताया जा रहा है कि गंभीर रोगियों में एक मानेसर निवासी युवक था और गत सोमवार की रात को जिसकी मौत हुई है। वहीं अस्पताल में मंगलवार को तीन दिन की एक बच्ची की भी मौत हुई है।

उसका जन्म तीन दिन पहले इसी अस्पताल में हुआ था। वहीं दूसरी तरफ ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के रजिस्ट्रार एनके पांडे ने बताया कि गुरूग्राम में गंभीर हालत होने पर ही मरीजों को यहां मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है। जिसमें से दो पहले ठीक हुए है, कुछ गर्भवती महिलाएं भी ठीक होकर यहां से डिस्चार्ज हो चुकी है। वहीं गुरूग्राम के दो रोगियों की मौत हुई है।

इतनी हो रही टैस्टींग

ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज (कोविड-19 अस्पताल) की प्रयोगशाला में हर रोज कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण सैम्पल अधिक आ रहे है। पहले जहां 500 से 650 सैम्पल रोजाना आ रहे थे। वही अब इन सैम्पलों की संख्या 800 तक पहुंच रही है। प्रबंधन का कहना है कि सैम्पलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रयोगशाला में सैम्पल जांच बढ़ाई जाएगी। इसे बढ़ाकर 850 किया जाएगा। ताकि मरीजों की जांच करके पॉजिटिवों की संख्या के बढ़ते आंकड़े को रोका जा सके।

नशाखोरी का विरोध करने पर साध्वी से अभद्र हरकत

फरीदाबाद। सीएम योगी आदित्यनाथ के पीठ द्वारा संचालित आश्रम की साध्वी के साथ फरीदाबाद दयाल नगर स्थित दयालुनाथ महाराज के आश्रम पर अभद्र हरकत, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। घटना 22 मई देर शाम की है। साध्वी उस संप्रदाय से जुडी हुई है, जिसके पीठाधीश यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ हैं, जो पिछले 2 साल से फरीदाबाद दयाल नगर स्थित दयालुनाथ महाराज के आश्रम पर निवास करती है। आश्रम के आसपास रहने वाले कुछ लोग दीवार फांद कर आश्रम में घुस कर नशाखोरी करते हैं। साध्वी द्वारा इनका लगातार विरोध किया जा रहा था। इस रंजिश को लेकर पडौस में रहने वाले सतपाल, उसकी पत्नी व अन्य लोग आश्रम घुस आए। इन लोगों ने साध्वी के साथ न केवल मारपीट की बल्कि अभद्र हरकत भी कर डाली। जिसकी शिकायत साध्वी ने पुलिस को दी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। हिंदु जागरण मंच के सेवानिवृत्त कर्नल समर सिंह ने बताया कि दयाल नगर में रहने वाले कुछ असमाजिक लोग इस आश्रम को खाली करवाकर गलत कार्यो के लिये प्रयोग करना चाहते हैं।

बीके : जच्चा के पॉजिटिव होने पर मच गया हड़कंप

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बीके अस्पताल में दाखिल एक जच्चा की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से हड़कंप मच गया। उसका कोविड-19 का टेस्ट करवाया गया था। लेकिन रिपोर्ट देरी से आने के कारण उसे प्रथम तल पर बने जच्चा-बच्चा वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया।

मंगलवार को रिपोर्ट आने पर अस्पताल में हड़कंप मच गया। ऐसे में प्रथम तल को सैनिटाइज करवा कर बंद किया गया। ऑपरेशन थियेटर को भी एक दिन के लिए सील किया गया। जच्चा के सम्पर्क में आने वाले चिकित्सक समेत छह लोगों को क्वारेंटाइन किया गया।

जीवन नगर भाग दो की निवासी 28 वर्षीय गर्भवती महिला को सोमवार को बीके में दाखिल हुई। शाम को कोरोना जांच का सैम्पल लिया गया। वहीं दर्द से तड़प रही गर्भवती की मंगलवार को ऑपरेशन से डिलीवरी कराई गई। डिलीवरी के बाद महिला की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आई।

लेकिन उसे प्रथम तल पर दाखिल कर दिया गया था। जिससे अनन फनन में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भेजने को कहा गया। एम्बुलैंस के माध्यम से दो कर्मचारियों के साथ जच्चा और बच्चा को ईएसआईसी में भिजवाया गया। इसके साथ डिलीवरी कराने वाले दो डॉक्टरों के साथ स्टाफ के चार अन्य सदस्यों को क्वारेंटाइन कर दिया गया। इसके अलावा प्रथम तल पर जिस कक्ष में जच्चा को दाखिल किया गया था और ऑपरेशन थियेटर सैनिटाइज किया गया। पीएमओ डॉ. सवीता यादव ने बताया कि डिलीवरी के बाद महिला के संक्रमित होने की पुष्टि हुई। ऑपरेशन थियेटर को सैनिटाइज कर एक दिन बंद रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला के संपर्क में आए स्टाफ के लोगों को 6 दिन तक सूरजकुंड में क्वारेंटाइन रखा जाएगा।

जान से किया खिलवाड

अस्पताल के स्टाफ का कहना है कि चिकित्सकों ने जच्चा-बच्चा को पहले आईसोलेशन में और फिर ईएसआईसी में चुपचाप शिफ्ट करने के निर्देश दे दिए। जबकि वह पॉजिटिव थी। उसे रिपोर्ट का इंतजार किए बिना ही अन्य मरीजों के साथ उनके जीवन से खिलवाड़ करते हुए साथ दाखिल करवाया गया था।

संक्षिप्त समाचार

दुर्गाबाड़ी ने सकंट में की मदद

फरीदाबाद। कोरोना काल की इस मुश्किल घड़ी में हार्डवेयर बाटा रोड स्थित दुर्गाबाड़ी मंदिर संस्थान ने मदद के लिए अपने हाथ बढ़ाए हैं। मंदिर संस्थान ने सीएम रिलीफ फंड में 51 हजार रुपये और चक्रवात की चपेट में पश्चिम बंगाल सीएम रिलीफ फंड में 51 हजार रुपये का दान किया है। दुर्गाबाड़ी मंदिर के अध्यक्ष एनसी दास ने बताया कि मंदिर कमेटी द्वारा पूजा अर्चना के कार्यक्रमों के साथ समाज के कल्याण के लिए भी समय समय पर काम किया जाता है। इन दिनों कोरोना की वजह से पूरा देश परेशान है। इस मुश्किल घड़ी मंदिर कमेटी द्वारा हरियाणा सीएम रिलीफ फंड में 51 हजार रुपये भेजे गए हैं। वहीं दूसरी पिछले दिनों पश्चिम बंगाल में आए तुफान की वजह से भारी नुकसान हुआ है। जिसे देखते मंदिर कमेटी की तरफ से पश्चिम बंगाल रिलीफ फंड में भी 51 हजार रुपये की राशि भेजी है।

अब सीबी नेट से होगी कोविड जांच

फरीदाबाद। एनआईटी तीन स्थित ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में टीबी मशीन से कोविड टेस्ट शुरु हो गया है। टीबी के सीबी नेट मशीन में कोविड जांच से गंभीर अवस्था में मरीजों को मात्र 40-45 मिनट में रिपोर्ट मिल जाएगी। इससे ऑपरेशन, पोस्टमॉर्टम और डिलीवरी वाले केसों में काफी सहायता मिलेगी। अस्पतालों में अभी जो कोरोना वायरस की जांच होती उसमें अभी आरटीपीसीआर तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इसे रियल टाइम पीसीआर कहा जाता है। इसमें न्यूक्लिक एसिड (आरएनए) मरीज के स्वैब से लैब में निकाला जाता है। यह काम रियल टाइम मैथेड से मैनुअल किया जाता है। न्यूक्लिक एसिड निकालकर उसे पीसीआर मशीन में रन करना होता है। इस पूरी प्रक्रिया में पांच से सात घंटे लग जाते हैं, जबकि सीबी नेट कार्टेज बेस्ड न्यूक्लिक एसिड टेस्ट मशीन है। सीबी नेट में मैनुअल काम करने का झंझट नहीं है। एक बार सैंपल लगाकर मशीन चला दें, 40 से 45 मिनट में जांच पूरी हो जाती है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के रजिस्ट्रार डॉ. अनिल पांडे ने बताया कि सीबी नेट में बहुत ही आसान और साधारण तरीके से जांच संभव है। किसी की सर्जरी होनी है, पोस्टमॉर्टम रुका हुआ है, डिलिवरी होनी है। ऐसे इमरजेंसी मामले में जिसमें कोविड रिपार्ट पर आगे के इलाज का फैसला निर्भर है। उसके लिए यह काफी कारगर साबित हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस मशीन में चार, आठ और 16 सैंपल की जांच करने की क्षमता होती है। ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में जो मशीन है, उसमें केवल एक बार में आठ सैंपल की जांच संभव है। इसलिए हम इस तकनीक का इस्तेमाल इमरजेंसी के लिए कर रहे हैं।

लाइनमैन को नौकरी से निकालने पर किया प्रदर्शन

फरीदाबाद। लाकडाउन व भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति चलाने वाले आउटसोर्सिंग पर लगे 2 सहायक लाईनमैन को नौकरी से गुस्साए बिजली कर्मचारियों ने मंगलवार को ओल्ड फरीदाबाद डिवीजन पर जोरदार प्रदर्शन किया। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित आल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के बेनर तले हुए इस प्रर्दशन को प्रदर्शन को यूनिट के सचिव गिरीश राजपूत, ग्रेटर फरीदाबाद के प्रधान दिनेश शर्मा, सचिव अशरफ खान, बल्लबगढ़ के प्रधान रमेश तेवतिया ने अपने बिचार रखे और अपनी यूनिट की तरफ से पुरजोर समर्थन दिया ! इसके अलाबा प्रदर्शन को कर्मचारी नेता सतवीर, पुष्कर, प्रवेश, पंकज, कुलदीप, नरेंदर, अरुण, विनोद ने भी संबोधित किया। लॉक डाउन के दौरान वेस्ट सब डिवीजन से मोहित व मथुरा रोड सब डिवीजन से जितेंदर को नौकरी से निकलने जाने के कारण कर्मचारियो में भारी नाराजगी थी। यूनियन के यूनिट प्रधान सतीश छाबड़ी ने बताया की कार्यकारी अभियंता ओल्ड फरीदाबाद को इस बाबत नोटिस दिया गया था और 20 व 22 मई नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों को वापस लेने की मांग को लेकर दोनों सब डिवीज़नों में प्रर्दशन किए गए थे ।

ऐबल धर्मार्थ कर रहा है जरूरतमंदों की मदद

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ऐबल धर्मार्थ संस्था फरीदाबाद व पलवल में पिछले 27 सालों से जनसेवा का कार्य कर रही है। कोविड-19 में भी ऐबल धर्मार्थ की तरफ से जरूरतमंदों की मदद की जा रही है।

संस्था के प्रेजीडेंट एयरफोर्स से सेवानिवृत प्रेम कुमार खुल्लर ने बताया कि ऐबल धर्मार्थ गत 27 मार्च से रोजाना करीब 140 परिवारों को राशन बांट रही है। उन्होंने बताया कि अब तक ऐबल धर्मार्थ लगभग दोनों जिलो में 44 हजार 576 किलों राशन जरूरतमंदों को बांट चुकी है। प्रत्येक परिवार को उपलब्ध कराई जा रही राशन किट में साढ़े पांच किलो आटा, साढ़े तीन किलो चावल, दो किलो दाल, एक किलो चीनी, एक नमक का पैकेट, आधा लीटर सरसों का तेल, पांच बिस्किट के पैकेट थे। इसके अलावा पिछले 17 दिनों से प्रवासी मजदूरों की प्यास बुझाने का भी ऐबल धर्मार्थ प्रयास कर रही है। जिसके तहत पलवल में चल रहे ऐबल धर्मार्थ अस्पताल में निशुल्क पेयजल उपलब्ध करवाया जा रहा है। जिसमें रोजाना आठ से 1200 लीटर पानी लग रहा है।

उन्होंने बताया कि संस्था पिछले आठ दिनों से प्रवासी मजदूरों की हालत को देखते हुए उन्हें चप्पले, फ्री दवाईया और खाने के पैकेट भी उपलब्ध करवा रही है। ताकि जरूरतमंदों की मदद हो सके।

सरकार निशुल्क भेज रही घर, 1602 प्रवासी भेजे

फरीदाबाद। सरकार की ओर से प्रवासी मजदूरों को निशुल्क उनके गृह जिलों व राज्यों को भेजने का निर्णय लिया। इसी कड़ी में मंगलवार को ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन से 1602 प्रवासी लोगों को ट्रेन से रांची, झारखंड के लिए रवाना किया। एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार व एसडीएम बड़खल पंकज कुमार ने बताया कि सभी प्रवासी लोगों को निशुल्क उनके गृह राज्यों को भेजा गया है। सभी यात्रियों के रेलवे टिकट के पैसे का खर्च हरियाणा सरकार की ओर से वहन किया गया। इस अवसर पर एसडीएम सहित सभी अधिकारियों ने प्रवासी लोगों को सुखद यात्रा की कामना करते हुए विदाई दी। ट्रेन से गए सभी यात्रियों के लिए रास्ते में खाने-पीने के लिए फल-मीठा जल व फूड पैकेट्स इत्यादि उपलब्ध करवाए।

पुलिस आयुक्त ने 4 कोरोना योद्धाओं को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस आयुक्त केके राव ने मंगलवार को अपने कार्यालय में चार कोरोना योद्धा पुलिस कर्मियों को बुलाकर उनको प्रथम श्रेणी प्रशंसा पत्र एवं पांच पांच हजार रुपए का नकद इनाम देकर सम्मानित किया है।

पुलिस आयुक्त ने कोविड-19 में अच्छी ड्यूटी के लिए पुलिस कर्मचारियों को सम्मानित किया है। पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर अर्जुन राठी एसएचओ थाना एनआईटी, इंस्पेक्टर सतीश एसएचओ थाना पल्ला, एएसआई वीरेंद्र, ट्रैफिक पुलिस और हवलदार सुभाष थाना शहर बल्लभगढ़ को सम्मानित किया है। पुलिस प्रवक्ता सुबे सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने उपरोक्त चारों पुलिस कर्मचारियों को 18 मई से 24 मई तक बेस्ट कोरोना फाइटर के लिए चयनित कर प्रशंसा पत्र एवं 5000 नकद इनाम प्रत्येक को देकर उनकी हौंसला अफजाई की हैं एवं भविष्य में इसी तरह से काम करते रहने के लिए प्रेरित किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस आयुक्त कोविड-19 ड्यूटी में तैनात सभी अधिकारियों/ पुलिस कर्मियों की सभी तरह की वेलफेयर संबंधित आवश्यक चीजों का पूरा ध्यान रख रहे हैं। इसके अलावा अच्छी ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मचारियों को समय-समय पर सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाते रहते हैं।

विधायक ने जल माफ़िया के खिलाफ सीएम को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एनआईटी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक नीरज शर्मा ने मुख्यमंत्री मनोहरलाल को एनआईटी सहित जिला में पनप चुके जल माफ़िया के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि एनआईटी विधानसभा क्षेत्र में पानी की जबरदस्त किल्लत है।

उनके क्षेत्र में 72 -72 घंटे तक पानी नहीं आता है। क्षेत्र के हिस्से का पानी के साथ लगते अन्य इलाकों में रोक लिया जाता है। इस अव्यवस्था को रोकने के लिए नीरज शर्मा पिछले दिनों अपने ख़र्चे पर अहमदाबाद में स्काडा सिस्टम का अध्ययन करने गए थे।

जल वितरण में स्काडा व्यवस्था को लागू करने के बाद पानी की लीकेज खत्म हो जाती है और लोगों को पर्याप्त पानी मिलने लगता है। नीरज शर्मा ने मुख्यमंत्री का इस बात के लिए आभार व्यक्त भी किया कि राज्य सरकार स्काडा सिस्टम पर देश भर में लागू करने के लिए एक योजना भी तैयार कर रही है।

स्लेजहैमर ने कर्मचारियों को वितरित किया राशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सेक्टर-24 स्थित स्लेजहैमर ऑयल टूल्स कंपनी प्रबंध द्वारा अपने मज़दूर साथियों को एक महीने का राशन दिया गया। इस मौके पर कम्पनी के एमडी प्रदीप मोहंती और डायरेक्टर प्रवीण मोहंती व अंकुश कौशिक समेत एचआर के सदस्य उपस्थित रहे।

स्लेजहैमर कम्पनी के एमडी प्रदीप मोहंती ने बताया कि कोविड-19 का असर हर जगह देखने को मिल रहा है। ऐसे में हमारी कम्पनी में काम कर रहे साथियों के परिजनों का ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि इसे ध्यान में कम्पनी के सदस्यों को राशन बांटा गया है। जिसमें सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए पहले चरण में 400 लोगों को राशन बांटा गया।

बांटे गए इस सूखे राशन में दस किलोग्राम आटा, मिक्स दाल तीन किलोग्राम, सरसो का तेल एक लीटर, एक रिफाईंड, तीन किलोग्राम चीनी, नमक, मिर्च, हल्दी, धनिया पाउडर मौजूद था। इस मौके पर उन्होंने कहा कि दो चरणों में यह राशन कर्मचारियों को बांटा जाएगा। उन्होंने उद्योगपतियों से अपील की है कि वह भी अपने कर्मचारियों को राशन उपलब्ध करवाये। वहीं कम्पनी के डायरेक्टर प्रवीण मोहंती ने कहा कि जब तक सम्भव होगा, तब तक वह कर्मचारियों का साथ देंगे। वहीं डायरेक्टर अंकुर कौशिक ने कहा कि कर्मचारियों को लॉकडाउन का पालन करते हुए बाहर न जाना पड़े, इसके लिए राशन दिया गया है।

आवश्यक चीजों की दुकानें भी नहीं खुलेगी नियमों के विरूद्ध

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिलाधीश यशपाल ने कहा कि जिला में बाजारों व दुकानों को खोलने के लिए दाएं व बाएं तरफ के नियम लागू किए गए थे, लेकिन दुकानदार जरूरी सेवाओं का बहाना बनाकर इन नियमों को तोड़ रहे हैं और प्रतिदिन दुकाने खोलकर कार्य कर रहे हैं। अगर कोई दुकानदार दाएं व बाएं के नियमों की अनुपालना नहीं करता तो उसके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

जिलाधीश ने आदेश जारी कर कहा कि सिर्फ एक तरफ की ही दुकानें खुलेंगी तथा दूसरी तरफ की दुकाने, चाहे वे जरूरी सेवाएं देने वाली ही हो, नहीं खुलेंगी। उन्होंने कहा कि जिस तरफ की दुकानें खुली होती हैं, उसके दूसरी तरफ काफी रेहड़ी वाले अपनी रेहड़ी लगा लेते हैं, जिससे बाजार में भीड़ इक्ट्ठी हो जाती है। इस संबंध में लोकल कमेटियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बाजारों में खुली दुकानों पर पूर्णतय नियंत्रण रखेंगी और यह भी सुनिश्चित करेंगी कि बाजार में जिस तरफ की दुकानें बंद हैं, वहां पर किसी भी प्रकार की कोई रेहड़ी न लगा सकें। उन्होंने बताया कि व्यापारी संगठनों की तरफ से भी सुझाव आया है कि एनआईटी के प्रत्येक बाजार को सिर्फ उसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए प्रयोग किया जाए।

बाकी बाहर से कोई व्यक्ति उस बाजार में नहीं आना चाहिए, ताकि बाजार में कम से कम भीड़ हो। इन आदेशों की अनुपालना इस कार्य के लिए बनाए गए दस्ते नगर निगम के संयुक्त आयुक्त के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मार्केट को अन्य लोगों के लिए बंद कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह भी देखने में आया है कि दुकानदारों ने अपनी दुकानों के दरवाजों से काफी आगे तक बढ़ा दिया है ओर उसमें सामान डाल दिया है, जिसकी वजह से लोगों को खड़े रहने की जगह नहीं मिलती और वहां पर भीड़ बढ़ जाती है।

फीस का मामला पहुंचा पीएमओ 3 दिन में मांगी रिपोर्ट

फरीदाबाद। निजी स्कूलों की मनमानी को रोकने के लिए हरियाणा अभिभावक एकता मंच द्वारा मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री को लिखे गए पत्रों पर कोई भी उचित कार्रवाई न होने पर मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। जिस पर 3 दिन के अंदर जिला शिक्षा अधिकारी फरीदाबाद से एक्शन टेकन रिपोर्ट मांगी गई है। मंच के प्रदेश महासचिव कैलाश शर्मा, जिला सचिव डॉ. मनोज शर्मा ने कहा है कि मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री, शिक्षा सचिव, चेयरमैन एफएफआरसी सब अच्छी तरह से जानते हैं कि स्कूल प्रबंधक शिक्षा विभाग द्वारा फीस के मुद्दे पर निकाले गए पत्रों में दिए गए सभी निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं। अपनी मनमर्जी चला रहे हैं इस बारे में 21 स्कूलों की 30 से ज्यादा लिखित शिकायतें चेयरमैन फीस एंड फंड रेगुलेटरी कमेटी, कम मंडल कमिश्नर, जिला उपायुक्त, जिला शिक्षा अधिकारी को अप्रैल महीने में ही भेज दी गई थी, लेकिन उन पर अभी तक कोई भी उचित कार्रवाई नहीं की गई है खानापूर्ति के लिए नोटिस नोटिस का खेल खेला जा रहा है। इससे स्कूल वालों के हौसले और बुलंद हो गए हैं अब तो उन्होंने अभिभावकों को डराना धमकाना शुरू कर दिया है। इन सबके बारे में ही प्रधानमंत्री को अवगत कराया गया है। मंच के प्रदेश संरक्षक सुभाष लांबा ने कहा है कि जिन अभिभावकों ने वोट देकर नेताओं को मंत्री बनाया विधायक बनाया वह भी अभिभावकों की मदद नहीं कर रहे हैं। मंच ने अभिभावकों से कहा है।

किसानों से धान न उगाने की अपील

फरीदाबाद। पानी एक अनमोल विरासत है, इसे बचाने के लिए हरियाणा सरकार की ओर से मेरा पानी-मेरी विरासत नाम से नई स्कीम चलाई गई है। सरकार ने किसानों से अपील की है कि वे धान की जगह पर मक्का, कपास, बाजरा व दलहन जैसी फसलो की बुआई करके फसल विविधकरण की नीति को अपनाएं, गिरत भू-जल स्तर को सुधारा जा सके। उप कृषि निदेशक फरीदाबाद डा. अनिल कुमार ने बताया कि धान के क्षेत्र को कम करने के लिए सरकार की तरफ से दूसरी फसल मक्का, दलहन, बाजरा, कपास की बुआई करने पर अनुदान देने का निर्णय लिया है। अब जो किसान धान के अलावा अन्य फसलों की बिजाई करेगा, उसे अनुदान की राशि दी जाएगी। अनुदान की यह राशि उन्हीं किसानो को दी जाएगी जिनके नाम पर खेत या जमीन होगी। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसान ने पिछले साल धान की जगह दूसरी फसल की बुवाई की थी, की जानकारी रेवेन्यू विभाग से लेगा। रेवेन्यू विभाग की पुष्टि के उपरान्त की यह फायदा किसानों को मिलेगा।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 27 मई, 2020

कोरोना का असर

दबाव में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य प्रणाली

कोविड-19 के मामले बढ़ने के साथ ही हमारे अस्पताल ढांचे पर भारी दबाव आ गया है और वह मरीजों तथा गंभीर मरीजों की भर्ती में कठिनाई अनुभव कर रहा है। यदि खबरों पर विश्वास किया जाए तो मुंबई और दिल्ली में गंभीर मरीजों की देखभाल के लिए आईसीयू बिस्तर भर गए हैं। स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई के निजी अस्पतालों के 80 प्रतिशत तथा दिल्ली सरकार ने 20 प्रतिशत बिस्तरों की मांग की है। सच्चाई यह है कि अब तक सरकारी सुविधाओं से ही संकट से निपटा जा रहा था और 80 प्रतिशत मामले उसकी देखभाल में थे। सरकारी क्षेत्र के 'फ्रंटलाइन वैरियर' कई बार बिना समुचित सुरक्षा उपकरणों के भी बीमारी के खिलाफ संघर्ष कर रहे थे। इसके उलट अनेक निजी अस्पतालों और क्लीनिकों ने वायरस के प्रति भय के कारण अपना कामकाज बंद कर दिया था। काम करने वाले कुछ निजी अस्पताल बहुत ज्यादा पैसा ले रहे थे। राज्य सरकारों के इस कदम से बड़ी सीमा तक सहायता मिलेगी तथा हम तेजी से परीक्षण कर संक्रमितों का जल्दी पता लगा सकेंगे। लेकिन ज्यादा संख्या में बिस्तरों व गहन चिकित्सा सुविधाओं के साथ फ्रंटलाइन डाक्टरों के संरक्षण हेतु एक प्रोटोकाल का पालन करना जरूरी है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में एक व्हिसलब्लोअर के अनुसार, अस्पतालों में संक्रमण फैल रहा है। इसका कारण उपकरणों की कमी तथा मानक प्रक्रिया का अभाव है। आश्चर्यजनक लापरवाही के चलते अहमदाबाद अस्पताल के सभी कोविड रोगियों का इलाज जूनियर रेजीडेंट डाक्टर करते हैं और कोई वरिष्ठ डाक्टर उनकी निगरानी नहीं करता है। गैर-कोविड ड्यूटी वाले डाक्टरों को पीपीई किट व

एन-95 मास्क या समुचित दस्ताने नहीं दिए जाते हैं। साझा होस्टल में रहने वाले 700 रेजीडेंट डाक्टरों में से 10 प्रतिशत का भी परीक्षण नहीं हुआ है और उनमें से कुछ संक्रमित हो सकते हैं। शायद वरिष्ठ डाक्टर जूनियर डाक्टरों का इसलिए परीक्षण नहीं कराते हैं क्योंकि उनकी समझ से युवा होने के कारण वे वायरस से मुकाबला करने में सक्षम हैं और परीक्षण में संक्रमित पाए जाने पर उनको ड्यूटी से अलग होना पड़ेगा। व्हिसलब्लोअर ने इस प्रकार प्रबंधन की असलियत उजागर कर दी है। प्रसूति विभाग में ऐसे में कोई संक्रमित होने के बावजूद प्रसव करवा सकता है। कल्पना करें कि इससे गर्भवती महिलाओं, माताओं व शिशुओं तथा उनके परिवारों को खतरा कितना बढ़ जाता है। स्पष्ट रूप से यदि प्रक्रियायें परिभाषित हैं तो भी उनका क्रियान्वयन नहीं हो रहा है। क्या हर खुलासे पर मीडिया में शोर मचना और उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय का आदेश देना जरूरी हो गया है? सरकारी स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं पर सामान्य स्थिति में भी काफी दबाव रहता है और वर्तमान तनाव उसके लिए बहुत कठिन हो रहा है। हालांकि, निजी अस्पताल भी जल्द ही आईसीयू सुविधाओं पर दबाव का सामना कर सकते हैं। भविष्य में चुनौती गंभीर हो सकती है।

हालांकि, सरकार ने निजी उद्यमियों के साथ अस्थाई सुविधायें बनाने, शोध करने व वेंटीलेटर तैयार करने के बारे में समझौते किए हैं, पर इनके नतीजे पूरी तरह सामने नहीं आए हैं। ऐसे में निसंदेह नीतिगत पुन: उन्मुखीकरण के साथ स्वास्थ्य बजटों को भविष्य में प्राथमिकता देनी होगी। लेकिन वर्तमान स्थिति में हमारा स्वास्थ्य ढांचा वायरस के प्रसार को देखते हुए भीड़ वाले शहरों में अत्यधिक संकट की स्थिति में है। लौटे प्रवासियों के कारण अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी संक्रमण फैलने की आशंका है। अधिकांश प्रवासी भेजने वाले बिहार व उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में देश में प्रति व्यक्ति अस्पताल बिस्तरों तथा अस्पतालों की संख्या सबसे कम है। इन राज्यों को परीक्षण संख्या बढ़ाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। ब्रुकलिंग्स इंस्टीट्यूट के अनुसार भारत में प्रति 1000 जनसंख्या पर 0.55 बिस्तर हैं, जबकि समान जनसंख्या घनत्व वाले चीन में यह संख्या 4.2 बिस्तर है। इसी प्रकार अमेरिका की तुलना में भारत के आईसीयू वार्डों में वेंटीलेटरों की संख्या बहुत कम है। अगले कुछ सप्ताहों में भारत को गंभीर स्वास्थ्य स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

कोरोना वायरस का बहुआयामी संकट

कोरोना वायरस के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव के कारण वर्तमान समय में प्रवासी श्रमिकों का अपने मूल गांवों व कस्बों को पलायन हो रहा है। इसके व्यापक नतीजे हो सकते हैं।

केके पॉल
लेखक पूर्व पुलिस आयुक्त एवं पूर्व राज्यपाल हैं

वैश्विक महामारी से स्वास्थ्य संकट पैदा होता है जिसका प्रभाव अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। कोरोनावायरस से प्रभावित लगभग सभी देशों में यही स्थिति है। इसके साथ ही प्रवासी श्रमिकों का भारी पलायन संभवत: हमारे देश की खास समस्या है जिसके दीर्घकालीन प्रभाव हो सकते हैं। आने वाले लंबे समय तक प्रवासी श्रमिकों की हृदय-विदारक छवियां कोरोना के कारण पैदा लाकडाउन को परिभाषित करेंगी। अपनी आजीविका समाप्त होने, कोई बचत न होने तथा भविष्य की उम्मीद समाप्त होने पर लाखों कामगार अपने मूल गांवों व कस्बों की ओर लौट रहे हैं। पहले डेढ़ महीने तक किसी परिवहन के अभाव में वे सड़कों और राजमार्गों पर अपने थोड़े-बहुत सामान के साथ चलते दिखाई दिए। उनमें से कुछ ने हजारों किलोमीटर दूरी पैदल तय की। भले ही उनके निर्णय को स्वैच्छिक कहा जा सकता है, पर तत्कालीन परिस्थितियों में उनके पास कोई और विकल्प नहीं था।

वर्तमान संकट बहुआयामी है जिससे वर्तमान समय में स्वास्थ्य के बजाय पूरी अर्थव्यवस्था पर ज्यादा ध्यान गया है। दीर्घकालीन रूप से यह एक बड़ा सामाजिक संकट भी बन सकता है। विस्थापन की प्रक्रिया तथा इसके प्रभाव से शहरी क्षेत्रों में मलिन बस्तियों में वृद्धि पर समग्र अध्ययन हुए हैं, पर वर्तमान समय में उल्टा विस्थापन हो रहा है। पहले इस अवधारणा को व्यक्तिगत व्यवहार व निर्णयों से जोड़ा जाता था, लेकिन वर्तमान संदर्भ में इसने व्यापक पलायन का रूप ले लिया है। पीड़ित व्यक्ति व परिवार अपनी जड़ों से उखड़ गए हैं जिनमें उनकी कोई गलती नहीं है और वे न केवल दु:खी, बल्कि गुस्से से भरे हैं। वर्तमान समय में यह स्थिति जल्दी बदलती नहीं दिखती है। इसका कारण यह है कि पहले अपने गांवों को छोड़ने पर मजबूर हुए ये लोग अब ज्यादा कठिन स्थितियों का सामना होने पर अपने गृह राज्यों को वापस लौटने पर मजबूर हुए हैं।

आपदा प्रबंधन कानून के प्राविधानों के अंतर्गत सरकार ने 24 मार्च को सभी उद्योगों, दूकानों या वाणिज्यिक संस्थानों के कर्मचारियों को उनके सेवायोजकों द्वारा वेतन देना अनिवार्य कर दिया, भले ही वे लाकडाउन के कारण काम न कर रहे हों। मकान मालिकों से भी कहा गया कि वे अपने श्रमिक-किरायेदारों द्वारा खाली किए परिसरों का किराया न लें। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय के एक आदेशानुसार यह आदेश 18 मई को वापस ले लिया गया और कोई अन्य वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई जिससे प्रवासी श्रमिक और परेशान हो गए। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि गृह मंत्रालय का आदेश संविधान के अनुच्छेद 19-1-जी के अंतर्गत निजी फर्मों के अधिकारों का उल्लंघन है। यह अलग बात है कि वापस लेने के पहले भी इस आदेश के क्रियान्वयन के बजाय इसका उल्लंघन अधिक हुआ था। शायद प्रवासी श्रमिकों का मामला प्रभावी ढंग से अदालत में पेश नहीं किया गया था।

इसके साथ ही इंटरस्टेट माइग्रेंट वर्कमैन रेग्युलेशन आफ इम्प्लायमेंट एंड कंडीशन आफसर्विस एक्ट, 1979 को लागू नहीं किया गया। इस कानून के अंतर्गत आईएसएमडब्लू नियम 1980 में तैयार कर उनकी उद्घोषणा की गई थी। यह कानून लागू करने की जिम्मेदारी संबंधित मुख्य श्रम आयुक्तों की है। शायद उन्होंने स्थिति की भयावहता नहीं समझी और इसी कारण त्वरित कार्रवाई नहीं की। वैसे भी इससे कामगारों का पलायन शुरुआती रूप से ही रोका जा सकता था। वास्तव में दायित्व न निभाने वाले उन अधिकारियों के खिलाफ कुछ कार्रवाई की गई थी जिन्होंने श्रमिकों के आवागमन को सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया था। लेकिन बाद में यह निर्णय उलट दिया गया जिसके कारण उनके सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था के बारे में भ्रम पैदा हो गया। कुछ समय पहले पलायन कर रहे श्रमिकों के पंजीकरण का प्राविधान किया गया, पर यह कुछ स्थानों पर ही लागू हुआ। आईएसएमडब्लू में श्रम विभाग के सामान्य कामकाज में इन पंजीकरणों का प्राविधान है, लेकिन शायद इसकी अनदेखी हुई।

सच है कि अपने मूल रूप में यह कानून प्रवासी श्रमिकों के केवल कुछ वर्गों पर लागू होता है। लेकिन एक छोटे संशोधन से इसे सभी श्रेणियों पर लागू किया जा सकता था। आईएसएमडब्लू की पूरी अनदेखी के कारण ही कामगारों, श्रमिकों, प्रवासियों व प्रशासन के बीच खाई चौड़ी हुई। अर्थव्यवस्था के उदारीकरण तथा श्रम-हितैषी विधायनों के लागू होने के बाद से दिहाड़ी श्रमिकों के बीच अशांति अतीत की बात बन गई थी। लोकप्रिय ट्रिकल-डाउन प्रभाव पूरी तरह दिख रहा था और बड़ी संख्या में लोग करीबी से बाहर निकल सके थे। अब इनमें से कुछ श्रम-हितैषी विधायनों को गुजरात, उत्तर प्रदेश व राजस्थान को छोड़ा जा रहा है तथा निवेशकों को खुश करने के लिए उनमें बड़े परिवर्तन किए जा रहे हैं। वास्तव में उच्च न्यायपालिका ने इन परिवर्तनों पर ध्यान दिया है तथा कामगारों व उनके अधिकारों के संबंध में कुछ महत्वपूर्ण सवाल पूछे हैं। अनुभवों से स्पष्ट है कि यदि कामगार खुश न हों तो अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना आसान नहीं होगा। बदली हुई परिस्थितियों में ट्रेड यूनियनों की भूमिका पर नए सिरे से विचार करना होगा। पिछले दो दशकों में यूनियनें कमोबेश निष्क्रिय रही हैं और अब पुन: सक्रिय हो रही हैं, लेकिन संभवत: यह पूरे उद्योग के लिए शुभ संकेत न हो।

अब तक एक अत्यधिक महत्वपूर्ण सवाल पर बहस नहीं हुई है कि आगे क्या होना चाहिए? आखिर कितने समय तक प्रवासी श्रमिक वर्तमान स्थिति में रह सकते हैं और क्या यह अच्छा है। समाज में कामगारों का चाहे जो स्तर हो, वे शहरी क्षेत्रों में एक निश्चित स्तर की सुविधा प्रदान करते हैं। उनमें से अधिकांश अपने वर्तमान जीवन के आदी हो गए हैं और मूल गांव-कस्बे में वापस लौटने पर उन्हें निश्चित रूप से अच्छा अनुभव नहीं होगा। क्या इसका अर्थ यह है कि पलायन एक अस्थाई अवधारणा है और चीजें थोड़े समय में सामान्य हो जाएंगी? लेकिन अलगाव की वर्तमान भावना को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि कामगार बहुत जल्दी वापस आ जाएंगे और इसके लिए विश्वास बहाली के कुछ उपाय जरूरी होंगे। इसमें कुछ प्रतिगामी कानूनों की समीक्षा शामिल है जो श्रमिकों के हितों के खिलाफ हैं। कामगारों के अलगाव के अनेक लक्षण होते हैं, लेकिन इनमें सबसे बुरा विभिन्न मनुष्यों के बीच पैदा अलगाव है। उनको अपने प्रति समाज के विभिन्न हिस्सों में पैदा संवेदना पूरी तरह समाप्त होते देख कर गहरा धक्का लगा है, जबकि इससे उनको संकट से पार जाने में मदद मिल सकती थी। केवल थोड़े से एनजीओ उनकी सहायता के लिए आगे आए हैं। आमतौर से सरकारी एजेंसियों ने उनको असहाय छोड़ दिया। इससे स्थिति और गंभीर हुई।

सरकार ने मनरेगा की धनराशि में 40,000 करोड़ रुपये का आबंटन बढ़ाया है। यह एक सही निर्णय है। लेकिन इसका प्रभाव सीमित होगा, हालांकि इससे अपने गृह राज्यों में पहुंचे प्रवासी श्रमिकों को तत्कालीन संकट से निपटने में सहायता मिलेगी। हमारे सांसद और विधायक तत्काल राहत उपाय कर सकते थे, लेकिन फंड के अभाव में वे असहाय अनुभव कर रहे हैं जिसे पहले ही दूसरे कामों में लगा दिया गया है। इसके साथ ही राज्य सरकारों के वर्तमान संसाधनों पर भारी दबाव पड़ा है। उनकी कर्ज लेने की क्षमता में और सुधार किया जाना चाहिए। वर्तमान समय में अधिकांश प्रवासी श्रमिक अपने मूल कार्यक्षेत्रों में वापस नहीं लौटेंगे, इसलिए उनको अपने आसपास उपयुक्त स्तर की रोजगार सुविधायें दी जानी चाहिए। स्पष्ट रूप से ग्रामीण विकास व रोजगार पर खर्च खासकर उन जिलों में बढ़ाना होगा जहां अचानक पलायन करने वाले श्रमिकों की बाढ़ आई है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधायें प्रदान करने के 'पूरा' माडल का सुझाव दिया था। इस पर भी विचार किया जा सकता है। वर्तमान समय में राज्य सरकारों की जिम्मेदारी अधिक है क्योंकि उनको न केवल लौट रहे प्रवासी श्रमिकों को चिकित्सा सेवा प्रदान करनी है, बल्कि उनके प्रति संवेदना प्रदर्शित करते हुए उनको भौतिक, मनोवैज्ञानिक व आर्थिक रूप से वर्तमान सामाजिक परिदृश्य में समाहित करने में सहायता करनी है।

रक्षा क्षेत्र की कोरोना से रक्षा आवश्यक

> **"शुक्र है, दुनिया में जो भी मौतें हुई हैं रक्षा समुदाय अभी तक उनसे बचा हुआ है। लेकिन, क्या होगा यदि सैन्य बलों को कोई शत्रु देश निशाना बना ले? या वायरस आतंकियों के हाथों में पड़ जाए?"**

गौतम कुमार झा
(लेखक जेएनयू में सहायक प्रोफेसर हैं)

कोविड-19 जैसी महामारी किसी देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है जो इस त्रासदी से निबटने के लिए तैयार न हो। महामारी का प्रभाव और अधिक गंभीर भी हो सकता हे यदि ऐसे किसी वायरस को नैसर्गिक रूप से नहीं बल्कि किसी देश द्वारा अपने व्यक्तिगत लाभों के लिए जैविक रूप से रूपांतरित करने का प्रयास किया जाता है। कोविड-19 के कारण फैली महामारी समाज में बढ़ते दिखावे के उपभोग का परिणाम है। लगभग प्रत्येक क्षेत्र में हमेशा से बढ़ते मानवीय उपभोग ने ऐसी स्थिति को जन्म दिया है जहां एक नए अभिलंब की परिभाषा कभी रुकती नहीं है।

व्यक्तियों का लोभ उन नए उत्पादों के प्रसार में परिलक्षित होता है जिसका अत्यधिक दृढ़ता के साथ विपणन किया जाना होता है जो अनजाने में विश्व स्तर पर अधिसंख्य उपभोक्ताओं के व्यवहार प्रतिमानों को नियंत्रित करता है। इसका एक प्रमुख कारण है वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं जिन्होंने महाद्वीपों में वस्तुओं और सेवाओं के आवागमन को गति प्रदान की है। रोग संचार का विश्व अर्थव्यवस्था पर प्रभाव व्यापक होता है क्योंकि वैश्विक उत्तर प्राय: उन देशों को उपभोग आउटसोर्स करके सब्सिडीकृत करने का प्रयास करता है जहां श्रम कानून कमजोर होते हैं तथा अर्थव्यवस्थाओं में विनिर्माण की लागत कम होती है। इसलिए कोविड-19 के यूरोप और अमेरिका में फैलने से पहले ही चीन का संकट विश्व का संकट बन गया था।

वर्तमान महामारी ने साबित कर दिया है कि प्रत्येक मानवीय प्रयास पराजित हो जाता है जब सवाल बन जाता है कि प्राकृतिक एवं कृत्रिम पारिस्थितिकीय तंत्रों के बीच संतुलन कैसे किया जाए, यह देखते हुए कि जलवायु प्रकृति में उतार-चढ़ाव बढ़ रहे हैं। सभावित उत्तरों में से एक हो सकता है सदैव बढ़ती आवश्यकताओं, उपभोक्तावाद एवं उत्पादन को कम करना तथा टिकाऊ अवसंरचना स्थापित करना जहां मानव और प्रकृति एक दूसरे के पूरक बन सकें। पिछले चार दशकों से संपूर्ण जगत वैश्वीकरण के मार्ग पर चल रहा था, जहां प्रत्येक देश दूसरे की आवश्यकताओं को समझता था और एक सहजीवी व्यापार प्रणाली स्थापित की गई थी। इसके परिणामस्वरूप गरीबी का उन्मूलन हुआ, स्वास्थ्यरक्षा सुविधाएं बेहतर हुईं, एवं वैश्विक स्तर पर जीवन शैलियां कुछ हद तक बेहतर हुईं। हालांकि, इन विकासीय सूचकांकों को प्राकृतिक संसाधनों की कीमत पर प्राप्त किया गया है। खाद्यान्न की बढ़ती मांग ने खरपतवारनाशकों के प्रचुर मात्रा में उपयोग को बढ़ावा दिया जो अंतत: मानव शरीर में प्रविष्ट हो गए, और घातक बीमारियों का कारण बने।

इसी प्रकार,सुरक्षा एवं प्रतिरक्षा संबंधी उत्पादों की मांगों ने प्रकृति को अत्यधिक नुकसान पहुंचाया, वायु, जल एवं मृदा को प्रभावित किया। हालांकि, चीन में बड़े पैमाने पर उत्पादन ने न केवल वैश्विक समुदाय को प्रभावित किया है बल्कि देश स्वयं वैश्विक लोभ एवं उपभोक्तावाद के नकारात्मक परिणाम झेल रहा है। विश्व बैंक एवं स्काटिश पर्यावरण संरक्षण एजेंसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में प्रतिवर्ष 7,60,000 लोग वायु एवं जल प्रदूषण के कारण समय से पहले ही काल के गाल में समा जाते हैं।

प्रकृति में बढ़ता यह असंतुलन ऐसी त्रासदियां में परिलक्षित हुआ है और उसकी पुनरावृत्ति की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता यदि वैश्विक समुदाय नहीं जागता। इस तथ्य को कोई नकार नहीं सकता कि कोविड-19 वायरस चीन के वूहान प्रांत में जन्मा था और वुहान इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी अधिक खतरनाक रोगाणुओं पर शोध करता है। वूहान में पशुओं तथा समुद्री खाद्यों का एक बड़ा बाजार है। बुश मीट, जिसे सांस्कृतिकपसंद कहा जा सकता है, मनुष्यों के लिए हानिकारक हो सकता है और प्राय: ऐसी महामारियों का स्रोत होता है।

इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता कि चीन ने शुरुआत में संक्रमण के बारे में छिपाया और वायरस की गंभीरता के बारे में विश्व समुदाय को आगाह करने में विफल रहा, इस तथ्य के बावजूद कि उसे पता था कि यह कितना संक्रामक है और वुहान विश्व की कई राजधानियों से जुड़ा हुआ है।

परिणामस्वरूप, अब तक महामारी से 53,32,323 लोग प्रभावित हुए हैं और अब तक 3,40,590 लोग मौत के शिकार हो चुके हैं। यह संख्या कितनी भी बड़ी हो, महामारी के आर्थिक तथा भावनात्मक प्रभाव अगणनीय हैं। वैश्विक स्तर पर लाकडाउन है और वर्तमान विश्व व्यवस्था को खतरे की आशंकाएं एवं भय व्याप्त है। ऐसे समय पर, राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल भी बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। शुक्र है, दुनिया में जो भी मौतें हुई हैं रक्षा समुदाय अभी तक उनसे बचा हुआ है। लेकिन, क्या होगा यदि सैन्य बलों को कोई शत्रु देश निशाना बना ले? या वायरस आतंकियों के हाथों में पड़ जाए? 19 साल पहले अमेरिकी धरती पर हुए 9/11 के हमले ने वैश्विक समुदाय के सुरक्षा ढांचे को पुनर्परिभाषित किया और अभी तक, लगभग हर देश का सुरक्षा प्रारूप आतंकवाद से प्रभावित हुआ है।

कोरोनावायरस के प्रसार से वैश्विक सुरक्षा पर एक बड़ा सवाल खड़ा हुआ है और अब प्रत्येक देश ने अपनी सुरक्षा को पुनर्परिभाषित किया है। 2002 में इराक में जैविक हथियारों की अमेरिका द्वारा तलाश तथा आगे के परिणाम 1962 से 1981 तक इराक के महाविनाया के हथियारों के कार्यक्रम पर आधारित थे, जिनका उद्देश्य ईरान, कुर्दों एवं अन्यों पर हमले करना था। पश्चिम तथा सोवियत संघ आदि के बीच जैविक जासूसी होती रहती थी।

इस तरह, अधिकतर विश्व संजालों पर कोरोनावायरस के संक्रमणकारी प्रभाव को देखते हुए, गुट निरपेक्ष आंदोलन जैसी निर्वाचनकारी शक्ति को पुन: बहाल करने की आवश्यकता है तथा संयुक्त राष्ट्र संगठन को बल प्रदाने करने एवं विश्वव्यापी स्तर पर सुरक्षा को पुन: वर्गीकृत किए जाने की जरूरत है।

आप की बात

बेबस मजदूर

सोशल मीडिया पर किसी के भेजे एक न्यूज चैनल की एक छोटी सी क्लिप देख रहा था। वह न्यूज एंकर लखनऊ शहर के उन बेसहारा, भूख से तड़पते मजदूरों को लाइव दिखा रहा था,जो अपने प्रधानमंत्री जी द्वारा बिजली की भांति तेजी से और अचानक किए गए लॉकडाउन में अपने अन्य साथी मजदूरों की तरह गांव नहीं जा पाए थे, क्योंकि वे इस उम्मीद में थे कि सरकार उनके लिए भी कुछ न कुछ अवश्य सोचेगी, करेगी। परन्तु अब लॉकडाउन बढ़ने के साथ-साथ उनकी हालत अत्यंत तेजी से खराब होती जा रही है,अब भूखे मरने जैसी स्थिति का वे सामना कर रहे हैं। अब वे किसी पुल के नीचे या किसी पेड़ की छाया में इस उम्मीद में बैठे रहते हैं कि कोई खाना दे जाय,कहीं से खाना मिल ही जाय तो खुद के साथ अपने भूख से बेहाल अपने बच्चों को भी खिलाएं। पत्रकार जब पूछता है कि रोज नियमित रूप से यहां खाना मिल जाता है? इस पर एक अधेड़ उम्र का मजदूर अपनी गीली हो गई आंखों को पोंछता हुआ, बताता है कि बाबू साहेब! शुरू के दिनों में दिन में तीन बार तक खाना लोग दे जाते थे,परन्तु अब दिन में एक बार शाम को ही खाना मिलत है! वह आंसुओं से सराबोर आंखों से केवल देखता रह जाता है।

– **निर्मल के शर्मा**, गाजियाबाद

देश के लिए दुआ मांगें

दुनिया में कई धर्मों को मानने वाले लोग हैं और सभी धर्मों में व्रत या उपवास रखने के अपने तौर तरीके हैं। उसी में रमजान माह का इस्लाम में अपना अलग महत्व है। साल के बारह महीनों में एक महीना रमजान का आता है जिसे मुस्लिम समुदाय के लोग बड़े हर्षोल्लास एवं पवित्रता के साथ मनाते हैं। रमजान में भूखा प्यासा रहना ही रोज़ा नहीं है, माह-ए -रमजान सिखाता है कि किस तरह से हम बुराइयों से अच्छाई की राह पर जीना सुनिश्चित करें, कैसे अपनी ज्ञानेन्द्रियों-इन्द्रियों पर भी अंकुश करें, कैसे कान, आंख व विचारों को केंद्रित करें। कहते हैं कि रमजान माह में अल्लाह से मांगी गई सभी दुआएं वो कबूल करता है, ऐसे में हम सभी को दुआ करनी चाहिए कि ऊपर वाला हमारे देश को केवल कोरोना संक्रमण से ही नहीं बल्कि सभी समस्याओं से दूर करे। पूरा विश्व वैश्विक महामारी की चपेट में त्राहि त्राहि कर रहा है जिसकी भयावहता हम देख सकते हैं, विश्व युद्धों से भी अधिक भयंकर है तो ऐसे संकट काल में लॉकडाउन का पालन करते हुए अपने घरों से ही इबादत करें और जाति धर्म के दलदल से निकलकर हम सभी को अपने अपने स्तर से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की मदद करनी चाहिए।

– **अभिनंदन भाई पटेल**, लखनऊ

अत्यंत निन्दनीय

यह समाचार बहुत ही निंदनीय व पीड़ादायक है कि गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने अपने दोस्त की कंपनी से घटिया व कामचलाऊ वेंटिलेटर खरीदें जो उपयोगिता की दृष्टि से खरे नहीं उतरते हैं। विरोध होता देख यह सौदा रद्द कर दिया है । यह कितना क्रूर मजाक है की, जिस जनता के बल पर सत्ता में आए हैं, उस जनता को हाशिए पर धकेलते हुए, अपने दोस्त की राजकोट कंपनी को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए आम जनता की जान से समझौता किया जा रहा है। गुजरात के लगभग सभी अखबारों ने इस खबर को प्रमुखता से छाप कर आदर्श गुजरात मॉडल को उजागर किया है। कोरोना महामारी किसी को बख्श नहीं रही है, ना ही कोई उसका माकूल तोड़ मिल रहा है, ऐसे में दूसरी तरफ कोरोना जैसे महामारी में घटिया मास्क व संबंधित सामग्री खरीदी जा रही है, मजदूरों से दलाली खाई जा रही है, घटिया व बेकार वेंटीलेटर खरीदे जा रहे हैं। कितना क्रूर मजाक है! जनता के वोट से राज करने वालों को आखिर शर्म क्यों नहीं आती ऐसे घटिया काम करने से!

– **हेमा हरि उपाध्याय**, उज्जैन

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

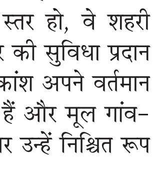

"**केवल** नाम का सत्य न कि काम का। सत्यपाल मलिक झूठ बोलते कभी नहीं थकते। उन्होंने 5 अगस्त से पहले जम्मू-कश्मीर की जनता से झूठ बोला था।

– **उमर अब्दुल्ला**
नेशनल कान्फ्रेंस नेता

हम जमाल खाशोगी के पुत्र रमज़ान के इस पाक महीने के दौरान हम उन लोगों को माफ करते हैं जिन्होंने हमारे पिता की हत्या की थी।

– **सलाह खाशोगी**
जमाल खाशोगी के पुत्र

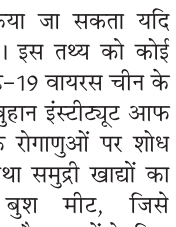

उनके द्वारा घात लगाकर की गई हत्या की कोई अवधि संविधि नहीं है और जमाल के हत्यारों को को माफ करने का किसी को अधिकार नहीं है।

– **हातिस सेंगिज़**
जमाल खाशोगी की मंगेतर"

तीन नये विश्वविद्यालयों का निर्माण कार्य शुरू कराएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में तीन नये विश्वविद्यालयों की स्थापना के कार्यो में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि भूमि की व्यवस्था करके आगे की कार्यवाही तेजी से आगे बढ़ायी जाए, जिससे इन विश्वविद्यालयों का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा सके। प्रदेश में प्रस्तावित नये विश्वविद्यालयों में राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़, राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ तथा राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय अलीगढ़ हेतु निःशुल्क भूमि उपलब्ध हो चुकी है जबकि दो विश्वविद्यालयों के लिये जमीन की अभी जरूरत है। प्रत्येक विश्वविद्यालय के लिए 50 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राज्य विश्वविद्यालय आजमगढ़ के लिए उपलब्ध 38 एकड़ के अतिरिक्त अन्य 12 एकड़ भूमि की व्यवस्था शीघ्र की जाए। इसी प्रकार राज्य विश्वविद्यालय सहारनपुर के लिए उपयुक्त भूमि का चयन शीघ्र किया जाए। उन्होंने कहा कि भूमि की व्यवस्था के बाद निर्माण कार्यों में तेजी लायी जाए, जिससे शीघ्र ही शैक्षणिक सत्र प्रारम्भ किया जा सके। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा, मुख्य सचिव आरके तिवारी, अपर मुख्य सचिव वित्त संजीव मित्तल, अपर मुख्य सचिव राजस्व रेणुका कुमार, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा मोनिका गर्ग, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल तथा सचिव मुख्यमंत्री आलोक कुमार उपस्थित थे।

2234 सिद्ध दोष बंदियों की विशेष पैरोल आठ सप्ताह और बढ़ाई गई

लखनऊ। क्षमता से अधिक कैदियों का बोझ उठा रही यूपी की जेलों में स्थिति नियंत्रित रखने के लिए योगी सरकार ने जेलों से रिहा किए बंदियों में विशेष पैरोल पर छोड़े गए 2234 सिद्ध दोष बंदियों की पैरोल अवधि 8 सप्ताह के लिए और बढ़ा दी है। माना जा रहा है कि विचाराधीन बंदियों की जमानत अवधि की मियाद बढ़ाए जाने का निर्णय भी जल्द लिया जा सकता है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशों में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जेल में बंद कैदियों को 8 सप्ताह की पैरोलध् अंतरिम जमानत पर रिहा किया गया था। सरकार ने इनमें से विशेष पैरोल पर छोड़े गए 2234 सिद्धदोष कैदियों की पैरोल सीमा 8 सप्ताह के लिए और बढ़ा दी गई है। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष की अगुवाई में गठित तीन सदस्यीय समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि जेलों में कोरोना संक्रमण के चलते सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक रिट याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने 23 मार्च को स्वतः संज्ञान लिया था और जेलों में भीड़ भाड़ कम करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को एक कमेटी बनाकर 7 साल से कम सजा वाले बंदियों को जमानत और पैरोल पर छोड़ने के निर्देश दिए थे।

श्रमिकों के कौशल से यूपी को बनाएंगे उत्तम प्रदेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि कुशल श्रमिकों के कौशल और हुनर का सदुपयोग करके हम उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में कामयाब होंगे। इस लिए राज्य में छोटे-छोटे पुलों, पुलियों व ग्रामीण सम्पर्क मार्गों के निर्माण को प्राथमिकता दी जाय, जिससे श्रमिकों को लाभान्वित किया जा सके। उन्होने कहा कि पुलों व पुलियों के निर्माण से लाखों लोगों को अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचने में आसानी होती है और उन्हे लम्बा रास्ता नहीं तय करना पड़ता है। श्री मौर्य मंगलवार को लोक निर्माण विभाग के कमान सेंटर में वेबिनार के जरिये आयोजित राज्य सड़क निधि प्रबन्धन समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस मौके पर समिति द्वारा वर्ष 2020-21 के लिये राज्य सड़क निधि के तहत रुपए 3000 करोड़ के प्रस्तावित व्यय का अनुमोदन किया गया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पुल, पुलियों व सम्पर्क मार्गों आदि के सभी कार्य अपरिहार्य हैं, ये कार्य हर हाल में होने ही चाहिए, उन्होंने जोर देते हुये कहा कि वर्षा से पहले-पहले ज्यादा से ज्यादा निर्माण कार्य पूर्ण करा लिये जायं, धनराशि का उपयोग समय से किया जाना सुनिश्चित किया जाय, धनराशि का व्यय समय से न होने पर सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

उन्होने जोर देते हुये कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को काम देना है। श्री मौर्य ने कहा कि केवल श्रमिकों को ही नहीं बल्कि किसी कार्य विशेष में दक्ष व विशेषज्ञ लोगों को भी काम देना है। केशव प्रसाद मौर्य ने समिति के सदस्यों से सड़कों और पुलों तथा भवनों के निर्माण में सुझाव लेते हुये कहा कि हमें निर्माण कार्यों में ऐसी टेक्नालॉजी का प्रयोग करना है जो सस्ती व शुलभ हो, समिति के लोग इस बारे में भी अपने उपयोगी सुझाव दें। समिति के कई सदस्यों द्वारा रखे गये प्रस्तावों का अनुमोदन भी किया गया। बैठक में राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग नितिन रमेश गोकर्ण ने भी महत्वपूर्ण विचार रखे। वेबिनार के जरिये उप्र मोटर ट्रांसपोर्ट के मनोज कटारिया (सांसद आंवला), धमेन्द्र कश्यप, विधायक विनोद कटियार,विधायक मनीषा अनुरागी, हमीरपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष जयन्ती राजपुत, फतेहपुर की जिला पंचायत अध्यक्ष निवेदिता सिंह, प्रमुख सचिव औद्योगिक विकास आलोक कुमार ने भी वेबिनार के जरिये अपने सुझाव रखे।

जौनपुर, एटा व फतेहपुर में ओएसडी तैनात

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रिटायरमेंट के करीब पहुंच चुके 3 जनपदों के सीएमओ के कार्यकाल को देखते हुए राज्य सरकार की तरफ से जौनपुर, एटा, फतेहपुर में ओएसडी की तैनाती की गई है। जिससे कोविड.19 को लेकर चल रहे अभियान पर किसी तरह का प्रभाव ना पड़े। सीएमओ के रिटायर होने के पश्चात नियुक्त ओएसडी सीएमओ की जगह लेंगे। राज्य सरकार की तरफ से बलरामपुर चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता पद पर तैनात डॉ राकेश कुमार को जौनपुर का ओएसडी बनाकर भेजा गया है। जौनपुर में तैनात सीएमओ डॉ राम जी पांडे 30 जून को रिटायर हो रहे हैं। इसी तरह मुजफ्फरनगर जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ अरविंद कुमार गर्ग को ओएसडी एटा के पद पर भेजा गया है। यहां पर तैनात सीएमओ डॉ अजय अग्रवाल 31 जुलाई को रिटायर होंगे। संयुक्त निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बरेली मंडल डॉ सूर्य प्रकाश अग्रवाल को फतेहपुर के ओएसडी के पद पर तैनात किया गया है। यहां पर डॉ सूर्य प्रकाश वर्तमान सीएमओ डॉ उमाकांत पांडे की जगह लेंगे। डॉक्टर उमाकांत पांडे 31 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं।

पांच अन्य चिकित्सा अधिकारियों के तबादले

शासन स्तर पर पांच अन्य चिकित्सा अधिकारियों के स्थानांतरण किए गए हैं। इनमें जिला संयुक्त चिकित्सालय सिद्धार्थनगर के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ रोज स्मति पांडे को जिला चिकित्सालय बस्ती में वरिष्ठ परामर्शदाता पद पर तैनात किया गया है। बाराबंकी जिला चिकित्सालय के वरिष्ठ परामर्शदाता डॉक्टर संजीव कुमार वर्मा को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला संयुक्त चिकित्सालय सिद्धार्थनगर के पद पर भेजा गया है। इसी तरह जिला चिकित्सालय गाजियाबाद के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ रविंद्र सिंह को जिला चिकित्सालय एटा में वरिष्ठ परामर्शदाता के तौर पर भेजा गया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा, गौतम बुद्ध नगर डॉ अनुराग भार्गव को जिला चिकित्सालय गाजियाबाद का सीएमएस बनाया गया है। कांशी राम संयुक्त चिकित्सालय कानपुर में वरिष्ठ परामर्शदाता के पद पर तैनात डॉक्टर शुभ्रांशु कुमार शुक्ला को मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मेडिकल कॉलेज कानपुर के पद पर भेजा गया है।

टिड्डियों के हमले को लेकर जिलों को किया गया हाई अलर्ट

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार ने टिड्डी दलों से फसलों की सुरक्षा के लिए महोबा, बाँदा एवं चित्रकूट को हाई अलर्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही हमीरपुर, प्रयागराज, फतेहपुर जनपदो को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश सरकार के मुताबिक मंगलवार की सायं 5 बजे तक प्राप्त सूचना के अनुसार एक टिड्डी दल मध्य प्रदेश के पन्ना से आगे बढ़ रहा है जो कि उत्तर प्रदेश में प्रवेश करने की स्थिति में है। कृषि विभाग के अधिकारियों के मुताबिक एक अन्य टिड्डी दल मध्य प्रदेश के मुरैना से आगे बढ़ रहा है, जो हवा की दिशा के अनुसार आगरा की तरफ काफी तेजी से बढ़ रहा है। अतः इस टिड्डी दल से जनपद आगरा, मथुरा को हाई अलर्ट एवं इटावा, फिरोजाबाद को सतर्क रहने की आवश्यकता है। जबकि एक अन्य टिड्डी दल राजस्थान के हिन्डौन सिटी से 5 किमी दूर मध्य प्रदेश की दिशा में उड़ने की सूचना है। जिसके हिन्डौन सिटी के आसपास ठहराव या मध्य प्रदेश की तरफ जाने की सम्भावना है। टिड्डियों के एक अन्य छोटे दल के मध्य प्रदेश के विजयपुर से मुरैना पहुंचने की सूचना प्राप्त हुई है।

खादी से 145528 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रमुख सचिव खादी एवं ग्रामोद्योग डा नवनीत सहगल ने बताया कि खादी एवं ग्रामोद्योग की विभिन्न योजनाओं के तहत 145528 लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री माटी कला कार्यक्रम को और प्रभावी बनाने की व्यवस्था की गई है। राज्य के 09 मण्डलों में 2700 माइक्रो माटीकला कॉमन फैसेलिटी सेंटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया हैए इन केन्द्रों के संचालन के उपरांत 10500 लोगों को रोजगार के अवसर सुलभ हो सकेंगे।

डा सहगल ने बताया कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत 2572 इकाइयों की स्थापना से 20576 लोगों को रोजगार से जोड़ा जायेगा। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग

रोजगार योजना के अन्तर्गत 800 इकाइयों की स्थापना का लक्ष्य है, जिसमें 16000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसी प्रकार सोलर चर्खा वितरण और प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 1000 व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि पं. दीन दयाल उपाध्याय खादी विपणन सहायता कार्यक्रम के माध्यम से 50 हजार लोगों को रोजगार के अवसर सुलभ कराये जायेंगे। प्रमुख सचिव के अनुसार टूलकिट योजना के तहत स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक 1200 लोगों को टूलकिट देने के साथ ही उन्हें प्रशिक्षण भी प्रदान किया जायेगा। प्रदेश में 300 लाभार्थियों को हनी मिशन के तहत प्रशिक्षण देने का प्राविधान किया गया है।

प्रदेश में संचालित कंबल कारखानों की क्षमता में वृद्धि कराते 300 अतिरिक्त लोगों को रोजगार के अवसर दिये जायेंगें। जनपद जालौन के कालपी में हाथ कागज केन्द्र का संचालन आगामी जून माह से प्रारम्भ करने की सभी औपचारिकताएं पूर्ण की जा चुकी हैं, इस केन्द्र के संचालन से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 3075 नवयुवकोंध्महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए खादी उत्पादन केन्द्रों का सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। साथ ही अन्य विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर 42497 लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जायेगा।

कांग्रेस सेवा दल ने की लल्लू की रिहाई की मांग

लखनऊ। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश कांग्रेस सेवादल के आवाहन पर पूरे प्रदेश के जिला शहरों में सेवादल स्वयंसेवकों द्वारा सांकेतिक उपवास एवं धरना आयोजित करके प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को शीघ्र रिहा करने की मांग की गयी। उपवास एवं धरने के उपरान्त राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन प्रेषित किया गया। सेवादल के स्वयंसेवकों ने सांकेतिक उपवास एवं धरना देकर राज्यपाल से मांग की है कि लल्लू पर दर्ज फर्जी मुकदमें को वापस लेकर तत्काल उन्हें ससम्मान रिहा किया जाए। लखनऊ में आयोजित उपवास एवं धरना में श्यामकिशोर शुक्ल पूर्व विधायक, प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह, प्रभाकर मिश्रा, संजीव सिंह, राजेन्द्र भदौरिया, राजमणि शुक्ला, जीवन श्रीवास्तव, राकेश तिवारी, आलेख पाण्डेय, मो. रईस, मो. लईक आदि ने भाग लिया।

टेस्टिंग व संक्रमण के आंकड़े जनता से साझा करे सरकारः प्रियंका गांधी

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने कोरोना से पीड़ित लोगों का आंकड़ा छुपाने का आरोप लगाते हुए यूपी सरकार पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि टेस्टिंग, संक्रमण और इससे निपटने के आंकड़े सरकार को जनता से साझा करने चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एक वीडियो के साथ ट्वीट कर कहा कि उप्र के मुख्यमंत्री का यह बयान सुना। सरकार के आंकड़ों के अनुसार लगभग 25 लाख लोग यूपी वापस आ चुके हैं। मुख्यमंत्री के बयान के आधार पर इनमें से महाराष्ट्र से लौटे हुए 75 फीसदी, दिल्ली से लौटे हुए 50 फीसदी और अन्य प्रदेशों से लौटे 25 फीसदी लोग कोरोना से संक्रमित हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि ऐसा है तो इतने कम टेस्ट क्यों हो रहे हैं, क्या मुख्यमंत्री का मतलब है कि उप्र में 10 लाख से अधिक लोग कोरोना से संक्रमित हैं, मगर उनकी सरकार के आंकड़े तो संक्रमण की संख्या 6228 बता रहे हैं। कांग्रेस महासचिव ने पूछा है कि उनके द्वारा बताए गए संक्रमण के आंकड़े का आधार क्या है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के बयान में सच्चाई है तो सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ टेस्टिंग, संक्रमण के डेटा और अन्य तैयारियों को जनता से साझा करें और यह भी बताए कि संक्रमण पर क़ाबू पाने की क्या तैयारी है।

डॉ. एपी चतुर्वेदी बने गौतमबुद्धनगर के कोविड 19 के नोडल अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एपी चतुर्वेदी को गौतमबुद्धनगर में कोविड.19 का नोडल अधिकारी नियुक्त करते हुए गौतमबुद्धनगर सम्बद्ध कर दिया गया है। डॉ चतुर्वेदी अपने मूलपद राज्य प्रतिरक्षण अधिकारी परिवार कल्याण उप्र लखनऊ के पद पर भी बने रहेंगे। मंगलवार को यह जानकारी देते हुए सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य वी हेकाली झिमोमी ने बताया कि डॉ चतुर्वेदी से मुख्य चिकित्साधिकारी गौतमबुद्धनगर अधिष्ठान का वित्तीय प्रभार हटाते हुए पद का प्रभार यथावत बनाए रखा गया है।

शिक्षकों भर्ती में आरक्षण नियमावली का कठोरता से पालन होः शिवपाल

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष व पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने राज्य सरकार से मांग की है कि प्रदेश में प्राथमिक शिक्षा विभाग में हो रही 69000 प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती में आरक्षण नियमावली का कठोरता से पालन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार सामान्य वर्ग के लिए 65 प्रतिशत तथा पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 60 प्रतिशत प्राप्तांक के आधार पर शिक्षा विभाग द्वारा 69000 पदों पर अंतिम रूप से मेरिट के आधार पर आरक्षण नियमों का पालन करते हुए चयन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी चयन प्रक्रिया अभ्यर्थियों के लिए सुलभ, पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। इसके साथ ही क्योंकि भर्ती प्रक्रिया को शुरू हुए 2 वर्ष बीत चुके हैं, बहुत से अभ्यर्थियों के फोन नंबर, पते ईमेल आदि बदल गए हैं, ऐसे में उन्हें अपनी अद्यतन जानकारी के संशोधन का अवसर भी दिया जाना चाहिए।

वास्तविक राहत देने की जगह हवाई रोजगार पैदा करने पर ही जोर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि जहां एक तरफ विस्थापित श्रमिकों और बेरोजगार नौजवानों के सामने भविष्य की चिंता है, वहीं किसानों की बदहाली ने खेती के सामने संकट पैदा कर दिया है। इस संकट के लिए भाजपा की डबल इंजन की सरकारें जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि कोरोना संकट और लॉकडाउन की मार सर्वाधिक किसानों पर पड़ी है। टीम इलेवन और भाजपा मंत्रिमण्डल की बैठकों में किसानों को वास्तविक राहत देने के उपायों पर सोच विचार की जगह हवाई रोजगार पैदा करने पर ही जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री किसानों की समस्याओं पर गौर करना नहीं चाहते हैं। कारण स्पष्ट है कि भाजपा का किसानों के हितों से कभी कोई लेना-देना नहीं रहा है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है कि सरकार किसानों की गरिमा को

गिरवी न होने दे। किसान अन्नदाता है, भिखारी नहीं। लॉकडाउन पीरियड में फसलों के दाम गिरने से किसानों की बदहाली में बहुत इजाफा हुआ है। भाजपा सरकार अब उस पर रहम करे और बीज, खाद, उपकरण, कीटनाशक आदि सस्ते दाम पर उपलब्ध कराएं। भण्डारण, संरक्षण की उचित व्यवस्था हो। ब्याज पर कर्ज की व्यवस्था समाप्त हो। किसानों को तत्काल कार्यपूंजी देने का इंतजाम हो। 5 एकड़ से कम जोत वाले किसानों पर भारी कर्ज हो गया है उन्हें और कर्ज नहीं नगद आर्थिक मदद की जाए। किसानों की जेबें खाली है। उन्हें हजार दो हजार रूपया महीना देना मजाक है। कृषि का निर्यात 2.6 लाख करोड़ ही है।

सीएम के बयान पर अधिकारियों से होना चाहिए जवाब-तलबः राम गोविंद

लखनऊ। नेता प्रतिपक्ष उत्तर प्रदेश रामगोविंद चौधरी ने कहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के उस बयान को जिसके आधार पर उत्तर प्रदेश में कोरोना संक्रमितों की संख्या तकरीबन दस लाख हो जाती है, गम्भीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा है कि इसके लिए मुख्यमन्त्री योगी आदित्य नाथ दोषी नहीं है क्योंकि उनके अफसरों ने जो उन्हें लिखकर दिया। इसलिए उनके इस बयान के लिए जवाब तलब अफसरों से होना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश की गरिमा को गिराने वाले इस बयान को लेकर उन अफसरों के खिलाफ कड़ी करवाई होनी चाहिए जो मुख्यमन्त्री को पढ़ने के लिए यह प्रेसनोट बनाए। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि देश और प्रदेश की भाजपा सरकारें सभी मोर्चे पर फेल हैं। इसकी वजह से 6 साल में ही देश फिर 1947 वाली स्थिति में पहुंच गया है। अब इनके पास एक ही काम है जनता को भ्रमित करना। नेता प्रतिपक्ष रामगोविन्द चौधरी ने कहा है कि कानून व्यवस्था को लेकर उत्तर प्रदेश की स्थिति सर्वाधिक खराब है।

दलित-पिछड़ा विरोधी मानसिकता से काम कर रही सरकारः पुनिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने योगी आदित्यनाथ की सरकार के ऊपर कोरोना जैसे महामारी से संक्रमित लोगों के भ्रामक आंकड़े और सामाजिक वैमनस्य फैलाने का आरोप लगाया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी पीएल पुनिया और उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधायक दल नेता आराधना मिश्रा मोना ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय पर आयोजित प्रस्थान संसद में संयुक्त रूप से कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को गरीब श्रमिकों की सेवा करने की सजा मिल रही है। उनसे किसी को मिलने नहीं दिया जा रहा है। योगी सरकार हमारे नेता के साथ अन्याय कर रही है, यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुनिया ने कहा कि पिछले दिन योगी आदित्यनाथ ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत करते हुए बताया कि महाराष्ट्र से आने वाले, दिल्ली से आने वाले कामगार कोरोना से ज्यादातर संक्रमित हैं। पुनिया ने कहा कि मुख्यमंत्री के इस बयान से सामाजिक वैमनस्यता फैलेगी क्योंकि जो लोग बाहर से आये हैं। जो मजदूर और प्रवासी लोग हैं उनमें से ज्यादा लोग दलित और पिछड़े समाज से आते हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान से लोगों के बीच यह संदेश गया है कि जो लोग बाहर से आये हैं वही बीमारी लेकर आएं हैं।

संक्रमण से बचने के लिए प्रोटोकॉल का उल्लंघन न करें स्वास्थ्यकर्मी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- सरकारी चिकित्सा कर्मियों की नियमित होगी थर्मल स्क्रीनिंगः अमित मोहन

कोरोना महामारी के दौर में इलाज करने वाले सरकारी चिकित्सालयों के चिकित्सा कर्मियों के कोरोना संक्रमित पाए जाने पर प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन ने एक आदेश जारी कर प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि इनफेक्शन प्रीवेंशन एंड कंट्रोल प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल इनफेक्शन कंट्रोल कमिटी गठित की गई है। इसके बावजूद उच्च चिकित्सालयों में प्रोटोकाल का उल्लंघन हो रहा है। जिससे स्वास्थ्य कर्मियों एवं मरीजों के संक्रमित होने की आशंका है। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन ने सभी सीएमओ सहित सीएमएस को आदेश जारी कर कहा है कि सरकारी चिकित्सालयों में प्रोटोकॉल की पालन का कार्य जनपद स्तर पर गठित हॉस्पिटल इनफेक्शन कंट्रोल कमिटी मानिटरिंग करेगी। प्रमुख सचिव स्वास्थ्य की तरफ से जारी आदेश में कहा गया है कि चिकित्सालय के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों को समुचित पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट उपलब्ध कराया जाए। साथ ही संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए ट्रेनिंग कराई जाए एवं कोविड 19 के सामान्य लक्षण प्रकट होने पर त्वरित रिपोर्टिंग हेतु निर्देशित किया जाए।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य ने अपने आदेश में कहा है कि प्रोटोकाल के उल्लंघन की स्थिति में हॉस्पिटल इनफेक्शन कंट्रोल कमेटी स्वास्थ्य कर्मियों को दो श्रेणी में बांटा जाएगा। इसमें हाई रिस्क एवं लो रिस्क में कर्मचारियों को शामिल किया जाएगा। जांच के दौरान नेगेटिव पाए जाने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को 14 दिन की होम क्वॉरेंटाइन पर रखा जाएगा। इसके बाद ही उन कर्मचारियों को ड्यूटी पर तैनात किया जाएगा।

विदेश से आने वाले नागरिकों के क्वेरंटाइन संबंधी नियमों में बदलाव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विदेश से आने वाले नागरिकों के क्वारंटाइन संबंधी नियमों में बदलाव किया है। विदेश से आने वाले नागिरिकों को अब क्वारंटाइन के लिए निर्धारित 14 दिनों में से 7 दिन संस्थागत क्वारंटाइन में अपने खर्चे पर रहना होगा। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इस संबंध में आदेश जारी किया। जारी आदेशों में कहा गया है कि विदेशों से आने वाले व्यक्तियों के आगमन से पूर्व उनसे एक सहमति पत्र लिया जाना अनिवार्य होगा। इसमें क्वारंटाइन के लिए निर्धारित 14 दिनों में से 7 दिन संस्थागत क्वारंटाइन अपने खर्चे पर और 7 दिन आइसोलेशन अपने घर पर स्वास्थ्य की स्व निगरानी में रहने के दिशा-निर्देश हैं। आदेश में कहा गया है कि अपवाद स्वरूप केवल विशेष परिस्थितियों में 14 दिन होम क्वारंटाइन में रहने की अनुमति दी जाएगी। मानव संकट, गर्भावस्था, परिवार में मृत्यु की दशा, गंभीर बीमारी और 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के साथ माता-पिता होने की दशा में यह अनुमति दी जाएगी।

लॉकडाउन के उल्लंघन में अब तक 57897 के खिलाफ दर्ज हुई एफआईआर

लखनऊ। डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी के निर्देश पर पुलिस ने लॉकडाउन के दौरान अब तक की गई कार्रवाई में 57897 लोगों के खिलाफ धारा 188 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। प्रदेश में अब तक 4790998 वाहनों की सघन चेकिंग में 46012 वाहन सीज किये गये। चेकिंग अभियान के दौरान 218053331 रुपए का शमन शुल्क वसूल किया गया। आवश्यक सेवाओं के लिए कुल 264222 वाहनों के परमिट जारी किये गये हैं। कालाबाजारी एवं जमाखोरी करने वाले 846 लोगों के खिलाफ 653 एफआईआर दर्ज करते हुए 306 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि प्रदेश के 1009 हॉटस्पॉट क्षेत्र के 533 थानान्तर्गत 848065 मकान चिन्हित किये गये। इनमें 4895090 लोगों को चिन्हित किया गया है। इन हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कोरोना पॉजिटिव पाये गये लोगों की संख्या 2488 है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार फेक न्यूज पर कड़ाई से नजर रख रही है। फेक न्यूज के तहत अब तक 1205 मामलों का संज्ञान में लेते हुए साइबर सेल को सूचित किया गया है।

पांच करोड़ लोगों तक नमो टिफिन व नमो किट का किया गया वितरण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कोरोना संक्रमण के कारण आई वैश्विक आपदा के समय मानवता की सेवा के लिए जुटे पार्टी कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा की कार्य संस्कृति के अनुरूप ही पार्टी कार्यकर्ताओं ने सेवा-कार्य का अभूतपूर्व उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कार्यकर्ताओं का सेवा के प्रति समर्पण का ही भाव था जिसके कारण प्रदेश में लगभग पौने पांच करोड़ गरीब जरूरतमंद लोगों को नमो टिफिन व नमो किट के माध्यम से भोजन-राशन उपलब्ध कराया जा सका। चाहे कोरोना वारिर्यस का सम्मान हो या कोरोना से बचाव के लिए मॉस्क उपलब्ध कराना हो या आरोग्य सेतु एप्स इंस्टाल कराना हो प्रत्येक सेवा कार्य को अपना कर्तव्य मानकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कार्य किया है। स्वतंत्र देव सिंह ने पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल की मौजूदगी में पार्टी पदाधिकारियों एवं जिलाध्यक्षों के साथ प्रदेश में चलाए जा गए सेवा अभियान की विस्तृत समीक्षा की। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी के लगभग 10 लाख कार्यकर्ताओं ने वैविश्क आपदा के बीच प्रयास करके 60 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि पीएम केयर फंड में जमा कराई। पिछले दस दिनों में उत्तर प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं ने 200 से अधिक केन्द्रो पर अभियान चलाकर 11 लाख 33 हजार से अधिक प्रवासी श्रमिकों को भोजन उपलब्ध कराया। कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जिनके पास मॉस्क नहीं थे ऐसे 2 लाख 17 हजार से अधिक प्रवासी श्रमिकों को मॉस्क उपलब्ध कराया जबकि 50 हजार से अधिक जरूरतमंदो को पहनने के लिए चप्पल भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपलब्ध कराये।

संगठन भी मोदी की स्थानीय और स्वदेशी उत्पाद मुहिम को करेगा तेज

- 30 मई को केंद्र सरकार के एक साल पूरे होने पर बीजेपी ने यूपी के लिए बनाया विस्तृत प्लान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

केंद्र में बीजेपी सरकार की दूसरी पारी का एक साल 30 मई को पूरा होने जा रहा है। कोरोना महामारी के चलते केंद्रीय नेतृत्व कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं करेगा लेकिन स्थानीय और स्वदेशी उत्पाद को अपनाने के लिए पूरे देश में मुहिम चलाई जाएगी। अभी तक योगी सरकार इस दिशा में काम तो कर रही थी लेकिन अब संगठन भी इस मुहिम में कार्यक्रम आयोजित करेगा। उप्र के परिपेक्ष्य को लेकर संगठन ने विस्तृत प्लान तैयार किया है। अगले 15 जून तक पार्टी यूपी में स्वदेशी को बढ़ाने और स्थानीय उत्पादों को अपनाने के लिए जोर देगा ताकि देश आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने। इस अभियान का मुख्य मकसद होगा कि देश और प्रदेश की चीन निर्मित उत्पादों पर निर्भर रहने की लत को खत्म किया जा सके।

दरअसल कोरोना ने वैश्विक स्तर पर बहुत गंभीर रूप से आर्थिक चोट पहुंचाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में आत्मनिर्भर रहने के साथ-साथ स्वदेशी पर जोर दिया है। प्रदेश की योगी सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। केंद्र के आर्थिक पैकेज के जरिए यूपी की एमएसएमई इकाई को लोन दिया गया है। यह प्रक्रिया अभी भी चल रही है। अब जब केंद्र सरकार का एक साल पूरा हो रहा है तो कोई कार्यक्रम करने के बजाए संगठन प्रदेश में मोदी की इस मुहिम को आगे बढ़ाने का काम करेगा। इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को टास्क सौंपा है। इस टास्क के बाद स्वतंत्र देव सिंह और यूपी के संगठन महामंत्री सुनील बंसल इस कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

इसके लिए संगठन ने दो बिन्दु चिन्हित किए हैं जिस पर पार्टी कार्यकर्ता काम करेंगे। पहला जिसमें सरकार की मुख्य उपलब्धियां रहेंगी जैसे तीन तलाक को समाप्त करने के लिए कानून बनाना, धारा 370 को निरस्त करना, लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाना, अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करना, शरणार्थियों के लिए नागरिक संशोधन कानून बनाना। दूसरा आत्मनिर्भर भारत के विषय तथा कोविड-19 से प्रभावी तरीके से लड़ने का संकल्प पार्टी कार्यकर्ता लेंगे। पार्टी इस बिन्दु को मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाएगी।

कोरोना के बीच बीजेपी करेगी डिजिटल संपर्क

कोरोना महामारी के बीच जहां सोशल डिस्टेंसिंग पूरा फोकस किया जा रहा है तो संगठन डिजिटल ही अपने कार्यकर्ताओ से संपर्क करेगी। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा फेस बुक के जरिए लोगों से जुड़ेंगे, प्रत्येक बूथ पर व्हाट्सप समूह बनाया जाएगा। 27 से 29 मई तक विशेष अभियान चलाकर नए व्हाट्सप ग्रुप बनाए जाएंगे। कमल संदेश द्वारा सरकार की उपलब्धियों का विशेष डिजिटल बुलेटिन अंक प्रकाशित होगा। केंद्र और राज्य सरकार ने जो काम किए हैं कोरोना पर जीत के लिए उनका प्रचार किया जाएगा।

इसके लिए सरकार द्वारा किए गए राहत कार्य का वीडियो भी जारी किया जाएगा। इसका सोशल मीडिया पर प्रचार किया जाएगा। पार्टी वर्चुअल रैली का आयोजन करेगी। राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व द्वारा एक हजार वर्चुअल कान्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत 40 मिनट का संबोधन एवं 20 मिनट का संवाद सत्र होगा। प्रत्येक मोर्चा विभिन्न समूहों तक वीडियो कान्फ्रेंस के माध्यम से एक सप्ताह के अंदर संपर्क कर सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाने का काम करेगा।

कोरोना संकट में कांग्रेस भ्रम फैलाने के बजाय विश्वास पैदा करने में हिस्सेदार बने : नकवी

भाषा। नई दिल्ली

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने मंगलवार को कहा कि महामारी के काल में कांग्रेस राजनीतिक पाखंड की प्रयोगशाला बन गई है और उसे संकट के समय में लोगों में भ्रम फैलाने के बजाय विश्वास पैदा करने में हिस्सेदार बनने की कोशिश करनी चाहिए।

नकवी ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान राहुल गांधी पर परोक्ष निशाना साधते हुए कहा, कांग्रेस, संकट के समाधान का हिस्सा बनने के बजाय सियासी व्यवधान का किस्सा बन गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज देश में असाधारण संकट के हालात हैं। कोरोना का कहर, तूफान की तबाही जैसी तमाम आपदाएं सामने हैं। ऐसी स्थिति में भी कांग्रेस समस्या के समाधान के बजाय सियासी घमासान में लगी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस और उसके साथियों को इस संकट के समय में लोगों में भ्रम फैलाने के बजाय विश्वास पैदा करने का हिस्सेदार बनने की कोशिश करनी चाहिए।

नकवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संकट के समय सभी को साथ लेकर देश एवं लोगों की सुरक्षा, सेहत, सलामती के लिए प्रभावी ढंग से परिश्रम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सभी राज्य सरकारों को पूरी तरह विश्वास में लेकर हर तरह की जरूरतों को पूरा किया गया। भारत में कोरोना के संकट के समय लिए गए दूरदर्शी फैसलों का नतीजा है कि दुनिया के तमाम सुविधासम्पन्न देशों के मुकाबले भारत अपने लोगों की सेहत-सलामती में अग्रणी रहा है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए नकवी ने कहा कि कांग्रेस का "सैद्धांतिक कंटकै ही उसकी "राजनैतिक सोच का संकटै बन गया है। कांग्रेस ऑफलाइन-ऑनलाइन दोनों जगह संकट के समाधान के बजाय "सियासी व्यवधानै के "प्रयासै में लगी है।

गौरतलब है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में चार चरणों में लगाए गए लॉकडाउन के विफल रहने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि आगे कोरोना संकट से निपटने और जरूरतमंदों को मदद देने की उनकी रणनीति क्या है? उन्होंने अपनी पुरानी मांग दोहराते हुए यह भी कहा कि गरीबों और मजदूरों को 7500 रूपए की मदद दी जाए और राज्य सरकारों को केंद्र की तरफ से पूरी मदद मिले।

कोविड-19 के सामुदायिक प्रसार का अनुमान लगाने के लिए 10 शहरों में किया जाएगा सेरोसर्वे

नई दिल्ली। कोरोना के सामुदायिक प्रसार की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिए कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित शहरों की सूची के शीर्ष 10 शहरों में सेरोसर्वे किया जाएगा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और अन्य एजेंसियों के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार 21 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के 60 जिलों में प्रति एक लाख की आबादी पर सामने आए मामलों के तहत चार स्तर - शून्य, निम्न, मध्यम और उच्च के आधार पर यह सर्वेक्षण किया जाएगा। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में समुदाय-आधारित निगरानी के इन दिशा-निर्देशों को रविवार को प्रकाशित किया गया। इन दिशा-निर्देशों को भारत में सार्स-सीओवी-2 संक्रमण प्रसार की प्रवृत्ति की निगरानी करने के लिए राष्ट्रीय सीरो-निगरानी: समुदाय-आधारित निगरानी के दिशा-निर्देश शीर्षक से प्रकाशित किया गया।

असाम के नालबारी में भारी बारिश के बाद क्षतिग्रस्त पुल को पार करता हुआ व्यक्ति।

उप्र आपकी सरकार की निजी संपत्ति नहीं : डी के शिवकुमार ने योगी आदित्यनाथ से कहा

बेंगलुरू। कर्नाटक कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश सरकार के इस फैसले को मंगलवार को "असंवैधानिकै बताया कि अन्य राज्यों को उसके मूल निवासियों को रोजगार देने के लिए अनुमति लेनी चाहिए। इसके साथ ही पार्टी ने कहा कि इस तरह की कार्वाई में व्यावहारिक बुद्धि की कमी है तथा इससे राज्य के लोगों की परेशानी बढ़ेगी। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कई ट्वीट कर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा और कहा, उत्तर प्रदेश उनकी सरकार की निजी संपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के लोगों को काम पर रखे जाने से रोकने का योगी आदित्यनाथ का कदम असंवैधानिक है और यह आवाजाही की स्वतंत्रता के अधिकार के खिलाफ है। उन्होंने कहा, श्री योगी, कृपया ध्यान दें कि उप्र आपकी सरकार की निजी संपत्ति नहीं है। शिवकुमार ने ट्वीट किया कि उत्तर प्रदेश के लोगों को भारत में कहीं भी काम करने के लिए आपकी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, श्री योगी लोकतंत्र में शासन के बुनियादी नियमों को नहीं समझते हैं। कांग्रेस नेता ने एक अन्य ट्वीट में कहा, इस तरह की कार्वाइयों में व्यावहारिक बुद्धि की कमी है और इससे प्रदेश के लोगों को अधिक नुकसान होगा... जब यह भाजपा के लिए सुविधाजनक है, तो यह एक राष्ट्र है। जब ऐसा नहीं है, तो यह अलग-अलग राज्य और अलग-अलग लोग हैं। पाखंड की पराकाष्ठा है।

थमने का नाम नहीं ले रहा महाराष्ट्र सरकार और रेलवे के बीच विवाद

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार और रेलवे के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा जहां मंगलवार को आरोपों का नया दौर शुरू हो गया जब राष्ट्रीय परिवाहक ने कहा कि महाराष्ट्र यात्रियों की सूचना उपलब्ध नहीं करा रहा जिसके चलते कई श्रमिक स्पेशल ट्रेनें नहीं चल पाईं। रेलवे ने कहा कि महाराष्ट्र से प्रवासी श्रमिकों को निकालने के लिए उसने 25 मई 125 ट्रेंनें चलाने की योजना बनाई थी लेकिन राज्य सरकार देर रात दो बजे तक केवल 41 ट्रेनों के लिए सूचना दे पाई।

रेलवे की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, इन 41 ट्रेनों में से केवल 39 ट्रेनें चल पाईं क्योंकि स्थानीय अधिकारी यात्रियों को लेकर नहीं आ पाए और दो ट्रेनों को रद्द करना पड़ा। इसमें कहा गया, कुशलता से योजना बनाने और निरंतर प्रयास के बाद रेलवे ने बहुत कम समय में अपने संसाधनों को जुटाया और 26 मई को महाराष्ट्र से रवाना करने के लिए 145 श्रमिक ट्रेनें तैयार कीं।

रेलवे ने कहा, दोपहर 12 बजे तक, महाराष्ट्र से 25 ट्रेनें चलाने की योजना थी लेकिन यात्रियों के अभाव में कोई ट्रेन प्रस्थान नहीं कर सकी। पहली ट्रेन में यात्रियों का सवार होना दोपहर साढ़े 12 बजे सीएसएमटी स्टेशन से हो पाया। रेलवे के मुताबिक, इनमें से 68 ट्रेनों को उत्तर प्रदेश के लिए, 27 को बिहार के लिए, 41 को पश्चिम बंगाल, और एक-एक ट्रेन छत्तीसगढ़, राजस्थान, झारखंड, उत्तराखंड और केरल तथा दो-दो ट्रेनों को ओडिशा और तमिलनाडु के लिए रवाना करना था।

पिछले दो दिनों से, श्रमिक स्पेशल ट्रेन को लेकर केंद्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल और महाराष्ट्र सरकार में राजनीतिक खींचतान चल रही है जहां राज्य ने आरोप लगाया है कि उन्हें पर्याप्त ट्रेनें नहीं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

चंबा शहर के नीचे भूमिगत सुरंग तैयार

भाषा। ऋषिकेश

केंद्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सीमा सडक संगठन (बीआरओ) द्वारा चारधाम परियोजना के अंतर्गत ऋषिकेश-धरासू हाइवे पर टिहरी जिले के चंबा कस्बे में तैयार 440 मीटर लंबी भूमिगत सुरंग खोले जाने की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अनुमति दी। केंद्रीय मंत्री की अनुमति मिलने के बाद बीआरओ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह ने फ्लैग आफ करते हुए चंबा शहर में 440 मीटर लम्बी भूमिगत सुरंग के ओरछोर को मिला दिया।

बीआरओ की ऋषिकेश स्थित शिवालिक परियोजना के मुख्य अभियंता आशु सिंह राठौड ने बताया ने बताया कि टनल के चालू हो जाने के बाद इसमें अब सीमेंटिंग व कनक्रिटिंग का काम होगा जो अक्टूबर 2020 तक पूरा हो जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरंग तैयार करने के काम में बहुत जोखिम था क्योंकि सुरंग के उपर चंबा शहर बसा हुआ है और निर्माण के दौरान जमीन धँसने का जोखिम था। लेकिन टनल के उत्तरी व दक्षिणी पोर्टल को मिलाने का कार्य कोविड-19 एवं लॉकडाउन के प्रोटोकॉल के साथ पूरा किया गया।

सुरंग निर्माण कार्य जनवरी 2019 में शुरू हुआ था। चार सौ चालीस मीटर लंबी सुरंग एवं 4.2 किमी पहुँच मार्ग को 87 करोड़ की लागत से प्रोजेक्ट शिवालिक द्वारा तैयार किया जाएगा। राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की करीब 1200 करोड़ रु की लागत की इस ड्रीम प्रोजेक्ट में बीआरओ की प्रोजेक्ट शिवालिक के पास गंगोत्री एवं बदरीनाथ धाम की 249 किलोमीटर लंबी सर्वमौसमानुकूल सड़क बनाने का प्रावधान है।

इस सुरंग के तैयार होने पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने केंद्रीय मंत्री गड़करी के प्रति आभार प्रकट करने के साथ ही बीआरओ के अधिकारियों, इंजीनियरों और कर्मचारियों को भी बधाई दी और कहा कि यह भी आत्मनिर्भर भारत का ही एक रूप है। देहरादून में जारी एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, रावत ने कहा कि इस सुरंग से न केवल चम्बा में जाम से मुक्ति मिलेगी बल्कि गंगोत्री और यमुनोत्री का सफर भी आसान होगा। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलगी और वहां आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 जैसी महामारी के समय बीआरओ के अधिकारियों, इंजीनियरों और कर्मचारियों ने इस सुरंग के निर्माण से देश के विकास में बड़ा योगदान दिया है और यह भी आत्मनिर्भर भारत का ही एक रूप है।

ठाकरे ने की पवार से मुलाकात, शिवसेना ने कहा मजबूत है महाराष्ट्र सरकार

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के साथ यहां एक बैठक की। शिवसेना नेता संजय राउत ने मंगलवार को यह जानकारी दी और कहा कि राज्य में सरकार मजबूत है। राउत ने बताया कि दोनों नेताओं के बीच सोमवार देर रात करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत चली। उन्होंने ठाकरे की अगुवाई वाली सरकार के अस्थिर होने संबंधी अटकलों को खारिज किया। हालांकि उन्होंने इस बारे में जानकारी नहीं दी कि दोनों नेताओं के बीच किस मामले को ले कर बैठक हुई। ठाकरे और पवार के बीच मुलाकात से पहले राकांपा नेता ने सोमवार सुबह राज्य के राज्यपाल बी एस कोश्यारी से मुलाकात की थी। राउत ने मराठी भाषा में ट्वीट किया, राकांपा प्रमुख शरद पवार और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बीच डेढ़ घंटे तक बैठक चली। जिन्हें इस सरकार के स्थिर होने पर शंका है, वे अपनी दुर्भावना के कारण ऐसा कर रहे हैं। यह सरकार मजबूत है। इससे पहले राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने सोमवार सुबह महाराष्ट्र के राज्यपाल बी एस कोश्यारी से यहां राज भवन में मुलाकात की थी। राकांपा ने दावा किया था कि राज्यपाल के आमंत्रण पर यह मुलाकात हुई है और इसमें किसी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। हालांकि बैठक का समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार का नेतृत्व कर रही शिवसेना और राज भवन के बीच पिछले दिनों सामने आए गतिरोध की पृष्ठभूमि में हुई है। राकांपा सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल है।

गुजरात भाजयुमो नेता ने मीडिया को लेकर किए गए अपने ट्वीट के लिए माफी मांगी

अहमदाबाद। गुजरात भाजपा की युवा शाखा के एक नेता ने मंगलवार को मीडिया पर की गई अपनी ट्वीट के लिए माफी मांगी, जिसमें उसने मीडिया पर अधिक टीआरपी के लिए कोरोना वायरस की जांच के बारे में कुछ खबरों को प्रचारित करने का आरोप लगाया था। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष रुत्विज पटेल द्वारा सोमवार को किए गए ट्वीट के बाद उनकी व्यापक रूप से आलोचना की गई और गुजरात भाजपा इकाई ने भी इसकी निंदा की। जिसके बाद युवा शाखा के नेता ने इसे हटा दिया और माफी मांगते हुए कहा कि उनका लक्ष्य मीडिया को निशाना बनाना नहीं था। गुजरात भाजपा के प्रवक्ता भरत पंड्या ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है और पार्टी मीडिया का बहुत सम्मान करती है।

पाक सेना ने पुंछ में नियंत्रण रेखा के पास गोलाबारी की

जम्मू। पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा के पास अग्रिम इलाकों में मंगलवार को गोलियां चलाईं और गोलाबारी की। भारतीय जवानों ने भी इसका मुंह तोड़ जवाब दिया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा, पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास मंगलवार तड़के बिना किसी उकसावे के छोटे हथियारों से गोलीबारी की और मोर्टार के गोले दागे। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने भी इसका मुंह तोड़ जवाब दिया। अधिकारियों ने बताया कि आखिरी समाचार मिलने तक दोनों ओर से गोलाबारी जारी थी। उन्होंने बताया कि इसमें फिलहाल किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।

अदालतों में लंबित मामलों के जल्दी निपटारे के लिए जम्मू कश्मीर के महाधिवक्ता ने वकीलों के साथ बैठक की

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के महाधिवक्ता डी.सी. रैना ने मंगलवार को वकीलों को निर्देश दिया है कि वे केन्द्र शासित प्रदेश की विभिन्न अदालतों में लंबित मामलों को तेजी से निपटाने की प्रक्रिया शुरू करें। अधिकारियों ने बताया कि उपराज्यपाल गिरिश चन्द्र मुर्मु के निर्देश पर उन्होंने यह उच्चस्तरीय बैठक की। मुर्मु ने हाल ही में दशकों से अदालतों में लंबित मामलों को लेकर चिंता जताई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर की निचली अदालतों और उच्च न्यायालय में दो लाख से ज्यादा दीवानी और फौजदारी मुकदमे लंबित हैं। आंकड़ों के अनुसार, रिट सहित 75,000 से ज्यादा मुकदमे उच्च न्यायालय में जबकि 1,77,000 से ज्यादा मुकदमे जिला और अन्य अदालतों मे लंबित हैं।

जम्मू में तावी नदी में गर्मी से बचने के लिए स्नान करते युवा

भाजपा महाराष्ट्र सरकार को अस्थिर करने की कोशिश कर रही: कांग्रेस

मुम्बई। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष बालासाहब थोराट ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश भाजपा के नेता सत्तारूढ़ गठबंधन को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन चिंता करने की कोई बात नहीं है। कांग्रेस राज्य में शिवसेना की अगुवाई वाली महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार की एक घटक है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा भी इस सरकार का हिस्सा है। थोराट ने यहां संवाददाताओं से कहा, प्रदेश में भाजपा नेता सत्ता के लालची हैं। वे वर्तमान स्थिति में सरकार की मदद करने की नहीं सोच सकते बल्कि वे सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रहे हैं। राजस्व विभाग का प्रभार संभाल रहे थोराट ने कहा कि सरकार के स्थायित्व को लेकर कोई चिंता नहीं है क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन स्थिर है और सही तरीके से काम कर रहा है।

जब उनसे पूछा गया कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे या राकांपा प्रमुख शरद पवार के आसपास कोई कांग्रेस नेता क्यों नजर नहीं आता है तब उन्होंने कहा, हम फोन पर एक दूसरे के संपर्क में हैं। नजर आने या नजर नहीं आने में कुछ अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में कहा है कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र सरकार में अहम निर्णयों में शामिल नहीं है।

गांधी ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम महाराष्ट्र सरकार का समर्थन जरूर कर रहे हैं लेकिन महाराष्ट्र में अहम निर्णय लेने में हम शामिल नहीं हैं। महाराष्ट्र को केंद्र से पूरे सहयोग की जरूरत है क्योंकि राज्य एक मुश्किल संघर्ष से जूझ रहा है। महाराष्ट्र में तब राजनीतिक पारा गरमा गया जब पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की अगुवाई में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल बी एस कोश्यारी से मुलाकात की और कोविड-19 संकट से निपटने में सरकार के विफल रहने की शिकायत की।

श्रमिक स्पेशल ट्रेनों ने एक मई से करीब 42 लाख प्रवासी श्रमिकों को पहुंचाया

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने एक मई से 3,276 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से करीब 42 लाख प्रवासी मजदूरों को उनके गंतव्य स्थानों तक पहुंचाया है। आधिकारिक डेटा के मुताबिक कुल 2,875 ट्रेनों को रद्द किया गया जबकि 401 चलाई जा रही हैं। शीर्ष पांच राज्योंा केंद्र शासित प्रदेशों जहां से अधिकतम ट्रेनें चलाई गई हैं वे गुजरात (897), महाराष्ट्र (590), पंजाब (358), उत्तर प्रदेश (232) और दिल्ली (200) हैं। जिन पांच राज्यों जहां से अधिकतम ट्रेनें रद्द की गई हैं वे उत्तर प्रदेश (1,428), बिहार (1,178), झारखंड (164), ओडिशा (128) और मध्य प्रदेश (120) हैं। श्रमिक स्पेशल ट्रेंने मुख्यत: राज्यों के अनुरोध पर चलाई जा रही हैं जो प्रवासी मजदूरों को उनके गृह राज्यों तक भेजना चाहते हैं। भारतीय रेलवे जहां प्रत्एक ट्रेन को चलाने में आ रहे कुल खर्च का 85 प्रतिशत उठा रहा है वहीं शेष 15 प्रतिशत किराए के रूप में राज्यों द्वारा वसूला जा रहा है।

पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर चर्चा करेंगे शीर्ष सैन्य कमांडर

नई दिल्ली। भारतीय सेना के शीर्ष सैन्य कमांडर बुधवार से शुरू हो रहे तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान पूर्वी लद्दाख के कुछ इलाकों में भारत और चीनी सैनिकों के बीच तनावपूर्ण गतिरोध की गहन समीक्षा करेंगे। सूत्रों ने कहा कि कमांडर जम्मू-कश्मीर की स्थिति पर भी चर्चा करेंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर भी इस दौरान चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के दौरान मुख्य रूप से ध्यान पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर ही होगा जहां पैंगोंग त्सो, गल्वान घाटी, देमचोक और दौलत बेग ओल्डी में भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने अड़े हैं।

इस इलाके के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में भारत और चीन दोनों ने अपनी मौजूदगी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा दी है, जिससे संकेत मिलते हैं कि इस टकराव का जल्द कोई समाधान शायद न मिले। दोनों तरफ से इसे बातचीत के जरिए सुलझाने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्वी लद्दाख में स्थिति तब बिगड़ गई जब पांच मई की शाम को करीब 250 चीनी और भारतीय सैनिकों में हिंसक झड़प हुई और यह अगले दिन भी जारी रही जब तक कि स्थानीय कमांडर स्तर की बैठक में दोनों पक्षों में अलग होने पर सहमति नहीं बन गई। इस हिंसा में 100 से ज्यादा भारतीय और चीनी सैनिक घायल हुए थे।

पैंगोंग त्से में हुई इस घटना के बाद नौ मई को उत्तरी सिक्किम में भी ऐसी ही घटना देखने को मिली। सेना के प्रवक्ता कर्नल अमन आनंद ने ज्यादा विस्तार दिए बिना कहा, भारतीय सेना का शीर्ष स्तरीय नेतृत्व उभरती हुई मौजूदा सुरक्षा व प्रशासनिक चुनौतियों के साथ ही भारतीय सेना के भविष्य पर मंथन केरेगा। कमांडरों का यह सम्मेलन पहले 13 से 18 अप्रैल को होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया।

कर्नल आनंद ने कहा कि अब यह दो चरणों में होगा। पहला चरण 27 से 29 मई तक होगा और दूसरा चरण जून के अंतिम हफ्ते में। नाम न जाहिर करने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, भारत ने परिपक्व तरीके से स्थिति को संभाला है। कमांडरों के चीन के आक्रामक व्यवहार से निपटने की रणनीति समेत कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करने की उम्मीद है। भारत ने पिछले हफ्ते कहा था कि सीमा प्रबंधन को लेकर उसका रवैया हमेशा से बेहद जिम्मेदाराना रहा है लेकिन लेकिन चीनी सेना उसके जवानों की सामान्य गश्त को बाधित कर रही है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने एक मीडिया ब्रीफिंग में चीन के उस वक्तव्य को भी पुरजोर तरीके से खारिज किया कि भारतीय सैनिकों द्वारा चीन की तरफ अतिक्रमण करने की वजह से तनाव बढ़ा। भारत की यह प्रतिक्रिया चीन के उस आरोप के दो दिन बाद आई थी जिसमें उसने कहा था कि भारतीय सेना ने उसके क्षेत्र में अतिक्रमण किया और दावा किया कि यह सिक्किम और लद्दाख में एलएसी के दर्जे को एकपक्षीय बदलने का प्रयास है। भारतीय और चीनी सैनिक पांच मई को पैंगोंग त्सो झील इलाके में भिड़ गए थे और इस दौरान लोहे की छड़ों, लाठियों से एक दूसरे पर हमला किया तथा पथराव भी किया जिसमें दोनों तरफ के सैनिकों को चोट आई थी।

एक अन्य घटना में करीब 150 भारतीय और चीनी सैनिक नौ मई को सिक्किम सेक्टर के नाकुला पास में आमने-सामने आ गए और इस दौरान हुई झड़प में दोनों पक्षों के कम से कम 10 सैनिक घायल हुए। इससे पहले डोकलाम में 2017 में 73 दिनों तक तक दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने डटे हुए थे जिससे परमाणु हथियार से लैस दो पड़ोसी देशों के बीच युद्ध का खतरा भी मंडराने लगा था। भारत और चीन के बीच 3,488 किलोमीटर लंबी एलएसी को लेकर विवाद है। चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा ठोकते हुए उसे दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा बताता है जबकि भारत अरुणाचल प्रदेश को अपना अभिन्न अंग मानता है।

मुंबई में प्रवासी अपने गंतव्य स्थान जाने के लिए मेडिकल चेकअप कराने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए।

कोरोना काल में जान पर भारी पड़ी जन्मदिन पार्टी

भाषा। इंदौर

मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में लॉकडाउन के दौरान आयोजित एक जन्मदिन पार्टी में शामिल हुई 70 वर्षीय महिला की कोविड-19 से मौत हो गई है, जबकि 19 अन्य लोग भी इस महामारी की चपेट में आ गए हैं। इस खुलासे के बाद हरकत में आई पुलिस ने इस पार्टी के आयोजकों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

इंदौर, देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल है। जिले के सांवेर क्षेत्र के विकासखंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) हेमंत रघुवंशी ने मंगलवार को बताया कि कोविड-19 से संक्रमित पाए गए सभी 19 मरीज आपस में रिश्तेदार हैं। इनमें एक साल से लेकर 70 वर्ष तक की उम्र वाले स्त्री-पुरुष शामिल हैं। रघुवंशी ने बताया कि ये लोग जिला मुख्यालय से 32 किलोमीटर दूर बड़ोदिया खान गांव में करीब 10 दिन पहले दो साल के बच्चे की जन्मदिवस पार्टी में शामिल हुए थे। उन्होंने बताया कि इस पार्टी में इंदौर शहर की 70 वर्षीय

● वृद्धा की मौत 19 अन्य संक्रमित

यह महिला भी शामिल हुई थी जिसकी तबीयत पहले से खराब चल रही थी। इसके बावजूद उसके परिजनों ने समय पर उसकी कोविड-19 की जांच नहीं कराई थी और वे 15 दिन पहले उसे देखभाल के लिए इंदौर से बड़ोदिया खान गांव ले आए थे।

रघुवंशी ने बताया कि वृद्धा की तबीयत ज्यादा बिगड़ने पर जब उसे 18 मई को सांवेर के एक सरकारी अस्पताल लाया गया, तो डॉक्टरों को संदेह हुआ और जांच कराए जाने पर वह कोविड-19 से संक्रमित पाई गई। उन्होंने बताया कि इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान 70 वर्षीय महिला की 22 मई को मौत हो गई थी। बीएमओ ने बताया, 'दिवंगत वृद्धा के संपर्क में आए लोगों को तलाशा गया, तो हमें लॉकडाउन के दौरान बड़ोदिया खान गांव में जन्मदिन पार्टी के आयोजन के बारे में पता चला। इस पार्टी में वृद्धा समेत करीब 60 लोग शामिल हुए थे।

उन्होंने बताया कि कोविड-19 से संक्रमित पाए गए 19 लोगों को इंदौर के अलग-अलग केंद्रों में भर्ती कराया गया है। पार्टी में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। बीएमओ ने बताया कि करीब 2,000 की आबादी वाले बड़ोदिया खान गांव को निषिद्ध क्षेत्र (कंटेनमेंट जोन) घोषित करके उसे सील कर दिया गया है।

इस बीच, पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस जन्मदिन पार्टी के तीन आयोजकों पर सांवेर थाने में भादंसं की धारा 188 (किसी सरकारी अधिकारी का आदेश नहीं मानना) और धारा 270 (ऐसा घातक कार्य जिससे किसी जानलेवा बीमारी का संक्रमण फैलने का खतरा हो) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि मामले के तीनों आरोपी भी कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं और इंदौर के एक केंद्र में उनका इलाज किया जा रहा है। कोविड-19 का प्रकोप कायम रहने के कारण मद्देनजर इंदौर जिला रेड जोन में बना हुआ है। जिले में अब तक इस महामारी के 3,103 मरीज मिले हैं जिनमें से 117 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई है।

छह विदेशियों सहित आठ जमातियों को मिली जमानत

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने मंगलवार को छह विदेशियों सहित आठ जमातियों को जमानत दी है। उनके खिलाफ भोपाल पुलिस ने आपदा प्रबंधन अधिनियम और विदेशी नागरिक अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन को लेकर मामले दर्ज किए थे। न्यायमूर्ति सुजय पॉल ने इन जमातियों को जमानत दी। ए आरोपी भोपाल जेल में बंद हैं। उन्होंने मार्च में दिल्ली में निजामुद्दीन में तबलीगी जमात के कार्यक्रम में शिरकत की थी। इन आरोपियों के खिलाफ भोपाल की निचली अदालत में सरकारी आदेशों की अवहेलना करने, खतरनाक बीमारी फैलाने तथा अन्य मामलों में मुकदमा चल रहा है। याचिकाकताओं के वकील अंकित सक्सेना ने बताया कि आरोपियों को कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन का उल्लंघन करने को लेकर भादंसं, राष्ट्रीय आपदा प्रबंध अधिनियम तथा विदेशी अधिनियम की सम्बद्ध धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय ने बिहार के रहने वाले साजिद करीम, करीम उल्लाह, किर्गिस्तान के नूर बेग, कनात बेग, कादरेक बेग और मस्कत तथा उजबेकिस्तान के कामोलिदेन और कजाकिस्तान के मोदियाद को जमानत दी है।

कोझीकोड में मंगलवार को लॉकडाउन के दौरान 'वीएचएसई' परीक्षा में शामिल होने के लिए एक कतार में खड़े होकर अपनी पारी का इंतजार करती छात्राएं

अवसाद से ग्रसित मेडिकल छात्रा ने आत्महत्या की

हैदराबाद। हैदराबाद में 25 वर्षीय एक दंतविज्ञान की छात्रा ने एमबीबीएस सीट नहीं मिलने के कारण मंगलवार को आवासीय परिसर से कथित तौर पर कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने उसके पिता द्वारा दायर एक शिकायत के आधार पर बताया कि चौथे वर्ष की बीडीएस छात्रा ने परिसर की 14 वीं मंजिल से छलांग लगा दी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, उनकी बेटी का बीडीएस में मन नहीं लग रहा था और वह एमबीबीएस की पढ़ाई करना चाहती थी, लेकिन उसे एमबीबीएस सीट नहीं मिल पाई।

क्विक न्यूज

ऋण स्थगन की अवधि में कर्ज पर ब्याज के खिलाफ याचिका पर केंद्र, आरबीआई को नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोरोना वायरस महामारी की वजह से कर्ज की अदायगी में छूट की अवधि के लिए ब्याज पर लेवी की मांग को चुनौती देने वाली याचिका पर मंगलवार को केन्द्र और भारतीय रिजर्व बैंक से जवाब मांगा। कोविड-19 की वजह से कर्ज की अदायगी में छूट की अवधि को अब 31 अगस्त तक बढ़ा दिया गया है। न्ययामूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने वीडियो कांफ्रेन्स के जरिए इस मामले की सुनवाई के दौरान केन्द्र और आरबीआई को नोटिस जारी किए और उन्हें एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने पीठ को सूचित किया कि सरकार ने पहली बार ऋण अदागई में तीन महीने की छूट दी थी जो 31 मई तक थी। इस अवधि को अब तीन महीने के लिए और बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा कि बैंकों से कर्ज लेने वालों को इस तरह से दंडित नहीं किया जाना चाहिए तथा इस अवधि के लिए बैंकों को कर्ज की राशि पर ब्याज नहीं जोड़ना चाहिए। पीठ ने अपने आदेश में कहा, रिजर्व बैंक के वकील ने जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय देने का अनुरोध किया जो उन्हें दिया गया। सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता भी इस बीच आवश्यक निर्देश प्राप्त करेंगे। यह मामला अब अगले सप्ताह सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर देशव्यापी लॉकडाउन के अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पर अंकुश के इरादे से रिजर्व बैंक ने 27 मार्च को अनेक निर्देश जारी किए थे।

विदेश से लौटे भारतीयों को होटलों से बकाया पैसा दिलाया जाएः गृह मंत्रालय ने राज्यों से कहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मंगलवार को राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से सुनिश्चित करने को कहा कि संस्थागत पृथक-वास की अवधि 14 दिन से कम होकर सात दिन होने के बाद होटल में ठहरने के लिए अग्रिम भुगतान करने वाले विदेश से लौटे प्रवासियों को उनका पैसा वापस मिले। सभी राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासनों को लिखे पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने कहा कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी नए दिशानिर्देशों में वंदे भारत मिशन के तहत विदेश से लौटने वाले भारतीयों के लिए पृथक-वास के बंदोबस्त में बदलाव किया गया है। इन दिशानिर्देशों के अनुसार संस्थागत पृथक-वास के प्रोटोकॉल को बदल दिया गया है और अब सात दिन के संस्थागत पृथक-वास के बाद चिकित्सा जांच होगी और सात दिन का पृथक-वास घर में होगा। भल्ला ने कहा कि गृह मंत्रालय के संज्ञान में लाया गया है कि विदेश से लौटे जो भारतीय होटलों में पृथक-वास में ठहरे थे उनसे पहले ही 14 दिन का पैसा ले लिया गया था। पत्र के अनुसार, चूंकि अब वे सात दिन बाद घर में पृथक-वास में रहने के लिए जा सकते हैं, इसलिए उनके द्वारा अदा किया गया बाकी सात दिन का पैसा उन्हें लौटाया जाना चाहिए जिसे कुछ होटल लौटाने से इनकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आपसे अनुरोध किया जाता है कि संस्थागत पृथक-वास के लिए इस्तेमाल और चिह्नित होटलों को जरूरी निर्देश दिए जाएं कि विदेश से लौटे जो प्रवासी होटलों में पृथक-वास में थे और जिन्होंने 14 दिन का अग्रिम भुगतान किया था, उन्हें बिना देरी के बकाया धन वापस किया जाएगा।

पश्चिम बंगाल के अधिकतर हिस्सों में आवश्यक सेवाएं बहाल हुईं

भाषा। कोलकाता

अम्फान तूफान से प्रभावित पश्चिम बंगाल के अधिकतर इलाकों में चीजें पटरी पर आ गई है और सरकारी अधिकारी सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए दिनरात कार्य कर रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार पश्चिम बंगाल के गृह सचिव ने दी।

उल्लेखनीय है कि छह दिन पहले राज्य में प्रचंड तूफान आया था जिससे बड़ी संख्या में घरों को नुकासन पहुंचा और पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए। गृह सचिव अलपन बंदोपाध्याय ने प्रेस वार्ता में बताया कि कोलकाता और शहरी इलाकों के बड़े हिस्सें में बिजली और जरूरी सेवाएं बहाल कर दी गई। बिजली विभाग से कहा गया है कि अगर कोई लंबित काम है तो उसे यथाशीघ्र निपटाया जाए। उन्होंने कहा, हम सभी जगहों पर बिजली, पानी और जरूरी सेवाओं को बहाल करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं।

हम अस्पतालों और जल आपूर्ति केंद्रों पर बिजली की सामान्य आपूर्ति करने में सफल हुए हैं। बिजली कंपनी सीईएससी और डब्ल्यूएसईडीसीएल को बाकी इलाकों में भी बिजली आपूर्ति बहाल करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य के विभिन्न इलाकों में लोग प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पिछले छह दिन से पानी और बिजली की आपूर्ति बहाल नहीं की गई है।

महाराष्ट्र सरकार पर राहुल की टिप्पणी का लक्ष्य शिवसेना, मुख्यमंत्री पर दोष मढ़ना : भाजपा

भाषा। मुंबई

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार में कांग्रेस की भूमिका पर पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की टिप्पणी का उद्देश्य शिवसेना और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे पर कोरोना वायरस महामारी की स्थिति को संभालने में विफल रहने के लिए दोष मढ़ना है।

राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने की मांग से उन्होंने भाजपा को अलग करते हुए इन अटकलों को खारिज कर दिया कि विपक्ष सरकार को अस्थिर करना चाहता है। राहुल की टिप्पणी पर फडणवीस ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि सरकार की

विफलता की सामूहिक जिम्मेदारी से कांग्रेस असल में भागना चाहती है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी केवल शिव सेना एवं मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को दोषी ठहराना चाहते हैं। राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कहा था कि उनकी पार्टी शिव सेना की अगुवाई वाली सरकार में प्रमुख निर्णयकर्ता नहीं है।राहुल ने आनलाइन प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम महाराष्ट्र सरकार को समर्थन दे रहे हैं लेकिन हम वहां मुख्य निर्णयकर्ता की भूमिका में नहीं हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि महाराष्ट्र को केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग की जरूरत है क्योंकि प्रदेश एक बेहद कठिन लड़ाई लड़ रहा है।

फडणवीस ने स्पष्ट किया कि राज्य में भाजपा को सरकार बनाने की जल्दी नहीं है। उन्होंने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की मांग से अपनी पार्टी को अलग रखा। विपक्ष के नेता ने संवाददाताओं को बताया, महाराष्ट्र में हमें सरकार बनाने की कोई जल्दी नहीं है। यह सरकार अपने ही अंतर्विरोधों एवं आपसी समन्वय की कमी के कारण गिर जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह राजनीति करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा, भाजपा का ध्यान कोरोना वायरस के खिलाफ संघर्ष पर है। फडणवीस ने कहा ऐसे बयानों का उद्देश्य सरकार की विफलता से लोगों का ध्यान हटाना है कि विपक्ष शिवसेना की अगुवाई वाली सरकार को अस्थिर करना चाहता है।

उन्होंने कहा कि ऐसी बयानबाजी बचाव के लिए की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महामारी को रोकने के मद्देनजर प्रभावी कदम उठाने के लिए विपक्ष सरकार पर दबाव बनाता रहेगा। राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने की मांग से संबंधित एक सवाल के उत्तर में उन्होंने भाजपा को इससे अलग कर दिया।

नई दिल्ली में मंगलवार को फिर से घरेलू यात्रा शुरू होने पर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट को जाती हुईं विमान परिचारिकाएं

घरेलू विमानन सेवा के दूसरे दिन कई उड़ानें रद

भाषा। नई दिल्ली

देश भर में घरेलू उड़ान सेवा शुरू होने के दूसरे दिन आंध्र प्रदेश में भी मंगलवार को घरेलू उड़ानों का संचालन शुरू हो गया। राज्य कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण पहले उड़ानों के संचालन को लेकर थोड़ी हिचकिचाहट दिखा रहा था। दूसरे दिन भी कई उड़ानों को रद्द कर दिया गया जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। पश्चिम बंगाल को छोड़कर अब पूरे देश में यात्री सेवाएं

● आंध्र में यात्री सेवाएं शुरू

शुरु हो गई हैं। सोमवार की ही तरह मंगलवार को भी कई यात्रियों को हवाई अड्डों पर पहुंचने के बाद पता लगा कि उनकी उड़ानें रद्द हो गई हैं। ऐसे कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जताई। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चेन्नई हवाई अड्डा से 20 उड़ानें रवाना होंगी और इतनी ही संख्या में उड़ानें वहां आएंगी। हालांकि नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा था कि वहां आने वाली 25 उड़ानों का संचालन हो सकता है जबकि रवाना होने वाली उड़ानों के संबंध में कोई सीमा नहीं है। आंध्र प्रदेश में विमानन सेवा की शुरुआत मंगलवार को हुई और अधिकारियों ने कहा कि विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम हवाईअड्डों से दिन भर में आठ-आठ उड़ानों का संचालन होगा। अधिकारियों ने बताया कि देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर मंगलवार को 277 उड़ानों का संचालन होगा।

पेज एक का शेष

भारत भी...

संवेदनशील स्थिति को देखते हुए यदि कोई चुनौती पेश आती है तो भारत ने उसके लिए क्या कदम उठाए हैं। सूत्रों ने बताया कि सीडीएस और तीनों सेना के प्रमुखों के साथ रक्षा मंत्री की बैठक एक घंटे से ज्यादा चली। नाकुला, सिक्किम तथा पैंगपांग त्सो, लद्दाख में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच झड़प और चीन द्वारा तैनाती बढ़ाने तथा हालात का सामना करने के लिए सेना की तैयारी सेना कमांडरों की बैठक में मुख्य मुद्दा होगा। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब भारत के ब्रिगेडियर रैंक के अफसरों और चीनी सेना के बीच छह दौर की बातचीत बेनतीजा रही। तनाव को दूर करने के लिए राजनयिक प्रयास भी किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि कमांडरों की कांफ्रेंस एक साल में दो बार होती है और इसे अप्रैल में होना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी तथा लॉकडाउन के चलते इसको स्थगित कर दिया गया था। कांफ्रेंस का दूसरा चरण जून के अंतिम हफ्ते में होगा। भारतीय सेना के शीर्ष स्तर का नेतृत्व मौजूदा सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौतियों से निपटने तथा आगे सेना क्या कदम उठाएगी पर विचार करेगा। कोलेजिएट व्यवस्था के तहत फैसले लिए जाएंगे जिसमें सेना के कमांडर और वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहेंगे। सूत्रों ने कहा कि जहां तक एलएसी की बात है तो पूर्वी लद्दाख में टकराव को देखते हुए उस पर पूरा ध्यान है लेकिन भारतीय सेना ने उत्तराखंड में सीमावर्ती इलाकों तैनाती बढ़ा रही है, जिसका कुछ हिस्सा चीन की सीमा से लगा है। इसी तरह एहतियातन हिमाचल प्रदेश के भी कुछ हिस्से में तैनाती हो रही है। लद्दाख पर उन्होंने कहा कि भारतीय सुरक्षा बल वहां पर तैनाती बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। साथ ही आपात स्थिति भारी हथियारों की भी तैनाती रहेगी। दौलत बेग ओल्डी तथा लद्दाख के अन्य क्षेत्रों में सैनिकों और हथियारों को लेकर जाने वाले भारी मालवाहक विमानों की अतिरिक्त लैंडिंग और उड़ानों के लिए तैयारी पूरी है। इसके अलावा भारतीय सेना ने गलवान घाटी में 250 किमी लंबी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण सड़क पर अपनी गश्त बढ़ा दी है। यह वह जगह जहां हाल ही में विवाद हुआ था। एलएसी के समानांतर इस सड़क पर पुल बनाए जाने का चीनी सेना विरोध कर रही है। भारतीय सेना की आवाजाही के लिए यह सड़क एक बेहतर विकल्प है और यह पूरी तरह से भारत की सीमा में है। 1962 के युद्ध के दौरान दोनों सेनाएं गलवान घाटी में जंग लड़ चुकी हैं। इस बीच रक्षा मंत्री ने शेकाटकर कमेटी की रिपोर्ट में की गई सिफारिशों पर किए जा रहे अमल की भी समीक्षा की। लेफ्टिनेंट जनरल डीबी शेकाटकर (सेवानिवृत्त) कमेटी ने लड़ाकू क्षमता बढ़ाने तथा सशस्त्र बलों के रक्षा खर्च को संतुलित करने के लिए कई सिफारिशें की हैं। सिंह ने अपनी आस्ट्रेलियाई समकक्ष लिंडा रेनॉल्डस से भी फोन पर बातचीत की जिसमें दोनों नेताओं ने कोविड महामारी के खिलाफ विश्वव्यापी जंग में परस्पर सहयोग के क्षेत्रों के बारे में चर्चा की। सिंह ने कोविड-19 के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में भारत के योगदान के बारे में उन्हें बताया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा 'दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत-आस्ट्रेलिया रणनीतिक सहयोग दोनों देशों को यह अवसर देता है कि वे अन्य देशों के साथ कोविड-19 के बाद उससे उभरने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करें।'

शी ने...

कल्पना करे, उसके बारे में सोचे और युद्ध के लिए अपनी तैयारियों और प्रशिक्षण को बढ़ाए, तमाम जटिल परिस्थितियों से तुरंत और प्रभावी तरीके से निपटे। साथ ही पूरी दृढ़ता के साथ राष्ट्रीय सम्प्रभुता, सुरक्षा और विकास संबंधी हितों की रक्षा करे। उनकी टिप्पणी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच करीब 20 दिन से जारी गतिरोध की पृष्ठभूमि में आई है। हाल के दिनों में लद्दाख और उत्तरी सिक्किम में भारत और चीन की सेनाओं ने अपनी उपस्थिति काफी हद तक बढ़ाई है। यह दोनों देशों की सेनाओं के बीच दो अलग-अलग तनातनी के दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी तनाव बढ़ने और दोनों पक्षों के रुख में कठोरता आने का स्पष्ट संकेत देता है। करीब 3,500 किलोमीटर लंबी एलएसी दोनों देशों के बीच वस्तुत: सीमा का काम करती है।

योगी के...

(बीएमएस) को छोड़ इंटक, आईटक, सीटू और दूसरे बड़े मजदूर संगठन उत्तर प्रदेश सरकार के मजदूरों के दूसरे राज्यों में बिना इजाजत काम करने पर प्रस्तावित पाबंदी के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही मामले को अदालत ले जाने की तैयारी चल रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने योगी की टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल ने कहा कि मुझे लगता है कि लोग पहले भारतीय हैं और फिर राज्यवासी। कौन, किस राज्य में आजीविका कमाने जाए, यह निर्णय व्यक्तिगत है, न कि किसी मुख्यमंत्री का। यह निर्णय भारत के लोगों का हो सकता है, उत्तर प्रदेश की जनता का हो सकता है, लेकिन मुख्यमंत्री यह तय नहीं कर सकते। उत्तर प्रदेश के लोग मुख्यमंत्री की निजी संपत्ति नहीं हैं। कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भी योगी आदित्यनाथ पर हमला करते हुए कहा कि यूपी उनकी सरकार की निजी संपत्ति नहीं है। सीएम योगी का बयान कहीं भी आने-जाने के अधिकार की स्वतंत्रता के खिलाफ है। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने भी योगी सरकार को प्रवासी श्रमिकों के हाथ बांधने के ऐसे उपायों के प्रस्ताव पर निशाना साधा और इसे बेतुका और असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि लोग विदेश नहीं जा रहे हैं जो उन्हें राज्य सरकार को सूचित करने की आवश्यकता है। इंटक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि झारखंड में पिछले हफ्ते वरिष्ठ व्यापारी संघ के नेता राजेंद्र सिंह की मौत के कारण योगी के खिलाफ एक प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन स्थगित कर दिया गया है। आरएसएस समर्थित भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने हालांकि विरोध का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया। इंटक के राष्ट्रीय सचिव राजीव अरोड़ा ने कहा कि योगी सरकार का प्रस्तावित नियम रोजी-रोटी कमाने एक से दूसरे राज्य जाने वाले लोगों के हित में नहीं है। हम इसके खिलाफ कानूनी राय ले रहे हैं। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव डी राजा ने योगी के बयान को बेहद अपमानजनक बताया और उनसे माफी मांगने को कहा। डी राजा ने पायनियर से कहा कि कोविड-19 पहले देश और दुनियाभर को डरा रहा है। रोजगार के लिए घरेलू वीजा प्रणाली की खबर से अराजकता का माहौल पैदा हो जाएगा। यह देश के सामाजिक ताने-बाने को बड़ा नुकसान पहुंचाएगा। हम पूरी ताकत से इसका विरोध करेंगे। पटना स्थित टाटा इंस्टीट्यूट ऑफसोशल साइंस (टीआईएसएस) के अध्यक्ष पुष्पेंद्र ने कहा कि योगी के बयान से पता चलता है कि वह श्रमिकों पर नियंत्रण चाहते हैं। मजदूरों और प्रवासियों के विषेशज्ञ पुश्पेंद्र ने कहा कि वे भूमि के कानून को भूल गए हैं। मुझे लगता है, पिछले तीन वर्षों के दौरान निवेशकों को लुभाने में विफल रहने के बाद, वह एक संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं।

विफल रहा...

प्रधानमंत्री से सवाल किया, 'हम पूछना चाहते हैं कि अब आप की रणनीति क्या है? लॉकडाउन को आप किस तरह से देखते हैं? गरीबों, मजदूरों और एमएसएमई की कैसे मदद करेंगे?' गांधी ने कहा, 'हम कांग्रेस शासित राज्यों में गरीबों और किसानों को पैसे दे रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार की ओर से उचित मदद के बिना राज्य अपना कामकाज नहीं कर सकते।' गौरतलब है कि देश भर में 25 मार्च से लॉकडाउन चल रहा है। शुरू में इसे 21 दिनों के लिए लागू किया गया लेकिन उसके बाद इसे तीन बार बढ़ाया गया है और वर्तमान में चौथे चरण का लॉकडाउन 31 मई तक जारी रहेगा।

सफल रहा...

विपक्षी पार्टी ऐसे समय में राजनीति कर रही है जब पूरा देश कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है । उन्होंने कहा कि भारत के कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों की दुनिया भर में प्रशंसा हुई है लेकिन कांग्रेस केवल इसका विरोध कर रही है। जावड़ेकर ने आरोप लगाया, 'राहुल गांधी का आज का प्रेस कांफ्रेंस इस बात का उदाहरण है कि कांग्रेस केवल राजनीति कर रही है । उन्होंने (राहुल) जो कुछ कहा, वह गलत है। कोविड-19 के संक्रमण की दर लॉकडाउन से पहले तीन दिन थी जो अब 13 दिन हो गई है।

केंद्र ने...

मामलों में बड़ी वृद्धि का डर सता रहा है। उदाहरण के लिए बिहार में अब लगभग 3,000 मामले हो चुके हैं। इनमें से आधे से अधिक केवल पिछले एक सप्ताह में सामने आए हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश पहले ही 6,000 से अधिक का आंकड़ा छू चुके हैं। ओडिशा में एक मई को जहां 143 केस थे, अब यहां 1,517 केस हो चुके हैं। मंत्रालय ने इन राज्यों को क्वॉरंटीन केंद्रों पर मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) को तैनात करने की भी सलाह दी है। इन राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन ने कहा कि मौजूदा भवनों में अस्थायी उप-स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए जाएं और अतिरिक्त फ्रंटलाइन वर्कर जैसे राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) टीमों का उपयोग किया जा सकता है। मंत्रालय ने यह भी सलाह दी है कि आयुष्मान भारत से जुड़े स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र स्थापित करने की आवश्यकता है, ताकि तत्काल स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था की जा सके और इन केंद्रों से टेली-मेडिसिन सेवाओं को चालू किया जा सके। आने वाले प्रवासी कामगारों में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए आशा और एएनएम को अतिरिक्त प्रोत्साहन राषि दी जा सकता है। गर्भवती महिलाओं, 5 साल से कम उम्र के बच्चों, बुजुर्गों और एक साथ कई बीमारियों वाले लोगों के लिए विशेष ध्यान दें।

देश में...

के मामले तेजी से बढ़े हैं, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने उन्हें निषिद्ध क्षेत्रों के ट्रेंड का विश्लेषण करने और सूक्ष्म योजनाओं को उचित तरीके से लागू करते हुए स्थिति में सुधार करने को कहा है। ये पांच राज्य हैं उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश। कई राज्य अपने यहां बढ़ रहे कोविड-19 के मामलों के लिए श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से अन्य राज्यों से लौट रहे लोगों को जिम्मेदार बता रहे हैं। गौरतलब है कि लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे कामगारों को उनके घर पहुंचाने के लिए एक मई से विशेष ट्रेनें चल रही हैं साथ ही उसी दिन से विशेष विमानों से लोगों को विदेश से वापस लाया जा रहा है। इतना ही नहीं, सोमवार से चरणबद्ध तरीके से घरेलू विमान सेवा भी बहाल हो गई है। कुछ विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि प्रवासी श्रमिक लौट कर जिन क्षेत्रों में जा रहे हैं वहां सघन निगरानी की जाए। हालांकि, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में इलाज के बाद कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की दर बढ़ रही है और यह कई देशों के मुकाबले बेहतर है। संवाददाता सम्मेलन में स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा, हमारे देश में लोगों के संक्रमण मुक्त होने की दर बेहतर हो रही है और वर्तमान में यह 41.61 प्रतिशत है। कोविड-19 से मरने वालों का आंकड़ा 15 अप्रैल के 3.3 प्रतिशत से कम होकर फिलहाल 2.87 प्रतिशत हो गया है जो दुनिया में सबसे कम है।

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन का...

को छोड़कर कोई प्रमुख दुष्प्रभाव नहीं पाया है। इसलिए हम हमारे परामर्श में सिफारिश करते हैं कि इसका इस्तेमाल बचाव के लिए जारी रखना चाहिए क्योंकि इससे कोई हानि नहीं है। लाभ जरूर हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट तौर पर सलाह दी गई है कि एचसीक्यू भोजन के साथ लेनी चाहिए, खाली पेट नहीं। उन्होंने कहा, हमने इस बात पर भी जोर दिया है कि इलाज के दौरान ईसीजी किया जाना चाहिए। हमने एचसीक्यू के संभावित लाभ पर विचार करते हुए इसका इस्तेमाल स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के अलावा कोविड-19 की रोकथाम में अग्रिम मोर्चे पर लगे कर्मियों पर भी करना शुरू किया है। भार्गव, कोविड-19 पर देश में स्थिति को लेकर एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। वहां उन्होंने उल्लेख किया कि आईसीएमआर ने जांच सुविधाएं बढ़ाई हैं और प्रतिदिन एक लाख से अधिक व्यक्तियों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि देश में कोविड-19 मामलों के ठीक होने की दर में वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गई है। उन्होंने कहा, देश में ठीक होने की दर में सुधार जारी है और यह वर्तमान में 41.61 प्रतिशत है। कोविड-19 से मृत्यु की दर 15 अप्रैल को 3.3 प्रतिशत से कम होकर 2.87 प्रतिशत हो गई है जो कि विश्व में सबसे कम है।

पायनियर
नई दिल्ली , बुधवार, 27 मई, 2020

आईसीसी ने पिछले दस साल में क्रिकेट को खत्म कर दिया है : अख्तर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उसने पिछले दस साल में क्रिकेट को खत्म करके घुटनों के बल ला दिया है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर मांजरेकर के साथ बातचीत में शोएब ने सफेद गेंद के क्रिकेट में खेलने के कुछ नियमों पर नाराजगी जताई जिसने इस प्रारूप को बल्लेबाजों का मददगार बना दिया है। मांजरेकर ने उनसे पूछा था कि सीमित ओवरों के मैच में तेज गेंदबाज धीमे हो रहे हैं और स्पिनर तेज गेंद डाल रहे हैं, इस पर आपका क्या कहना है।

स्थानीय अंपायरों की अनुभवहीनता के कारण टेस्ट में अतिरिक्त रिव्यू का सुझाव दिया : कुंबले

नई दिल्ली। आईसीसी क्रिकेट समिति के प्रमुख अनिल कुंबले ने कहा है कि स्थानीय अंपायरों की अनुभवहीनता के कारण उन्होंने टेस्ट में अतिरिक्त रिव्यू का सुझाव दिया है। कोरोना वायरस महामारी से उबरने के बाद क्रिकेट की बहाली होने पर संभवतः स्थानीय अंपायर ही टेस्ट मैचों में अंपायरिंग करेंगे। गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक के सुझाव के अलावा कुंबले की अगुवाई वाली आईसीसी क्रिकेट समिति ने टेस्ट क्रिकेट में स्थानीय अंपायरों और अतिरिक्त रिव्यू का भी सुझाव दिया है।

मादक पदार्थ रखने के आरोप में श्रीलंकाई क्रिकेटर का अनुबंध रद्द

कोलंबो। श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को तेज गेंदबाज शेहान मधुशंका को खेल के सभी रूपों से निलंबित कर दिया था। उन्हें दो दिन पहले हेरोइन रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दाएं हाथ के मध्यम गति के इस तेज गेंदबाज और उसके एक दोस्त को 23 मई दो ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। पच्चीस साल के इस गेंदबाज ने 2018 में बांग्लादेश के खिलाफ अपने पदार्पण मैच में हैट्रिक ली थी। वह वनडे क्रिकेट में ऐसा कारनामा करने वाले चौथे गेंदबाज बने थे। उन्होंने एक दिवसीय के अलावा दो टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले है। इसके बाद चोट के कारण वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर है। एससीएल के सचिव मोहन डिसिल्वा ने कहा कि उन्होंने आंतरिक अनुशासनात्मक जांच के लंबित रहने तक इस क्रिकेटर को निलंबित कर दिया।

ईसीबी के विचार से द्रविड़ असहमत

● जैव सुरक्षित वातावरण में खेलना वास्तविक्ता से परे

भाषा। नई दिल्ली

पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने जैव सुरक्षित वातावरण में क्रिकेट खेले जाने के पक्षधर नहीं है और उन्होंने इसे वास्तविकता से परे करार दिया। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सबसे पहले इस तरह का विचार सामने लेकर आया था। ईसीबी कोविड–19 महामारी के बावजूद अपना क्रिकेट सत्र शुरू करने के लिए बेताब है। उसने हाल में घोषणा की थी वह पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखलाओं का आयोजन जैव सुरक्षित स्थलों पर करेगा। लेकिन दिग्गज बल्लेबाज द्रविड़ इस विचार से सहमत नहीं हैं। द्रविड़ ने गैर सरकारी संगठन युवा के समर्थन में आयोजित वेबिनार के दौरान कहा, ईसीबी जिन चीजों की बात कर रहा है वे थोड़ा वास्तविकता से परे हैं। निश्चित तौर पर ईसीबी इन श्रृंखलाओं के आयोजन का इच्छुक है क्योंकि वहां और किसी तरह की क्रिकेट नहीं खेली जा रही है। यहां तक कि अगर वे जैव सुरक्षित वातावरण तैयार करने में सफल रहते हैं और उसमें मैचों का आयोजन करते हैं लेकिन मुझे लगता है कि जिस तरह का कार्यक्रम है, जिस तरह से यात्राएं करनी पड़ती हैं और जिस तरह से इसमें कई लोग शामिल होते हैं, उन्हें देखते हुए हर किसी के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। ईसीबी ही नहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी सुझाव दिया है कि भारत के खिलाफ प्रस्तावित श्रृंखला जैव सुरक्षित वातावरण में आयोजित की जा सकती है। हम सभी उम्मीद कर रहे हैं कि समय के साथ चीजों में सुधार होगा और बेहतर दवाईयां मिलने पर स्थिति भी बेहतर होगी। जैव सुरक्षित वातावरण में आपको सभी तरह के परीक्षण करने होंगे, पृथकवास इसमें शामिल होगा और ऐसे में अगर टेस्ट मैच के दूसरे दिन कोई खिलाड़ी संक्रमित पाया जाता है तो फिर क्या होगा। अभी जो नियम है उसके अनुसार स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी आएंगे और सभी को पृथकवास पर रख देंगे। उन्होंने कहा कि इसका मतलब होगा कि टेस्ट मैच में बीच में समाप्त हो जाएगा और उस माहौल को तैयार करने की सारी कोशिशें भी बेकार चली जाएंगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख द्रविड़ ने कहा, हमें स्वास्थ्य विभाग और सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर कोई तरीका ढूंढना होगा कि अगर कोई खिलाड़ी संक्रमित पाया जाता है तो पूरा टूर्नामेंट रद्द नहीं होगा। क्रिकेट सहित विश्व भर में सभी खेल गतिविधियां कोराना वायरस महामारी के कारण ठप्प पड़ी हैं। महामारी रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण खिलाड़ी अपने घरों में रहने को मजबूर हैं। पेशेवर स्तर पर खिलाड़ियों को परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना होगा और अपने प्रदर्शन को अधिक प्रभावित नहीं होने देने होगा। उन्हें इससे पार पाने का तरीका ढूंढना होगा।

ओलंपिक संघ के मतभेद उजागर

●आईओए अध्यक्ष ने नैतिक्ता आयोग को भंग किया, महासचिव ने पुनः बहाल किया

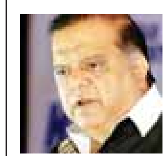

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के शीर्ष पदाधिकारियों के बीच मतभेद खुलकर उजागर हुए जब उसके महासचिव राजीव मेहता ने नैतिकता आयोग को भंग करने के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा के फैसले को अवैध करार दिया। बत्रा और मेहता के बीच पिछले कुछ समय से तनातनी चल रही है और आईओए अध्यक्ष ने हाल में बयान दिया था कि वह महासचिव से अधिकांश जिम्मेदारियां वापस ले लेंगे। मेहता ने इस पर पलटवार करते हुए कहा था कि आईओए का रोजमर्रा का काम देखना उनकी जिम्मेदारी है। दोनों के बीच हालिया रस्साकशी सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति वीके गुप्ता की अगुआई वाले आईओए के नैतिकता आयोग के कार्यकाल को बढ़ाने को लेकर है। इस आयोग को 2017 में नियुक्त किया गया था। मेहता ने कार्यकारी परिषद के सदस्यों, राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) और राज्य ओलंपिक इकाइयों को पत्र लिखकर कहा कि अध्यक्ष का 19 मई 2020 के पत्र के जरिए आईओए नैतिकता आयोग (2017–2021) को भंग करना अवैध पाया गया है और आयोग को पुनः बहाल किया जाता है। आईओए के विधि विभाग के चेयरमैन इस मामले की जांच करेंगे। आईओए की कार्यकारी परिषद की अगली बैठक में आयोगासमितियों के मुद्दों पर चर्चा होगी।

आईओए ने चुनाव के लिए पर्यवेक्षक चुनने को पेनल बनाया,

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने 2020-21 में होने वाले आईओए सदस्यों के चुनाव के लिए पर्यवेक्षकों को चुनने के मकसद से अपने उपाध्यक्ष वी डी नानावटी की अध्यक्षता में तीन सदस्ईय समिति का गठन किया। इसके अन्य सदस्य बी पी वैश्य और के गोविंदराज होंगे। आईओए ने 2020-21 के लिए पूर्वोत्तर समिति भी बनाई जो पूर्वोत्तर राज्यों में खेलों के विकास पर काम करेगी।

धोनी ने बलबीर सिंह को याद किया

● कहा था, आपकी जीत से मेरी सेहत बेहतर होती है

भाषा। चंडीगढ़

बलबीर सिंह सीनियर के नाम के साथ हॉकी अभिन्न रूप से जुड़ा है लेकिन यह महान खिलाड़ी भी भारत के सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट की चमक से अछूता नहीं रहा और एक बार उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को कहा था कि आपकी जीत से मेरी सेहत बेहतर होती है। धोनी के साथ उनकी मुलाकात चार साल पहले हुई थी जब भारतीय टीम आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपने विश्व टी20 मुकाबले से पहले मोहाली के पीसीए स्टेडियम में थी। बलबीर सीनियर मैच से पहले भारतीय टीम को शुभकामनाएं देना चाहते थे। धोनी ने उन्हें धन्यवाद दिया और उनके स्वास्थ्य के बारे में पूछा जिस पर इस दिग्गज ने हंसते हुए जवाब दिया था, आपकी जीत से मेरी सेहत बेहतर होती है। उस समय 92 बरस के बलबीर सीनियर ने कहा था, मैं टीम को तीसरा विश्व खिताब जीतने और स्वर्णिम हैट्रिक पूरी करने की शुभकामना देने आया हूं। भारत ने तब आस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी लेकिन इसके बाद सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज से हार गई थी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईसीसी) ने आधुनिक ओलंपिक इतिहास के जिन 16 महान खिलाड़ियों का चयन किया था उसमें बलबीर सीनियर एकमात्र भारतीय थे। ओलंपिक के पुरुष हॉकी फाइनल में किसी खिलाड़ी द्वारा सर्वाधिक गोल दागने का रिकॉर्ड अब भी उनके नाम दर्ज है। उन्होंने 1952 हेलसिंकी ओलंपिक खेलों के पुरुष हॉकी फाइनल में नीदरलैंड पर भारत की 6–। की जीत में पांच गोल किए थे। बलबीर सीनियर को 1957 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया और वह 1975 में विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के मैनेजर भी रहे।

भारत के सामने सबसे भीषण मंदी का संकट : क्रिसिल

भाषा। नई दिल्ली

साख निर्धारण कंपनी क्रिसिल ने मंगलवार को कहा कि भारत अबतक की सबसे खराब मंदी की स्थिति का सामना कर रहा है। उसने कहा कि आजादी के बाद यह चौथी और उदारीकरण के बाद पहली मंदी है तथा यह संभवतः सबसे भीषण है।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार कोरोना वायरस महामारी तथा उसकी रोकथाम के लिए जारी लॉकडाउन (बंद) से अर्थव्यवस्था में चालू वित्त वर्ष में 5 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका है। क्रिसिल ने भारत के जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के आकलन के बारे में कहा, पहली तिमाही (अप्रैल से जून) में 25 प्रतिशत की बड़ी गिरवट की आंशका है। वास्तविक आधार पर करीब 10 प्रतिशत जीडीपी स्थाई तौर पर खत्म हो सकती है। ऐसे में हमने महामारी से पहले जो वृद्धि दर देखी है, अगले तीन वित्त वर्ष तक उसे देखना या हासिल करना मुश्किल होगा। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार पिछले 69 साल में देश में केवल तीन बार-वित्त वर्ष 1957–58, 1965–66 और 1979–80...में मंदी की स्थिति आई है। इसके लिए हर बार कारण एक ही था और वह था मानसून का झटका जिससे खेती–बाड़ी पर असर पड़ा और फलस्वरूप अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा प्रभावित हुआ। क्रिसिल ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2020–21 में मंदी कुछ भिन्न है क्योंकि इस बार कृषि के मोर्चे पर राहत है और यह मानते हुए कि मानसून सामान्य रहेगा, यह झटके को कुछ मंद कर सकता है। प्रवृत्ति के अनुसार इसमें वृद्धि का अनुमान है। कोरोना वायरस महामारी ओर उसकी रोकथाम के लिए लॉकडाउन से आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं।

बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमानः एसबीआई रिपोर्ट

मुंबई। देश की जीडीपी वृद्धि दर के बीते वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन के चलते आर्थिक गतिविधियां थम गई, जिसका असर आर्थिक वृद्धि पर हुआ। एसबीआई की शोध रिपोर्ट इकोरैप के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि के पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में 4.2 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2020-21 में नकारात्मक 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) 29 मई को वित्त वर्ष 2020 की चौथी तिमाही के जीडीपी वृद्धि के आंकड़ो की घोषणा करेगा। पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि घटकर सात साल के निचले स्तर 4.7 प्रतिशत पर आ गई थी। वित्त वर्ष 20202 की पहली और दूसरी तिमाही में वृद्धि दर क्रमशः 5.1 प्रतिशत और 5.6 प्रतिशत थी।

टाटा ट्रस्ट ने कोविड-19 के इलाज का प्रशिक्षण देने के लिए गठजोड़ किया

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट ने मंगलवार को कहा कि उसने ऑनलाइन प्रशिक्षण के जरिए कोविड-19 के इलाज और देखभाल में स्वास्थ्य पेशेवरों की दक्षता बढ़ाने के लिए दो चिकित्सा संस्थानों के साथ गठजोड़ किया है। इस परोपकार संगठन ने इस पहल के लिए टाटा समूह के साथ ही क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज (सीएमसी), वेल्लोर और केयर इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज (सीआईएचएस), हैदराबाद के साथ साझेदारी की है। टाटा ट्रस्ट ने एक बयान में कहा कि इसके तहत कोविड-19 देखभाल के बारे में चिकित्सा पेशेवरों के लिए 22 घंटे का मुफ्त ऑनलाइन प्रशिक्षण तैयार किया गया है। टाटा ट्रस्ट का मानना है कि महत्वपूर्ण देखभाल प्रबंधन में विशेषज्ञता वाले आईसीयू चिकित्सकों और गंभीर देखभाल प्रबंधन में दक्ष लोगों को बड़ी संख्या में चिकित्सकों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ की मदद की जरूरत होगी। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मकसद गैर-आईसीयू पेशेवरों को गंभीर देखभाल के मूलभूत सिद्धांतों और तौरतरीकों से परिचित कराना है।

PUBLIC NOTICE

Know all men by these presents that my clients Naresh Gupta S/o Shri Madan Lal Gupta and Smt. Neha Gupta W/o Naresh Gupta (Husband- wife) both R/o C/19-E, MIG Flats, G-8 Area, Vatika Apartments, Rajouri Garden, New Delhi-110064 do hereby disown and debar their younger son namely Arpit Gupta from all their movable and immovable properties because he is out of control of my clients.

Anybody dealing with him shall be doing so at his/her/their own risk, cost and responsibility whatsoever. My clients will not be held responsible in any manner for any of his give and take, act, deed and things done in future.

Sd/- B.B.N. DEO, ADVOCATE,
S.R. II,B.Campus,janakpuri, new delhi-58

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मेरी पक्षकार सविता देवी अपनी संपत्ति न. 405, वॉर्ड न. 4, खसरा न. 1151/3 मिन, गाँव महरौली, नयी दिल्ली को न्यू हेबिटेट हाउसिंग फाइनान्स एंड डेवेलपमेंट लिमिटेड के साथ बंधक रख रही है, सविता देवी ने उक्त संपति से सम्बंधित मूल विक्रय विलेख जिसे मुरारी लाल शर्मा ने सुदेश अगरवाल के पक्ष में किया था, जिसका पंजीकरण उप पंजीयक – दिल्ली, में क्रमांक न. 2867 पर दिनांक 22.05.1995 को हुआ था और मुख्तयार नामा, इकरारनामा, वसीयतनामा दिनांक 04.08.2006, जिसे वीरेंदर कुमार ने पायल चाहवा के पक्ष में किया था, को खो दिया है, जिसके बारे में लिखित शिकायत दिल्ली पुलिस में दिनांक 26.05.2020 को की गई है, अतः यह सूचित किया जाता है की उक्त विलेख के आधार पर किसी प्रकार की कोई भी इकरार, बिक्री, बंधक आदि सिवाय सविता देवी और उक्त संस्था के बीच, मान्य नही होगा अतः अगर किसी भी व्यकित को उक्त विक्रय विलेख मिला है या किसी को उक्त संपति के सम्बन्ध में कोई दावा या अधिकार है तो वह व्यक्ति इस प्रकाशन के 7 दिनों के अंदर नीचे लिखे न. पर संपर्क कर के उक्त दस्तावेज को सौंप दे तथा अपने दावे की जानकारी दे दे

एडरेम लिगल सल्यूशन
चैंबर न. 760, द्वारका कोर्ट
सेक्टर–10, द्वारका, नई देल्ही–75
मो – 9899013918

PUBLIC NOTICE

To be known to all that my client Priya Darshan Singh S/o Harbhjan Singh R/o SFS Flat No. 56-B, First Floor, Pocket-B, Vikaspuri, New Delhi-110018 allottee of Flat No. 56-B, Floor First, Pocket-B, Vikaspuri, New Delhi-110018 Category SFS in the area of Vikaspuri, New Delhi-110018 has applied for conversion of the aforesaid flat from lease hold to free hold vide File No. 88(3486)83/SFS-II/VP in DDA. The Original documents i.e. DDA Demand Letter Fifth and Final, NOC for Water and Electricity and Site Possession Slip of the above Flat have been lost. An FIR to this effect has been lodged vide LR No. 323869/2020 dated 26-05-2020 with Crime Branch, Delhi.

Any Person(s) claiming any right, interest, having any objection or found in possession of original documents may write/contact with above named person at above address/ Phone No.9810669230 within 15 days from the date of publication of this notice. The person claiming any right, interest, objection with respect to this property can personally inform or write to Dy. Director (LAB) H or D Block, 3rd Floor, Vikas Sadan, INA, New Delhi.

Sd/-SUBHASH C. RAWAT, ADVOCATE
UGF-15,Jaina Twr-II,Distt.Centre, Janakpuri,ND-58

कार्यालय ग्राम पंचायत रोरी, विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद।

पंत्राकः– 01/07/पं/पंजीकरण/विकास कार्य/2020–21

दिनांकः– 23/05/2020

ठेकेदार पंजीकरण/नवीनीकरण सूचना वर्ष 2020–21

ग्राम पंचायत रोरी विकास खण्ड भोजपुर गाजियाबाद के प्रस्ताव संख्या 5 दिनांक 18/05/2020 के क्रम में समस्त शासकीय विभागो एवं ग्राम पंचायत रोरी विकास खंड भोजपुर जनपद गाजियाबाद के पंजीकृत ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि ग्राम निधि–प्रथम में प्राप्त धनराशि यथा चतुर्थ/पंचम राज्य वित्त आयोग, 14वा/15वा वित्त आयोग की धनराशि से ग्राम रोरी की सीमान्तर्गत विकास कार्यो को कराने हेतु वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए ठेकेदारी पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु पंजीकरण किए जा रहे है। जिसके लिए अपेक्षित प्रमाण पत्र निम्नानुसार है।

(1) आवेदन पत्र/प्रार्थना पत्र (2) वित्तीय स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी महोदय से जारी हैसियत प्रमाण पत्र जिसका मूल्य कम से कम 10 लाख हो। (3) जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र। (4) जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी मूल निवास प्रमाण पत्र। (5) 2 नवीनतम फोटो एवं स्व प्रमाणित आधार कार्ड की छायाप्रति। (6) आयकर विभाग के पिछले 2 वर्षो के आयकर रिटर्न कि प्रति एवं पेन कार्ड कि स्व प्रमाणित प्रति। (7) जीएसटी विभाग से जारी जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र कि सत्यापित प्रतिलिपि एवं जीएसटी विभाग कि एनओसी। (8) स्वामित्व/पार्टनरशिप कि सत्यापित छायाप्रति। (9) श्रम विभाग का पंजीकरण प्रमाणपत्र। (10) इस आशय का शपथ पत्र कि फर्म का मालिक अथवा पार्टनर ग्राम पंचायत के किसी भी सदस्य प्रधान पंचायत सचिव या किसी अन्य कर्मचारी का रिश्तेदार या सगा संबंधी न हो। (11) 100/– रूपये के स्टाम्प पेपर पर स्व घोषना पत्र। (12) पिछले वर्ष में किए गए सड़क/भवन निर्माण/विकास कार्यो के विवरण कि सूची। (13) सभी अनुभव प्रमाण पत्र। (14) पार्टनरशिप फर्म के लिए रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। (15) पिछले वित्तीय वर्ष कि फर्म कि बैंक स्टेटमेंट। (16) फर्म का मालिक के अतिरिक्त कोई अन्य उसके आदेश पर फर्म का कार्य करता है तो उसका मुख्तारनामा एवं इसी प्रकार पार्टनशिप फर्म का मुख्तारनामा के साथ दिनांक 15 जून 2020 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है, उक्त पंजीकरण हेतु शुल्क की धनराशि अंकन रूपये 5000/– (पांच हजार) है जिसको नगद अथवा ग्राम पंचायत के बैंक खाते मे जमा किए जा सकते है और बैंक जमा पर्ची को कार्यालय में जमा कर रसीद प्राप्त की जा सकती है।

यदि किसी आवेदनकर्ता द्वारा अपने पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं किया जाता है तो यह माना जाएगा कि उक्त ठेकेदार को ग्राम पंचायत रोरी विकास खंड भोजपुर जनपद गाजियाबाद में ठेकेदारी व्यवसाय नहीं करना है। नियत तिथि के उपरोत कोई भी आवेदन पत्र मान्य नहीं होगा। उपरोक्त पंजीकरण के संबंध में अन्य जानकारी एवं समस्त प्रपत्र/घोषणापत्र किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय ग्राम पंचायत रोरी विकास खंड भोजपुर जनपद गाजियाबाद में की जा कसती हैं।

हस्ता/–
नितिन जैन
पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत रोरी
विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद

हस्ता/–
श्रीमति शकुंतला देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत रोरी
विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद

कार्यालय ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला, विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद।

पंत्राकः– 01/07/पं/पंजीकरण/विकास कार्य/2020–21

दिनांकः– 23/05/2020

ठेकेदार पंजीकरण/नवीनीकरण सूचना वर्ष 2020–21

ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला विकास खण्ड भोजपुर गाजियाबाद के प्रस्ताव संख्या 5 दिनांक 15/05/2020 के क्रम में समस्त शासकीय विभागो एवं ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला विकास खंड भोजपुर जनपद गाजियाबाद के पंजीकृत ठेकेदारो को सूचित किया जाता है कि ग्राम निधि–प्रथम में प्राप्त धनराशि यथा चतुर्थ/पंचम राज्य वित्त आयोग, 14वा/15वा वित्त आयोग की धनराशि से ग्राम हृदयपुर मंडोला की सीमान्तर्गत विकास कार्यो को कराने हेतु वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए ठेकेदारी पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु पंजीकरण किए जा रहे है। जिसके लिए अपेक्षित प्रमाण पत्र निम्नानुसार है।

(1) आवेदन पत्र/प्रार्थना पत्र (2) वित्तीय स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी महोदय से जारी हैसियत प्रमाण पत्र जिसका मूल्य कम से कम 10 लाख हो। (3) जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र। (4) जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी मूल निवास प्रमाण पत्र। (5) 2 नवीनतम फोटो एवं स्व प्रमाणित आधार कार्ड की छायाप्रति। (6) आयकर विभाग के पिछले 2 वर्षो के आयकर रिटर्न कि प्रति एवं पेन कार्ड कि स्व प्रमाणित प्रति। (7) जीएसटी विभाग से जारी जीएसटी पंजीकरण प्रमाण पत्र कि सत्यापित प्रतिलिपि एवं जीएसटी विभाग कि एनओसी। (8) स्वामित्व/पार्टनरशिप कि सत्यापित छायाप्रति। (9) श्रम विभाग का पंजीकरण प्रमाणपत्र। (10) इस आशय का शपथ पत्र कि फर्म का मालिक अथवा पार्टनर ग्राम पंचायत के किसी भी सदस्य प्रधान पंचायत सचिव या किसी अन्य कर्मचारी का रिश्तेदार या सगा संबंधी न हो। (11) 100/– रूपये के स्टाम्प पेपर पर स्व घोषना पत्र। (12) पिछले वर्ष में किए गए सड़क/भवन निर्माण/विकास कार्यो के विवरण कि सूची। (13) सभी अनुभव प्रमाण पत्र। (14) पार्टनरशिप फर्म के लिए रजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। (15) पिछले वित्तीय वर्ष कि फर्म कि बैंक स्टेटमेंट। (16) फर्म का मालिक के अतिरिक्त कोई अन्य उसके आदेश पर फर्म का कार्य करता है तो उसका मुख्तारनामा एवं इसी प्रकार पार्टनशिप फर्म का मुख्तारनामा के साथ दिनांक 15 जून 2020 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते है, उक्त पंजीकरण हेतु शुल्क की धनराशि अंकन रूपये 5000/– (पांच हजार) है जिसको नगद अथवा ग्राम पंचायत के बैंक खाते मे जमा किए जा सकते है और बैंक जमा पर्ची को कार्यालय में जमा कर रसीद प्राप्त की जा सकती है।

यदि किसी आवेदनकर्ता द्वारा अपने पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु निर्धारित तिथि तक आवेदन नहीं किया जाता है तो यह माना जाएगा कि उक्त ठेकेदार को ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला विकास खंड भोजपुर जनपद गाजियाबाद में ठेकेदारी व्यवसाय नहीं करना है। नियत तिथि के उपरोत कोई भी आवेदन पत्र मान्य नहीं होगा। उपरोक्त के अतिरिक्त पंजीकरण के संबंध में अन्य जानकारी एवं समस्त प्रपत्र/घोषणापत्र किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला विकास खंड भोजपुर जनपद गाजियाबाद में की जा कसती हैं।

हस्ता/–
नितिन जैन
पंचायत सचिव
ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला
विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद

हस्ता/–
श्र मदनपाल
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत हृदयपुर मंडोला
विकास खण्ड भोजपुर, गाजियाबाद

अमेरिका की एक कंपनी ने कोरोना की दवा का मनुष्यों में परीक्षण शुरू करने की घोषणा की

भाषा । कैनबरा

अमेरिका की एक बायोटेक्नोलॉजी कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस संक्रमण की दवा का मनुष्यों में परीक्षण शुरू करने की घोषणा की और इस महामारी की इसी वर्ष दवा आने की उम्मीद जताई है।

बायोटेक्नोलॉजी कंपनी नोवावैक्स के प्रमुख शोधकर्ता डॉ. ग्रिगोरी ग्लेन ने बताया कि कंपनी ने पहले चरण का परीक्षण शुरू कर दिया है जिसमें मेल्बर्न और ब्रिस्बेन शहरों के 131 स्वयंसेवियों पर दवा का परीक्षण किया जाएगा। ग्लेन ने नोवावैक्स के मैरीलैंड स्थित मुख्यालय से ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम दवा और टीकों का साथ-साथ यह सोच कर निर्माण कर रहे है कि हम दिखा पाएंगे कि यह कारगर है और वर्ष के अंत तक इसे लोगों के लिए उपलब्ध करा सकेंगे। गौरतलब है कि चीन, अमेरिका और यूरोप में करीब दर्जन भर प्रायोगिक दवाएं परीक्षण के प्रारंभिक चरण में हैं अथवा उनका परीक्षण शुरू होने वाला है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इनमें से कोई भी दवा सुरक्षित और कारगर साबित होगी भी या नहीं लेकिन कई दवाएं अलग-अलग तरीकों से काम करती हैं और भिन्न तकनीकों से बनाई गई हैं, इससे इस बात की उम्मीद बढ़ी है कि इनमें से कोई दवा सफल हो सकती हैं। नोवावैक्स ने पिछले माह असोसिएट प्रेस (एपी) से कहा था, हम जो दवा बनाते हैं उसमें हम वायरस को हाथ भी नहीं लगाते लेकिन अंततः यह रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए किसी वायरस जैसा ही प्रतीत होता है। उन्होंने कहा, यह वही तरीका है जिससे नोवावैक्स नैनोपार्टिकल जुकाम की दवा तैयार करती है।

भारतीय-अमेरिकी दंपति ने किफायती वेंटिलेटर तैयार किया

भाषा । वाशिंगटन

भारतीय मूल के अमेरिकी दंपति ने किफायती एवं वहनीय आपात वेंटिलेटर विकसित किया है जो जल्द ही उत्पादन स्तर तक पहुंच जाएगा और भारत तथा विकासशील देशों में कम कीमत पर उपलब्ध होगा ताकि चिकित्सकों को कोविड-19 मरीजों के इलाज में मदद मिल सके।

कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के दौरान पर्याप्त वेंटिलेटरों के अभाव की जानकारी होने पर, प्रतिष्ठित ज़ॉर्जिया टेक जॉर्ज डब्ल्यू वुडरफ स्कूल ऑफ मेकैनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर एवं सहायक प्रमुख देवेश रंजन और अटलांटा में फिजिशियन के तौर पर काम कर रहीं उनकी पत्नी कुमुद रंजन ने महज तीन हफ्ते के भीतर आपात वेंटिलेटर विकसित किया है। प्रोफेसर रंजन ने बताया, अगर आप बड़े स्तर पर इसका उत्पादन करते हैं, तो यह 100 डॉलर से कम कीमत पर तैयार किया जा सकता है। अगर निर्माता इसकी कीमत 500 डॉलर भी रखते हैं तो उनके पास बाजार से पर्याप्त लाभ कमाने का अवसर होगा। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के वेंटिलेटर की अमेरिका में औसत कीमत 10,000 डॉलर रुपए है। हालांकि, रंजन ने स्पष्ट किया कि उनके द्वारा विकसित वेंटिलेटर आईसीयू वेंटिलेटर नहीं है जो अधिक परिष्कृत होता है और जिसकी कीमत अधिक होती है। उन्होंने बताया कि यह ओपन-एयरवेंटजीटी वेंटिलेटर सांस संबंधी बीमारी से निपटने के लिए विकसित किया गया है जो कोविड-19 मरीजों में एक आम लक्षण है जिससे उनके फेफड़े अकड़ जाते हैं और उनको सांस लेने के लिए वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत होती है।

जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में विकसित इस वेंटिलेटर में इलेक्ट्रॉनिक सेंसर और कंप्यूटर कंट्रोल का इस्तेमाल किया गया है जो महत्वपूर्ण क्लिनिकिल मानकों जैसे सांस चलने की गति, प्रत्एक चक्र में फेफड़ों में आने-जाने वाली वायु, सांस लेना-छोड़ना और फेफड़ों पर दबाव को देखते हैं। डॉ कुमुद ने बताया, इस परियोजना का मकसद कम कीमत वाला अस्थाई वेंटिलेटर बनाना था जो फिजिशियनों की मदद कर सके।

बाल्टीमोर में फोर्ट मैकहेनरी राष्ट्रीय स्मारक और ऐतिहासिक श्राइन में एक स्मृति दिवस समारोह में भाग लेते राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप

सुरक्षा कानून स्वतंत्रता के लिए खतरा नहीं

भाषा । हांगकांग

● हांगकांग की मुख्य कार्यकारी कैरी लैम ने संवाददाताओं से कहा

हांगकांग की शीर्ष नेता ने मंगलवार को कहा कि चीन द्वारा प्रस्तावित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून इस अर्द्ध-स्वायत्त क्षेत्र के नागरिक अधिकारों के लिए कोई खतरा पैदा नहीं करता।

हांगकांग की मुख्य कार्यकारी कैरी लैम ने संवाददाताओं से कहा चीन की औपचारिक नेशनल पीपुल्स कांग्रेस जिस कदम पर विचार कर रही है उससे हमें चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, हांगकांग ने यह साबित किया है कि हम उन मूल्यों को बरकरार और संरक्षित रखते है। उन्होंने कहा, हांगकांग के लोगों की बड़ी आबादी के ज्यादा फायदे के लिए विधेयक के इस भाग की जरूरत है। लैम ने कहा कि हांगकांग के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में एक जून से ट्रांजिट सेवा शुरू हो जाएगी लेकिन कोरोना वायरस को रोकने के लिए उठाए गए कदमों के तहत विदेश से किसी को यहां आने की इजाजत नहीं दी जाएगी। चीन के इस नए कानून को हांगकांग में पिछले साल लोकतंत्र की मांग को लेकर चले विरोध प्रदर्शनों के बाद, उस पर ज्यादा नियंत्रण स्थापित करने की सरकार की मंशा के तौर पर देखा जा रहा है। चीन ने हांगकांग के लिए नया प्रतिनिधि नियुक्त किया है, जो चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग द्वारा स्थापित कड़े नियमों का पालन कर रहा है। अमेरिका ने इस प्रस्तावित कानून की तीखी आलोचना की है और हांगकांग के साथ तरजीही व्यापार दर्जे को भी समाप्त करने की धमकी दी है। चौतरफा आलोचनाओं ने बीच लैम ने कहा कि हांगकांग पर कानून लागू करने के संबंध में कुछ विदेशी नेताओं ने सच्चाई से परे विचार जाहिर किए हैं। उन्होंने आतंकवाद और चरमपंथ पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने उन दावों को दोहराया कि यह कानून केवल एक अल्पसंख्यक समूह पर केन्द्रित होगा।

रूस में सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त चार लोगों की मौत

मॉस्को। रूस का एक सैन्य हेलिकॉप्टर सुदूर पूर्वी क्षेत्र चुकोत्का में हवाई अड्डा क्षेत्र में उतरते समय मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी चारों लोग हादसे में मारे गए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण एमआई-8 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चुकोत्का के गवर्नर के अनुसार हादसे में हेलिकॉप्टर में सवार चालक दल के तीनों सदस्य और एक तकनीकी विशेषज्ञ मारा गया।पिछले एक सप्ताह के अंदर सेना का यह दूसरा एमआई-8 हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ है। 19 मई को हुए हादमें में चालक दल के तीन सदस्य मारे गए थे।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री के शीर्ष सहयोगी के लॉकडाउन के उल्लंघन पर उपमंत्री ने दिया इस्तीफा

भाषा । लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा लॉकडाउन के नियमों के उल्लंघन पर अपने शीर्ष सहयोगी डोमिनिक कमिंग्स का समर्थन करने के कारण मंत्रिमंडल के एक उप मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री के मुख्य रणनीतिक सलाहकार डोमिनिक कमिंग्स को संवाददाता सम्मेलन करने की इजाजत दी गई, जिसके बाद उन्हें सोमवार शाम मीडिया के कई सवालों का सामना करना पड़ा। पिछले कुछ दिनों से कमिंग्स को लेकर जॉनसन पर अपने ही पार्टी और दूसरे दलों के नेता सवाल उठा रहे थे।

घटनाक्रम पर स्कॉटलैंड के लिए उप मंत्री डगलस रॉस ने इस्तीफा देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि संकट के बीच कमिंग्स ने अपने पैतृक घर जाने लिए 400 किलोमीटर की यात्रा की और उनके द्वारा दिए गए जवाब से अधिकतर लोग संतुष्ट नहीं हैं। अपने इस्तीफे में रॉस ने कहा, हो सकता है कि उनकी मंशा अच्छी हो। लेकिन इस पर आई प्रतिक्रिया दिखाती है कि लोग उनके जवाब से सहमत नहीं हैं। कमिंग्स ने 31 मार्च को उत्तर-पूर्वी इंग्लैंड में डरहम की अपनी यात्रा का बचाव किया। उन्होंने कहा, एक पिता होने के नाते अपने बेटे और पत्नी के लिए मुझे हर मुमकिन कदम उठाना था। हमारा सौभाग्य है कि हम इस संक्रमण की चपेट में नहीं आए हैं लेकिन अगर हमने ऐसा किया तो हम सरकारी सलाह का पालन करने और संक्रमण को रोकने के लिए घर पर रहने को तैयार हैं। रॉस ने कहा कि सरकार का हिस्सा होने के नाते उन्हें नियमों का पालन करना चाहिए था। जॉनसन पर अपने सलाहकार को हटाने का दबाव था लेकिन उम्मीद थी कि कमिंग्स के संवाददाता सम्मेलन से विवाद को खत्म करने में मदद मिलेगी। लेकिन, उप मंत्री के इस्तीफे से मीडिया का ध्यान शायद ही बंटेगा और आलोचक कह रहे हैं कि कमिंग्स के कदम से गलत संदेश जाएगा।

क्विक न्यूज

चीन में कोरोना वायरस के 36 नए मामले

बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस के 36 नए मामले सामने आए हैं, इनमें 29 मामले ऐसे हैं जिनमें संक्रमितों में कोविड-19 के कोई लक्षण नहीं थे। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि अधिकतर मामले वुहान में सामने आए हैं, जहां अभी तक 65 लाख लोगों की जांच की जा चुकी है।देश के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि नए मामलों में से सात लोग बाहर से आए हैं। पांच भीतरी मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र से और शंघाई तथा फूजियन से एक-एक व्यक्ति है। उसने बताया कि कोविड-19 से सोमवार को किसी की जान नहीं गई। वहीं विदेश से आए 28 लोग सहित बिना संक्रमण के लक्षण वाले 403 लोग देशभर में चिकित्सीय निगरानी में हैं।एनएचसी ने बताया कि सोमवार तक देश में कोविड-19 के 82,992 मामले थे और 4,634 लोगों की मौत हो चुही है।

दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 19 नए मामले

सियोल। दक्षिण कोरिया में कोरोना वायरस के 19 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 11,225 हो गए हैं।अधिकारियों ने बताया कि नए मामलों में अधिकतर सियोल से हैं। दक्षिण कोरिया के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केन्द्र ने मंगलवार को बताया कि संक्रमण से दो और लोगों की जान जाने से मरने वालों की संख्या अब 269 हो गई है। उन्होंने बताया कि 19 नए मामलों में से तीन लोग विदेश से आए हैं।दक्षिण कोरिया में पिछले दो सप्ताह से संक्रमण के रोजाना करीब 20 नए मामले सामने आ रहे हैं।

दो महीने बाद सार्वजनिक स्थल पर नजर आए बाइडन

न्यू कैसल (अमेरिका)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी से प्रबल दावेदार जो बाइडन पिछले दो महीने में पहली बार सार्वजनिक स्थल पर नजर आए। बाइडेन को डेलवेयर में अपने घर के निकट पूर्व सैनिकों की याद में बने एक पार्क में स्मरण दिवस के मौके पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए देखा गया। बाइडन ने कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर 10 मार्च को क्लीवलैंड में अपनी रैली अचानक रद्द कर दी थी और इसके बाद से वह विलमिंग्टन स्थित अपने घर से ही राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान से जुड़े काम कर थे। सोमवार को जब बाइडन सार्वजनिक स्थान पर नजर आए तो उन्होंने मास्क लगाया था जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप स्वास्थ्य अधिकारियों की सलाह के बाद भी ऐसा नहीं कर रहे हैं। पार्क में बाइडन और उनकी पत्नी जिल ने सफेद फूल चढ़ाए और कुछ देर का मौन रखा। इसके बाद उन्होंने कहा, इन पुरुषों और महिलाओं ने जो बलिदान दिए, उसे कभी भूलना नहीं चाहिए, कभी भी नहीं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, मुझे बाहर आकर अच्छा लग रहा है। उनके पार्क में मौजूद होने की जानकारी लोगों को नहीं थी क्योंकि इस संबंध में उन्होंने कोई सूचना नहीं दी थी। हालांकि इस स्तर पर भी सार्वजनिक तौर पर बाहर निकलना राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह अभियान कोरोना वायरस संकट की वजह से पहले ही थम सा गया है। बाइडन का अब बाहर आना इस ओर इशारा है कि वह चुनाव में बाकी बचे करीब पांच महीने सिर्फ घर पर बैठ कर नहीं गुजारेंगे। अमेरिका में कोरोना वायरस संक्रमण से मरनेवालों का आंकड़ा 100,000 तक पहुंचने जा रहा है।

इजराइल में फंसे करीब 115 भारतीयों को लेकर एअर इंडिया का विमान रवाना

बेन गुरियन हवाई अड्डा (तेल अवीव)। कोविड-19 से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण दो महीने से अधिक समय से इज़राइल में फंसे करीब 115 भारतीयों को लेकर एअर इंडिया का विमान मंगलवार को यहां से रवाना हो गया। इनमें छात्र, गर्भवती महिलाएं, नेपाली नागरिक प्रभा बस्कोता (एक भारतीय की पत्नी) और दिल्ली में नियुक्त पांच इज़राइली राजनयिक शामिल हैं। विमान ने अंतरराष्ट्रीय समयानुसार देर रात एक बजे उड़ान भरी। एआई140 विमान में सवार 121 यात्रियों में से 85 लोग मंगलवार को ही दिल्ली से कोच्चि जाएंगे। इनमें से अधिकतर लोगों ने अपने घरों के पास ही पृथक-वास में रहने की इच्छा जाहिर की है। इज़राइल में भारत के राजदूत संजीव सिंगला ने पीटीआई-भाषा से कहा, यह काफी मुश्किल समय है और वंदे भारत अभियान इज़राइल में हमारे छात्र और सेवाकर्मियों तक पहुंचने के भारत के कई प्रयासों में से एक है।

मैक्सिको सिटी में कोविड-19 के दौरान बेघर लोगों लिए निशुल्क भोजन परोसते एलजीटीबी कार्यकर्ता

इजराइल वेस्ट बैंक को अपने कब्जे में लेने की योजना के साथ आगे बढ़ेगा

भाषा । यरूशलम

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बचे अन्य हिस्सों को भी अपने देश में शामिल करेंगे। यह एक ऐसी योजना है जिसका विरोध उनके महत्वपूर्ण सहयोगी भी कर रहे हैं। वहीं व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ फलस्तीनी लोगों का मानना है कि पूरा वेस्ट बैंक उनका है। वह लगातार इसे लौटाने की मांग करते रहे हैं। फलस्तीन के लोग इस क्षेत्र को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हैं। इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा करना पूरी तरह से दो देश समाधान की उम्मीद को क्षीण कर देगा।

प्रत्यक्ष तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ दोस्ताना संबंध का हवाला देते हुए नेतन्याहू ने सोमवार को कहा कि इज़राइल के पास मध्यपूर्व के मानचित्र को फिर से बनाने का ऐतिहासिक मौका है और इसे गंवाना नहीं चाहिए। इज़राइल की मीडिया ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया है कि वह जुलाई में कदम उठाएंगे। उन्होंने अपने रूढ़िवादी लिकुड पार्टी के सदस्यों से कहा, यह एक ऐसा अवसर है जिसे हम जाने नहीं देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वेस्ट बैंक को कब्जे में लेने का इससे बड़ा ऐतिहासिक अवसर इज़राइल की 1948 में हुई स्थापना के बाद से अब तक नहीं मिला था। इन टिप्पणियों से अरब और यूरोपीय सहयोगियों के साथ इज़राइल के मतभेद बढ़ सकते हैं और वाशिंगटन में भी इज़राइल को लेकर पार्टियों के बीच विवाद और भी गहरा सकता है। इज़राइल ने मध्यपूर्व युद्ध में 1967 में वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था और वहां करीब 500,000 यहूदियों को बसा दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय विरोध की वजह से कभी भी उसने औपचारिक तौर पर इसे इज़राइल का क्षेत्र करार नहीं दिया। लेकिन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों की तुलना में ट्रंप का रुख इसको लेकर नरम रहा है। इस साल नवंबर में ट्रंप का राष्ट्रपति पद पर फिर से चुना जाना तय नहीं माना जा रहा है और ऐसे में इज़राइल में कट्टर रुख रखने वालों ने नेतन्याहू से अपील की है कि वह इस क्षेत्र में कब्जे की योजना को लेकर तेजी से कदम उठाएं।यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि इस तरह के कब्जे से अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होगा और इसे रोकने के लिए वे सभी राजनयिक क्षमताओं का इस्तेमाल करेंगे। वहीं इसको लेकर फलस्तीन ने इस्लामिक आतंकवादियों के खिलाफ साझा संघर्ष में इज़राइल के साथ रक्षा संबंध खत्म कर लिए हैं। पर्दे के पीछे इज़राइल के साथ सबंध रखने वाले प्रभावशाली अरब देश सऊद्री अरब ने भी इसका विरोध किया है और अरब लीग ने भी इसे युद्ध अपराध बताया है। वहीं जॉर्डन और मिस्र भी इसका विरोध कर रहे हैं। केवल इन्हीं दो अरब देशों के इजराइल के साथ शांतिपूर्ण संबंध हैं।

कोविड-19 : ब्रिटेन में 15 जून से खुलेंगी सभी खुदरा दुकानें

भाषा । लंदन

ब्रिटेन की सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन में ढील की घोषणा करते हुए कहा है कि 15 जून से गैर-आवश्यक वस्तुओं की बिक्री करने वाले सभी खुदरा दुकानों को सशर्त खोलने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन परिस्थितियों में बदलाव होने पर छूट में बदलाव भी किया जा सकता है। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने सोमवार की रात डाउनिंग स्ट्रीट पर अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दुकानों को सशर्त खोलने की अनुमति दी जा रही है।

लॉकडाउन में ढील के तहत एक जून से सभी प्राइमरी स्कूल खुल जाएंगे और अगले सप्ताह से बाहर लगने वाले बाजार तथा कारों के शोरुम भी काम करने लगेंगे। इसके साथ ही 15 जून से खुदरा क्षेत्र को भी छूट मिल गई है। जॉनसन ने कहा, 15 जून से हम गैर आवश्यक वस्तुओ की बिक्री करने वाले खुदरा दुकानें, डिपार्टमेंट स्टोर, छोटी एकल दुकानों को भी खोलने की अनुमति दे रहे हैं। लेकिन परिस्थितियों के आधार पर इस छूट में बदलाव किया जा सकता है और ए दुकानें सिर्फ उन्हीं क्षेत्रों में खलेंगी जो कोविड-19 से सुरक्षित हैं।

दुकानें खोलने संबंधी तमाम नियमों और दिशा-निर्देशों का जिक्र करते हुए ग्रिटिश प्रधानमंत्री ने कहा, मैं चाहता हूं कि लोगों को विश्वास हो कि वे सुरक्षित खरीददारी कर सकते हैं, अगर वे सभी जगहों पर दो गज की दूरी बनाए रखने के नियमों का पालन करें। उन्होंने बताया कि कोविड-19 संबंधी नियमों का पालन नहीं करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना लग सकता है और उन्हें दो साल तक कैद की सजा भी हो सकती है।

पाकिस्तान में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले 57,705 पर पहुंचे

भाषा । इसलामाबाद

पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,356 नए मामले सामने आए और 30 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 57,705 हो गए हैं और।,197 लोगों की मौत हो गई है।संक्रमण के कुल 57,705 मामलों में से सिंध में अब तक 22,934, पंजाब में 20,654, खैबर-पख्तूनख्वा में 8,080, बलूचिस्तान में 3,468, इस्लामाबाद में।,728, गिलगित-बाल्टिस्तान में 630 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 211 मामले हैं। अधिकारियों ने अब तक 490,908 नमूनों की जांच की है, जिसमें सोमवार को की गई 7,252 नमूनों की जांच शामिल हैं।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार अब तक 18,314 मरीज उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं, जबकि।,197 लोगों की संक्रमण से मौत हो चुकी है। पाकिस्तान में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बाद जापान ने महामारी के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान को सहयोग की पेशकश की है। जापान के विदेश मंत्री तोशीमित्सु मोतेगी ने विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को एक पत्र लिख कर मदद की पेशकश की। तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने सोमवार को प्रधानमंत्री इमरान खान को फोन किया और दोनों नेताओं ने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

ऑस्ट्रेलिया में एक मालवाहक जहाज के चालक दल के सदस्य कोरोना वायरस से संक्रमित

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के कैनबरा प्रांत के प्रधानमंत्री मार्क मैकगोवन ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात से मवेशियों को लेकर शुक्रवार को राज्य के फ्रेमैंटल बंदरगाह पर पहुंचे मालवाहक जहाज अल कुवैत के चालक दल के 48 में से छह सदस्यों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। गौरतलब है कि जहाज शुक्रवार को यहां पहुंचा और उसके चार दिन बाद संक्रमण की पुष्टि हुई है। इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर स्थानीय अधिकारियों को इस खतरे के बारे में सचेत क्यों नहीं किया गया? प्रधानमंत्री ने बताया कि संक्रमित हुए चालक दल के छह सदस्यों को पर्थ के एक होटल में पृथक-वास में रखा गया है, और स्वास्थ्य अधिकारी फिलहाल बाकी के 42 सदस्यों के संबंध में विचार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस मालवाहक जहाज में 56,000 भेड़ें थीं और फिलहाल उन्हें बंदरगाह के पास ही रखा गया है।

नेपाल के भक्तपुर में तालाबंदी के दौरान कोरोनावायरस के प्रसार को रोकने के लिए मंदिर की सीढ़ियों की सफाई करता सफाईकर्मी

‘एकाग्रता और ध्यान के साथ कोई भी कुछ भी कर सकता है’

उनकी उपलब्धियां अनेक हैं। हर रोल में फिट हो जाने वाला ये अभिनेता शांत और एकाग्र रहने में विश्वास है। पायनियर संवाददाता मुस्बा हाशमी के साथ एक विशेष बातचीत में पीयूष मिश्रा ने अपने नए शो ‘इल्लीगल’ के बारे में बात की और जाना कि वो इस भूमिका के लिए किस प्रकार आकृष्ट हुए और इंडस्ट्री में उनके बुरे अनुभव क्या रहे हैं...

■ ‘वूट सिलेक्ट’ के शो ‘इल्लीगल’ में आपकी भूमिका किस प्रकार की है?

मैं इसमें जनार्दन जेटली बना हूं जो एक जाने माने आपराधिक मामलों के अधिवक्ता हैं। उनके चरित्र में एक मोड़ ये भी है कि वो राजनीति में भी हैं। वो क्रूर होने के साथ ही दयालु भी हैं। कुल मिलाकर वो खतरनाक व्यक्ति हैं और उनके चरित्र में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिलते हैं।

■ इस सीरीज़ के प्रति आप कैसे आकृष्ट हुए?

मैं अपनी अंतप्रेरणा के आधार पर चलने वाला व्यक्ति हूं। स्क्रिप्ट पढ़ते ही मुझे पता चल जाता है कि मैं ये प्रोजेक्ट करूंगा या नहीं। इसमें किसी प्रकार की जटिलता नहीं है। ये अंत:प्रेरणा का ही विषय है।

■ आपको अपना पदार्पण शो ‘भारत एक खोज’ कैसे मिला था?

नसीर ने मुझे इस टीवी सीरीज़ का हिस्सा बनने के लिए मुंबई बुलाया था। मैंने उसके तीन अंक किये थे। उन दिनों टीवी अधिक लोकप्रिय नहीं था। इसलिये मैं सोचा करता था कि मैं आगे क्या करूंगा। इसमें काम करने का मेरा अनुभव अच्छा रहा और मुझे देश के सर्वश्रेष्ठ अभिनेताओं के साथ काम करने का अवसर भी मिला। लेकिन मैं एक वर्ष के बाद दिल्ली वापस आकर थियेटर करने लगा। धीरे धीरे सबकुछ सही होने लगा और इंडस्ट्री में मेरा मार्ग प्रषस्त होता चला गया।

■ इंडस्ट्री में अब तक की आपकी यात्रा कैसी रही है?

ये कठिन थी लेकिन रचनात्मकतापूर्ण भी थी। मैंने अनेक थियेटर प्रोग्राम किये और तीन घंटे का एक एकल प्रदर्षन भी किया। इसके बाद 1998 में मैंने अपनी पहली फिल्म ‘दिल से’ की। इसके बाद मैं पुन: थियेटर करने लगा। इसके बाद वर्ष 2001 में मैं फिल्म ‘द लेजेंड ऑफ भगत सिंह’ के संवाद लिखने के लिए पुन: मुंबई गया। उस समय तक मैं कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने लगा था लेकिन मैंने तब तक मुंबई में निवास करना प्रारंभ नहीं किया था। 2003 में मकबूल आई और इसी के बाद मैं परिवार सहित मुंबई आ गया।

■ क्या कभी कोई ऐसा अवसर आया था जब आपको इंडस्ट्री छोड़ने का मन किया हो?

कई बार कठिन समय तो आए लेकिन छोड़कर जाने का विकल्प कभी नहीं था। 2003 में मुंबई आते समय मैं यही संकल्प लेकर आया था कि ‘अब तो जीना भी यहीं और मरना भी यहीं।’

■ जब आप सेट पर होते हैं तो सशक्त संवाद बोलते या लिखते समय कैसा लगता है?

देखिये हमें इसका पारिश्रमिक मिलता है। हम ये सब अपने काम के हिस्से के रूप में करते हैं। यदि नहीं करेंगे तो हमें हमारा वेतन वाला चेक नहीं मिलेगा, अत: ये तो पहली शर्त है। दूसरी बात ये है कि हम ये केवल दर्षकों के लिए करते हैं। परदे पर आप जो भी करते हैं सबकुछ दर्शकों को ध्यान में रखकर किया जाता है। इसका कोई दबाव आदि नहीं होता बल्कि ये तो हमारी कला का ही हिस्सा है।

■ आप कई काम कर लेते हैं। अभिनेता से लेकर पटकथा निर्देषन तक आप बहुत कुछ करते हैं। ये कितना कठिन या सरल होता है?

मैं बचपन से ही ऐसा हूं। मैं अनेक कार्य कर लेता हूं। साथ ही मेरी एकाग्रता और ध्यान भी नहीं बंटता। मैं धैर्य बनाए रखता हूं और भ्रमित होने से बचता हूं। मैं हर कार्य को बराबर समय देता हूं और इस प्रकार सबकुछ सरलता से हो जाता है। ऐसा करना कोई बड़ी बात नहीं है और कोई भी ये कर सकता है यदि वो एकाग्र रहे और अपना ध्यान न बंटने दे।

■ इंडस्ट्री में आपकी सर्वश्रेष्ठ एवं निकृष्टतम स्मृति के बारे में बताइये...

एक बार मादक पदार्थ के नशे में एक वरिष्ठ अभिनेता ने एक फिल्म की वर्कशॉप के समय मुझे अपशब्द कहे। मैं उनका नाम नहीं बताऊंगा, लेकिन मुझे आज तक इस बात का पछतावा है कि मैंने उसका सिर क्यों नहीं तोड़ा। बस एक यही कसक मेरे मन में रह गई है। धीरे धीरे गुस्सा कम होता जा रहा है और मुझे लगने लगा है कि मैं उसे क्षमा कर दूं।

■ विगत वर्षों में इंडस्ट्री में क्या परिवर्तन आया है?

बहुत परिवर्तन आया है और ये अच्छा है। 1998 से ही परिवर्तन की बयार बहने लगी थी। शुजित सरकार, तिग्मांषु धूलिया, इम्तियाज़ अली, राजू हिरानी, अनुराग कश्यप आदि इस परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने नई स्क्रिप्ट्स पर काम करना प्रारंभ किया जिसमें नई कंटेंट होती थी। इसके कारण नए अभिनेता और लेखकों को अधिक अवसर उपलब्ध हुए। इसके अलावा मेरे और नवाजुद्दीन जैसे लोगों को मुख्य भूमिकाएं मिलने लगीं। ये कम महत्वपूर्ण नहीं है। मुख्य भूमिका के लिए सुंदर मुखड़े वाले लड़कों की मांग में कमी आई और अब यदि आप प्रतिभाशाली हैं तो आपको अवसरों की कमी नहीं होगी। आपको लुक आदि के लिए किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी।

■ आपकी आने वाली परियोजनाओं के बारे में बताइये...

कुछ वेब सीरीज़ हैं। इसके बाद एक विज्ञान कथा ‘जेएल-50’ है। इसमें पंकज कपूर और अभय देओल तथा अन्य कलाकार हैं। मैं लॉकडाउन से पहले ढाका में शेख रहमान पर एक फिल्म कर रहा था, संभव है कि लॉकडाउन खुलने के बाद पुन: इसपर कार्य प्रारंभ हो सकेगा।

सलमान खान की फिल्म दबंग की आएगी एनिमेटेड सीरीज

भाषा। मुम्बई

सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म दबंग की जल्द एनिमेटेड सीरीज आने जा रही है। इसके दो सीजन होंगे। पहले सीजन में 52 एपिसोड होंगे, प्रत्येक एपिसोड आधे घंटे का होगा। निर्माता इसे रिलीज करने लिए विभिन्न ओटीटी मंचों से बातचीत कर रहे हैं। अभिनेता एवं निर्माता अरबाज खान ने कहा कि दबंग की सबसे अच्छी बात यह है कि वह पूरे परिवार का मनोरंजन करती है और इस सीरिज को आगे बढ़ाने का सबसे सही तरीका एनिमेशन ही था। अरबाज ने एक बयान में कहा, इस माध्यम से आपको कहानी बयां करने में रचनात्मक स्वतंत्रता मिलती है और हम लंबी कहानियों की बजाय छोटी-छोटी कहानी पर ध्यान केन्द्रित कर सकते हैं। चुलबुल का किरदार काफी व्यपापक है और एनिमेशन के जरिए इसे एक नए अंदाज में दिखाया जाएगा। एनिमेशन स्टूडियो कॉज्मोस-माया इसका निर्माण कर रहा है। अरबाज ने कहा , हम खुश हैं कि हम कॉज्मोस-माया के साथ काम कर रहे हैं, जो लाखों दिल जीत चुका है। इस एनिमेटेड सीरिज में सलमान के अलावा सोनाक्षी के किरदार रज्जो, दिवंगत विनोद खन्ना के किरदार प्रजापति और दबंग के तीनों भाग के खलनायक छेदी सिंह (सोनू सूद) , बच्चा भइया (प्रकाश राज) और बाली (सुदीप) को भी दिखाया जाएगा।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक के साथ पहली डेट को किया याद, सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीर

भाषा। लॉस एंजिलिस

अदाकारा प्रियंका चोपड़ा जोनस ने पति एवं अमेरिकी गायक निक जोनस के साथ पहली डेट की दूसरी वर्षगांठ पर कहा कि एक दूसरे का साथ मिलना ईश्वर का एक बहुत बड़ा तोहफा। प्रियंका और निक 2018 दिसम्बर में शादी के बंधन में बंधे थे। द स्काई इज़ पिंक की अदाकारा ने पहली डेट की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, दो साल पहले हमने पहली बार एक-साथ तस्वीर ली थी। उस दिन के बाद से आज तक तुम मेरी जिंदगी में बस खुशी ही लाए हो। मुझे तुमसे प्यार है निक , हमारी जिंदगी को एक-साथ इतना बेहतरीन बनाने के लिए शुक्रिया। वहीं निक ने सोशल मीडिया पर एक अन्य तस्वीर साझा करते हुए कि वह खुशनसीब हैं कि उन्हें प्रियंका का साथ मिला। उन्होंने लिखा, यह खूबसूरत लड़की और मैं दो साल पहले आज ही के दिन पहली डेट पर गए थे। ए मेरी जिंदगी के बेहतरीन दो साल रहे और मैं खुशनसीब हूं कि बाकी जिंदगी भी मुझे इनके साथ बिताने का मौका मिला है....भगवान का बहुत बड़ा तोहफा। मुझे तुमसे प्यार है। प्रियंका ने इस फोटो पर लिखा (कमेंट किया), मेरी जिंदगी का सबसे सही फैसला। प्रियंका जल्द ही नेटफ्लिक्स की दो फिल्म द व्हाइट टाइगर और वी कैन बी हीरोज में नजर आएंगी। साथ ही वह एमेजोन प्राइम की भी एक फिल्म और एक सीरिज में काम कर रही हैं।

निखिल आडवाणी ने अक्षय कुमार को ऑनलाइन सुनाई फिल्म बेल बॉटम की पटकथा

भाषा। मुंबई

फिल्मकार निखिल आडवाणी ने अभिनेता अक्षय कुमार को फिल्म बेल बॉटम की पटकथा ऑनलाइन सुनाई। फिल्म के निर्माता आडवाणी ने जूम एप पर सुबह छह बजे एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में अक्षय को पटकथा सुनाई। आडवाणी ने ट्वीट किया, लॉकडाउन में अक्षय कुमार के लिए कुछ नहीं बदला, सुबह छह बजे उन्हें बेल बॉटम की पटकथा सुनाई। निर्देशक रंजीत तिवारी, लेखक असीम अरोड़ा, निर्माता जैकी और वाशु भगनानी भी इस बैठक में शामिल हुए। फिल्म के 22 जनवरी 2021 को बड़े पर्दे पर रिलीज होने की संभावना है। गौरतलब है कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के कारण फिल्म निर्माण से जुड़े सभी गतिविधियां भी फिलहाल बंद हैं।

मशहूर ड्रमर जिम्मी कॉब का निधन

भाषा। न्यूयॉर्क

मशहूर ड्रमर जिम्मी कॉब का कैंसर से लंबी लड़ाई लड़ने के बाद निधन हो गया। वह 91 वर्ष के थे। वह माइल्स डेविस के 1959 में आए एल्बम काइंड ऑफ ब्लू के आखिरी सदस्य थे, जिनका रविवार को निधन हो गया। कॉब की पत्नी एलीना कॉब ने फेसबुक पर घोषणा की कि उनके पति का फेफड़ों के कैंसर से यहां घर पर निधन हो गया। कॉब का आखिरी एल्बम दिज़ आई डिग ऑफ यू अगस्त 2019 में रिलीज हुआ था।

बंटी और बबली के 15 साल पूरे होने पर बिग बी ने कहा

बेटे अभिषेक के साथ पहली बार किया था काम

भाषा। मुंबई

मेगास्टर अमिताभ बच्चन ने मंगलवार को फिल्म बंटी और बबली को आए 15 साल पूरे होने के मौके पर बेटे अभिषेक बच्चन के साथ पहली बार बड़े पर्दे पर काम करने के अपने अनुभव को साझा किया। निर्देशक शाद अली की 2005 में आई इस फिल्म में अमिताभ के अलावा अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी एक विशेष गीत कजरारे में नजर आई थी, जो 2007 में अभिषेक के साथ शादी के बंधन में बंधी। बिग बी ने ट्विटर पर फिल्म का पोस्टर और अभिषेक तथा ऐश्वर्या के साथ एक स्टेज शो की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 15 साल.... बंटी और बबली। अभिषेक के साथ मेरी पहली फिल्म। बेहद मजा आया था क्या टीम थी। कजरारे पर लगभग हर जगह प्रस्तुति दी थी। इस फिल्म के अलावा अमिताभ और अभिषेक फिल्म सरकार , कभी अलविदा ना कहना और पा में एक साथ काम कर चुके हैं।

‘तनावमुक्त रहना है तो अतिथि सेवा से पहले बनाएं योजना’

क्या आप अपने परिवार को ऐसा लंच कराना चाहते हैं जो उन्हें जीवन पर्यंत याद रहे और वे बार बार उसका स्मरण करें और आपको बताएं। लेखक शिलार्ना वेज़ अपनी पुस्तक ‘हाउ टु पार्टी लाइक ए स्टार’ में बता रही हैं कि अतिथियों के घर आने पर भी आप किस प्रकार से अपना संतुलन बनाए रखकर उनका आतिथ्य कर सकती हैं।

क्या आपको वो सुंदर सा क्विनोआ सलाद याद है जो हमने नताशा के यहां नाश्ते में खाया था या फिर निखिल के यहां उस ऑरेंज कॉकटेल जैसा क्या था? जी हां, हम सभी अपने अतिथियों को कुछ ऐसा खिलाना पसंद करते हैं जिसके बारे में वो वर्षों याद रखें और दूसरे लोगों को भी बताएं। साथ ही अतिथियों की सेवा में आप अपना मानसिक संतुलन भी नहीं खोना चाहते। तो समझ लीजिये कि इसका सबसे अच्छा ढंग ये है कि अतिथियों के आने से दो या तीन दिन पहले ही आपका 90 प्रतिशत काम पूरा हो जाना चाहिये ताकि आप थकान का अनुभव न करें। यदि ऐसा हुआ तो आपकी योजना गड़बड़ भी हो सकती है

पहली बात ये कि आपका मेन्यू स्पष्ट होना चाहिये। पूरी योजना इसी पर निर्भर होती है। यदि आप तीन स्नैक्स, तीन सलाद औरर तीन मुख्य भोजन और दो डेजर्ट प्रस्तुत करना चाहते हैं तो आपके पास कमरे का विकल्प भी होना चाहिये क्योंकि यदि कोई शाकाहारी हुआ या ग्लूटेन या सीफूड के प्रति एलर्जी वाला व्यक्ति हुआ तो ये अच्छा रहेगा। यदि आप कुछ दूसरा बनाते हैं तो आपको सबकुछ प्रारंभ से करना पड़ सकता है। आप वही बनाएं जो आप पहले बना चुकी हैं और आपको अच्छा लगता है। आपको इंटरनेट या फिर दूसरी किसी रेसिपी के चक्कर में नहीं पड़ना चाहिये। बल्कि मित्रों से रेसिपी लेना भी अच्छा विचार है। आप रेसिपी को देखकर निर्णय कीजिये कि अग्रिम में क्या बना कर रखा जा सकता है। इसके लिए आपको शॉपिंग हेतु सूची बनानी होगी और उसमें अलग अलग मद लिखना चाहिये जैसे फल, सब्जियां, किराना वस्तुएं, विशिष्ट वस्तुएं, मछलीवाले या कसाई या बेकरी आदि। इससे आपका समय बचेगा। उनकी मात्रा दिनांक सहित लिखना उचित होगा ताकि समय पर आपके पास सबकुछ उपलब्ध हो।

उदाहरण के लिए सब्जी, तथा प्रोटीन वाली वस्तुओं को अग्रिम में क्रय करना उचित होगा। लेकिन यदि आपको फल और सलाद आइटम लेना हो तो उन्हें नियत तिथि से पूर्व की सांझ को लेना चाहिये।

आपको जिस दिन ये करना है उससे दो या तीन दिन पहले तैयारी प्रारंभ कर देनी चाहिये। यदि आपको एंटीपास्ती बनाना है या चीज़ प्लैटर ही तैयार करना हो तो पनीर को तीन दिन पहले से लेकर रख लेना चाहिये। सब्जियों को एक दिन पहले से ही रोस्ट कर लेना चाहिये। ब्रेड को नियत दिन ही लेना उचित होगा। आपको नियत दिन के पूर्व वाले दिन विस्मृत हुई वस्तुओं की एक कलेक्शन लिस्ट बनानी होगी। हर प्रकार की क्रॉकरी, ग्लास के बर्तन आदि को एक दिन पूर्व स्वच्छ स्थिति में लाना चाहिये। इस प्रकार आपको सलाद को केवल टॉस करना रह जाएगा। पूर्व में बेक की हुई वस्तुओं को थोड़ी तैयारी के बाद प्रस्तुत किया जा सकता है।

यदि आपको किसी की सहायता चाहिये तो इसके लिए अपने किसी श्रेष्ठ मित्र या पति के सहायक,बहन या मां की सहायता ली जा सकती है। उन्हें आप स्टैंड बाई सहायक के तौर पर भी उपयोग में ले सकते हैं। बच्चों को आप मेज आदि सजाने जैसे काम दे सकती हैं। वातावरण को हल्का रखें ताकि आपको दास होने का बोध न होने लगे। मुझे नहीं पता कि मुझे इंटरनेट, गूगल या फिर पिंट्रेस्ट को खोजने के लिए तारों को धन्यवाद कहना चाहिये या फिर उस दिन को कोंसना चाहिये जब इनका आविष्कार हुआ था। इनसे हमें कुछ भी करने की प्रेरणा और विश्वास तो मिलता है कि आप सोच के आधार पर भी कुछ भी कर सकते हैं लेकिन साथ ही इनसे किसी भी पेशेवर कैटरर, स्टाइलिस्ट या बारटेंडर का जीवन दुस्वप्न बन सकता है। आपके लिए सबकुछ वास्तविक रखना श्रेयस्कर होगा। यदि आप उचित तैयारी न करके सामान्य ढंग से अतिथियों का स्वागत करते हैं तो आपको हर दिन किसी न किसी काम के लिए बाजार जाना पड़ेगा। यदि आप उस दिन से पहले ही सबकुछ बनाकर अपनी तैयारी रखना चाहते हैं तो आप ऐसा कर सकते हैं। लेकिन यदि आप तनावमुक्त रहते हुए उनका स्वागत करना चाहते हैं तो आपको केवल प्रवेशद्वार, डिनर टेबुल तथा बार काउंटर की सजावट पर ही अपना पूरा ध्यान लगाना होगा।

थीम के अनुसार पुष्प तथा अपनी पसंद के अनुसार वस्तुओं को लाकर सजावट को अधिक व्यक्तिगत बनाया जा सकता है। इसके लिए आपको वो लुक पहले से ही तैयार करनी होगी जिसे आप वहां देखना चाहते हैं। इसके लिए कई ऑनलाइन होम डिलिवरी का सहारा लिया जा सकता है।

यदि आप इवेंट स्टाइलिस्ट की सेवाएं ले रहे हैं तो उन्हें आप अपने विचार दे सकते हैं लेकिन आपको उनके विचार भी सुनने चाहिये ताकि आपको ये पता चलता रहे कि आपका कौन सा विचार आपको बजट के बाहर भी ले जा सकता है। उनसे कोटेशन और रिफरेंस फोटा अवश्य लें तथा हर आइटम का ब्रेकअप भी आवष्यक है ताकि कार्यक्रम के अंत में कुछ नया और आश्चर्यजनक संकट आपके मन की शांति न छीन सके।

(पुस्तक को पेंग्विन रैंडम हाउस, इंडिया की पूर्व अनुमति के साथ प्रकाशित किया गया है)